हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, रविवार, 24 अगस्त, 2025 वर्ष : 13 अंक : 95 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

YouTube Subscribe
Koylanchal samvad news

नेशनल स्पेस डे, पीएम मोदी बोले-हम एस्ट्रोनॉट पूल बना रहेःयुवा भी इससे... | उत्तराखंड : जांच होगी तो पूरी कैबिनेट जेल में होगी | 3-4 सितंबर को होगी जीएसटी काउंसिल की मीटिंगः जीएसटी...

रांची में रिकॉर्ड बारिश, सरायकेला और खूंटी में तबाही, 15 जिलों में बाढ़ का अलर्ट

झारखंड में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, खरसावां में 5 साल की बच्ची की मौत, खूंटी में नदियां उफान पर

रांचीः झारखंड में मानसून की बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. खरसावां में बारिश की वजह से मिट्टी का घर गिर गया, जिसमें दबकर 5 साल की बच्ची की मौत हो गयी. सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर में मिट्टी का घर धंस गया, जिसमें 10 लोग दब गये. 2 लोगों की हालत गंभीर है. खूंटी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं. राजधानी रांची में एक दिन में 124 मिलीमीटर वर्षा हुई है.

मिट्टी का घर गिरने से 5 वर्षीय बच्ची की मौत

सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां थाना क्षेत्र के कोल शिमला गांव में भारी बारिश से एक मिट्टी का घर गिर गया. उसमें दबकर 5 वर्ष की बच्ची की मौत हो गयी. घटना शनिवार सुबह करीब 4:00 हुई. घर का स्वामी मुन्ना बोदरा (25) पत्नी अनुष्का बोदरा (22) अपनी 2 बच्चियों बाजाय बोदरा (5) एवं गुरुवारी बोदरा (ढाई साल) के साथ घर में सोया था. लगातार 2 दिन से हो रही भारी बारिश के कारण शनिवार की सुबह मिट्टी का घर अचानक से भड़बड़ाकर गिर गया. परिवार के सभी सदस्य मलबे में दब गये.

मां के साथ सो रही बच्ची बच गयी

मुन्ना की सबसे छोटी बेटी मां के साथ सोयी थी. जैसे ही घर गिरा, उसकी पत्नी अपनी छोटी बेटी को अपने सीने से लगा लिया. उसे कोई चोट नहीं आयी. उसकी दूसरी बेटी बाजाय बोदरा की मलबे में दबाने से मौत हो गयी. मुन्ना की कमर में और उसकी पत्नी को भी गंभीर चोटें आयी हैं. घर गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े. एंबुलेंस बुलाकर सभी को सरायकेला सदर अस्पताल भिजवाया.

घर में आराम कर रहे सभी 10 लोग मलबे में दबे

कई दिनों से जारी भारी बारिश की वजह से संतोष लोहार की मिट्टी एवं खपरैल के घर की दीवार अचानक गिर गयी. घर के अंदर में मौजूद 10 लोग घायल हो गये. इनमें 2 की हालत गंभीर है. घटना के समय संतोष लोहार अपने परिवार के साथ घर में थे. कुछ मेहमान भी आये थे. सभी लोग घर में आराम कर रहे थे. इसी दौरान अचानक भरभराकर दीवार गिर गयी.

मायके आयी थी शांति लोहार

शांति लोहार खोकरो गांव से अपने मायके डांडु गांव आयी थी. दोपहर का भोजन करने के बाद वह बेटी के साथ घर के भीतर आराम कर रही थीं. इसी दौरान हादसा हो गया. ओडिशा के गुरुमाहीसिनी गांव निवासी लक्ष्मण बिधानी भी अपने जीजा संतोष लोहार के घर मेहमानी में आये थे. वह भी दुर्घटना में घायल हो गये. प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार सुबह से ही रुक-रुककर भारी बारिश हो रही थी. बारिश के कारण लोग घरों में ही कैद थे.

खूंटी में नदियां उफान पर

खूंटी जिले में लगातार बारिश के बाद जिले में नदियां उफान पर हैं. रांची-खूंटी मार्ग पर तजना नदी अपने रौद्र रूप में नजर आ रही है. स्थानीय लोगों के अनुसार, इससे पहले तजना नदी का यह रूप कभी नहीं देखा गया था. नदी का जलस्तर पुल तक पहुंच गया है. नदी के किनारे स्थित तजना मुक्ति धाम डूब गया है.

24 और 25 अगस्त को भारी बारिश की चेतावनी

झारखंड में बारिश और कहर बरपाएगी. मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में भारी बारिश की चेतावनी दी है. 15 जिलों में बाढ़ की भी आशंका जताई है. जिन जिलों में बाढ़ की आशंका जताई है उनमें बोकारो, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रामगढ़, रांची, सरायकेला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं.

24 को 15 जिलों में भारी बारिश

मौसम विभाग ने 24 अगस्त को राज्य के 15 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है. इसमें पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, बोकारो, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, रांची, रामगढ, हजारीबाग, कोडरमा, धनबाद, एवं गिरिडीह शामिल हैं.

25 को 12 जिलों में भारी बारिश

25 अगस्त को भी राज्य के 12 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है. इनमें पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, रांची, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां शामिल हैं. वहीं अगले 24 घंटे में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट भी दर्ज की जा सकती है.

उत्तराखंड के थराली में बादल फटा, एक की मौतः 80 घरों में 2 फीट तक मलबा भरा

उत्तराखंड में चमोली जिले के थराली में शुक्रवार देर रात बादल फट गया। हादसा रात 1 से 2 बजे के बीच हुआ। आसपास के दो गांव सागवाड़ा और चेपड़ों में काफी नुकसान हुआ। चमोली के डीएम संदीप तिवारी ने बताया कि थराली तहसील मुख्यालय के एक किलोमीटर के दायरे में कई जगहों पर तबाही मच गई क्योंकि स्थानीय नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। चेपड़ों गांव में एक व्यक्ति लापता है, जबकि सागवाड़ा में एक घर पर मलबा गिरने से एक लड़की दब गई थी। कुछ घंटो बाद उसका शव बरामद कर लिया गया। दोनों गांवों में मिलाकर कुल 70-80 घरों में करीब 2 फीट तक मलबा घुस गया। थराली को जोड़ने वाला कर्णप्रयाग-ग्वालदम नेशनल हाईवे मिंग गधेरा के पास मलबा आने के कारण बंद हो गया है। इससे पहले 5 अगस्त को धराली में बादल फटा था, जिसमें 5 की मौत हुई और 100 से ज्यादा लापता हुए। उधर मौसम विभाग ने शनिवार को 19 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया। उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड में मध्यम बारिश होने की संभावना है हिमाचल प्रदेश में 23 से 26 अगस्त तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से नेशनल हाईवे-305 समेत 347 सड़कें अभी भी बंद हैं। 20 जून से मानसून शुरू होने के बाद से अब तक 295 मौतें हो चुकी हैं। चमोली के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट विवेक प्रकाश ने बताया कि अचानक बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है। बाढ़ के कारण सड़कें बंद हो गई हैं। प्रशासन राहत कार्य में लगा हुआ है। राहत शिविर भी बनाए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

भारत ने अमेरिका की पोस्टल सर्विस सस्पेंड कीः अब अमेरिका जाने वाली सभी सामानों पर ड्यूटी

नई दिल्लीः ट्रम्प के टैरिफ के जवाब में भारतीय डाक विभाग 25 अगस्त से अमेरिका के लिए सभी तरह के डाक सामानों की बुकिंग सस्पेंड करने जा रही है। फिलहाल ये फैसला अस्थायी रूप से लागू होगा।आज यानी शनिवार, 23 अगस्त को डाक विभाग ने एक प्रेस नोट जारी कर इसकी जानकारी दी। पोस्टल डिपार्टमेंट ने कहा, '29 अगस्त से अमेरिका जाने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय डाक सामानों पर देश-विशेष इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट टैरिफ स्ट्रक्चर के अनुसार कस्टम ड्यूटी देनी होगी। चाहे उनकी कीमत कितनी भी हो। हालांकि, 100 डॉलर (करीब 8,700 रुपए) तक की कीमत वाले गिफ्ट आइटम्स को ड्यूटी से छूट मिलती रहेगी। ये फैसला अमेरिकी प्रशासन के 30 जुलाई को जारी किए गए कार्यकारी आदेश के बाद लिया गया है, जिसमें 800 डॉलर तक की कीमत वाले सामान पर दी जाने वाली ड्यूटी-फ्री छूट को खत्म कर दिया गया है।

तमिलनाडु में जूते-चप्पलों की फैक्ट्री लगाएगा कोरियाई ह्वासेंग ग्रुप

चेन्नई (ईएमएस)। क्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनी ह्वासेंग फुटवियर ग्रुप मिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में 1,720 करोड़ का निवेश कर गैर-चमड़े के जूते-चप्पलों की फैक्ट्री लगाएगी। यह भारत में कंपनी की पहली यूनिट होगी। इस परियोजना से लगभग 20,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने बताया कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कंपनी के अधिकारियों से मुलाकात की और निवेश को लेकर सहमति बनी। उन्होंने कहा कि यह राज्य में फुटवियर क्षेत्र की सबसे बड़ी रोजगार देने वाली परियोजनाओं में से एक होगी।

एंटी लैंड माइंस व्हिकल में गैंगस्टर मयंक सिंह की रामगढ़ कोर्ट में हुई पेशी, 50 से अधिक केस हैं दर्ज

रामगढ़ : झारखंड पुलिस की नाक में दम कर देने वाले गैंगस्टर मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा को झारखंड एटीएस की टीम शनिवार को 1:50 बजे रामगढ़ कोर्ट लेकर पहुंची. एंटी लैंड माइंस वाहन से भारी सुरक्षा-व्यवस्था के बीच उसे अपर न्यायिक दंडाधिकारी संदीप बर्मन की अदालत में पेश किया गया. मयंक सिंह पर रामगढ़, पतरातू थाना समेत झारखंड के कई थानों में मामले दर्ज हैं. झारखंड एटीएस ने उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया था. इसी के आधार पर अजर बेजान से गिरफ्तार कर मयंक को झारखंड लाया गया है. पतरातू थाना के भदानीनगर ओपी कांड संख्या 175/2022 में मयंक सिंह को कोर्ट में पेश किया गया. उस पर रंगदारी मांगने का मामला दर्ज है.

राजस्थान का रहने वाला है मयंक

मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा मूल रूप से राजस्थान के नयी मंडी थाना क्षेत्र जीडीएस पुरानी मंडी घड़ासाहन का रहने वाला है. पुलिस को कई मामलों में उसकी तलाश थी. मयंक सिंह पर 50 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं. उसके खिलाफ झारखंड ही नहीं, राजस्थान और पंजाब में भी कई क्रिमिनल केस हैं.

अमन साहू और लॉरें बिश्नोई से थे मयंक के रिश्तेः गैंगस्टर को अजरबेजान के दातू में गिरफ्तार किया गया था. उसकी गिरफ्तारी अक्टूबर 2024 में हुई. आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, मयंक सिंह झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू का करीबी है. उसके संबंध लॉरेंस बिश्नोई से भी रहे हैं.

दीपावली गिफ्ट देने में जुटा आवास बोर्ड, एक हजार से अधिक फ्लैट और जमीन के आवंटन की तैयारी

रांचीः जमीन और घर लेने की प्रतीक्षा कर रहे लोगों के लिए आवास बोर्ड दीपावली गिफ्ट देने जा रहा है. आवास बोर्ड के द्वारा की जा रही तैयारी के तहत रांची के बाद जल्द ही आवास बोर्ड हजारीबाग प्रक्षेत्र के लिए निकाले गए लॉटरी आवंटन को अंतिम रूप देगा. उसके बाद धनबाद एवं राज्य के अन्य शहरी इलाकों के लोगों के लिए आवास मुहैया कराया जाएगा. योजना के तहत आवास बोर्ड के पास करीब 1000 ऐसे घर और फ्लैट हैं, जिन्हें लॉटरी के माध्यम से आवंटित किया जाना है. आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान के अनुसार इसे दीपावली उपहार के रूप में माना जा सकता है. उन्होंने कहा कि बोर्ड के पास लंबे समय से बड़ी संख्या में आवास बन कर तैयार हैं, जिसे बारी-बारी से लोगों को लॉटरी के माध्यम से पूरी पारदर्शिता के साथ आवंटित किया जा रहा है.

रांची और देवघर में बनेगी हाउसिंग कॉलोनी

रांची और देवघर में झारखंड राज्य आवास बोर्ड अत्याधुनिक सुविधा से लैस आवासीय कॉलोनी का निर्माण करने जा रहा है. रांची के धुर्वा स्थित पुराने विधानसभा के समीप आवासीय परिसर तैयार किया जा रहा है. यहां 4500 वर्ग फीट से लेकर 1000 वर्ग फीट तक की जमीन आवास बोर्ड मुहैया कराएगी. इसमें एमआईजी, एचआईजी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी को जमीन उपलब्ध कराई जाएगी. इसके अलावा देवघर में तैयार हो रही नई हाउसिंग कॉलोनी के लिए डीपीआर फाइनल हो रहा है. आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान के नेतृत्व में जल्द ही टीम वहां स्थलीय निरीक्षण करने जायेगी.

रांची से करोड़ों रुपये के नकली नोट बरामद, दिल्ली से जुड़ा है गिरोह, दो आरोपी गिरफ्तार

रांचीः राजधानी रांची में पुलिस के द्वारा एक बड़ी कार्रवाई की गई है. इस कार्रवाई में लाखों में नकली नोट बरामद किए गए हैं. डीआईजी सह एसएसपी रांची चन्दन कुमार सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सुखदेवनगर इलाके में रेड कर फेक इंडियन करेंसी पकड़ा गया है.

क्या है पूरा मामला

कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि बिहार से एक बस में जाली नोटों के रांची लाने की सूचना डीआईजी सह एसएसपी रांची को मिली थी. जानकारी मिलने पर रातू रोड बस स्टैंड के पास बिहार से आने वाली चंद्रलोक बस की रेकी शुरू की गई. इसी दौरान कार्टून में रखे लगभग दो करोड़ के जाली नोट बस से उतार कर कुछ लोग कार में रखने लगे, जिन्हें मौके से रंगे हाथ पकड़ा गया. कार्टून खोलने पर उसमें से 500 रुपये के 42 बंडल बरामद किए गए, सभी 500 रुपये के नोट जाली थे. कोतवाली डीएसपी ने बताया कि मौके से मोहम्मद साबिर और साहिल कुमार को गिरफ्तार किया गया है. दोनों राजधानी रांची में जाली नोटों का कारोबार करते हैं.

दिल्ली का है मास्टरमाइंड

कोतवाली डीएसपी ने बताया कि पूछताछ में यह खुलासा हुआ है कि दिल्ली के एक संगठित आपराधिक गिरोह के द्वारा जाली नोट के गिरोह का संचालन किया जाता है. जिसका मुखिया नीरज कुमार चौधरी है जो दिल्ली में रहता है. उसके द्वारा ही फोन और व्हाट्सएप के माध्यम से गिरफ्तार किए गए मोहम्मद साबिर और साहिल कुमार के जरिए नकली नोट ग्राहकों को भेजा जाता है. गिरोह के द्वारा नकली नोटों के बंडल के ऊपर और नीचे एक-एक असली नोट डालकर शेष नकली नोट रख जाता है और इसके बदले ग्राहकों से 40000 से लेकर 50000 लेते थे. जाली नोट के कारोबार में 20 से 30% कमीशन गिरफ्तार आरोपियों को मिलता था, जिसके बदले में संगठित गिरोह जाली नोट को बाजार में खपाने का काम करते थे.

शराब घोटालाः प्रिज्म होलोग्राफी के एमडी को एसीबी कोर्ट से मिली जमानत

रांचीः झारखंड शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा गिरफ्तार किए गए विधु गुप्ता की जमानत याचिका पर रांची एसीबी की विशेष अदालत ने शनिवार को फैसला सुनाया है। अदालत ने विधु गुप्ता को जमानत की सुविधा प्रदान करते हुए उसकी जमानत याचिका स्वीकार कर ली है। दरअसल, एसीबी की टीम ने प्रिज्म होलोग्राफी कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) विधु गुप्ता को पिछले महीने गिरफ्तार किया था। विधु मूल रूप से उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के रहने वाले हैं। एसीबी ने विधु गुप्ता को 20 मई को दर्ज हुए कांड संख्या 09/25 के तहत गिरफ्तार किया था। यह शराब घोटाले में एसीबी की ओर से की गई आठवीं गिरफ्तारी थी। कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया ने ही प्रिज्म होलोग्राफी और उसके निदेशक विधु गुप्ता को झारखंड में 'अवैध जनशक्ति मॉडल' के सक्रिय संचालक के रूप में पेश किया था। इस घोटाले में आबकारी लाइसेंस धारकों और झारखंड स्टेट बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड की निविदाओं के लिए विधु गुप्ता की एजेंसी के माध्यम से फर्जी जनशक्ति की लगातार तैनाती की गई। सार्वजनिक धन का गबन करने के लिए फर्जी दस्तावेजों और बढ़ाए गए वेतन दावों का भी इस्तेमाल किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि विधु गुप्ता के नियंत्रण में ठेकेदारों, आबकारी अधिकारियों और जनशक्ति एजेंसियों को शामिल करते हुए विभिन्न राज्यों में एक संरक्षित नेटवर्क काम कर रहा था।

अनिल अंबानी के ठिकानों पर सीबीआई की रेडः एफआईआर भी दर्ज हुई, एसबीआई से 2929 करोड़ रुपए के लोन-फ्रॉड का मामला

नई दिल्लीः सीबीआई ने अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ 2,929 करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड मामले में केस दर्ज किया है। सीबीआई ने मुंबई में रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड के ऑफिस और अनिल अंबानी के घर पर शनिवार को छापेमारी भी की है। यह फ्रॉड एसबीआई से जुड़ा है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में लिखित जवाब में कहा था कि एसबीआई ने इस मामले में सीबीआई में शिकायत दर्ज करने की प्रोसेस भी शुरू की है। इसके अलावा बैंक ने अनिल अंबानी के खिलाफ व्यक्तिगत दिवालिया कार्यवाही भी शुरू की है, जो मुंबई एनसीएलटी में पेंडिंग है। इससे पहले 23 जुलाई को भी ईडी ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। रेड यस बैंक से लिए 3000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में की गई थी।

4 सवाल-जवाब में एसबीआई से जुड़ा पूरा मामलाः

सवाल 1: अनिल अंबानी के ग्रुप के खिलाफ सीबीआई ने कार्रवाई क्यों की है?
जवाबः मामला एसबीआई द्वारा अनिल अंबानी से जुड़े रिलायंस ग्रुप की कंपनियों को दिए गए करीब 2,929 करोड़ रुपए के लोन से जुड़ा है। कंपनी ने ये लोन नहीं चुकाया। इसे फ्रॉड माना गया, क्योंकि कंपनी ने लोन के पैसे का सही इस्तेमाल नहीं किया या नियमों का पालन नहीं किया।

सवाल 2 : अनिल अंबानी के मामले में सीबीआई की क्या भूमिका है?
जवाबः इससे पहले सीबीआई ने दो मामलों में एफआईआर दर्ज की थी। ये मामले यस बैंक द्वारा रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड को दिए गए दो अलग-अलग लोन से जुड़े हैं। दोनों ही मामलों में सीबीआई ने यस बैंक के पूर्व सीईओ राणा कपूर का नाम लिया था। इसके बाद एक अधिकारी ने बताया कि नेशनल हाउसिंग बैंक, सेबी, नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसी अन्य एजेंसियों और संस्थानों ने भी ईडी के साथ जानकारी साझा की। ईडी भी इस मामले की जांच कर रही है।

सवाल 3: अब तक क्या-क्या सामने आया?
जवाबः ईडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि ये एक सोचा-समझा और सुनियोजित प्लान था, जिसके तहत बैंकों, शेयरहोल्डर्स, निवेशकों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को गलत जानकारी देकर पैसे हड़पे गए। जांच में कई गड़बड़ियां पकड़ी गईं, जैसेः कमजोर या बिना वेरिफिकेशन वाली कंपनियों को लोन। कई कंपनियों में एक ही डायरेक्टर और एड्रेस का इस्तेमाल। लोन से जुड़े जरूरी दस्तावेजों का न होना। फर्जी कंपनियों में पैसे ट्रांसफर करना।

सवाल 4: अनिल अंबानी की कंपनियों पर और क्या आरोप हैं?
जवाबः कुछ दिन पहले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस और खुद अनिल अंबानी को फ्रॉड घोषित किया था। एसबीआई का कहना है कि आरकॉम ने बैंक से लिए गए 31,580 करोड़ रुपए के लोन का गलत इस्तेमाल किया। इसमें से करीब 13,667 करोड़ रुपए दूसरी कंपनियों के लोन चुकाने में खर्च किए। 12,692 करोड़ रुपए रिलायंस ग्रुप की दूसरी कंपनियों को ट्रांसफर किए।

बिहार के कटिहार में राहुल गांधी पानी में उतरेःमखाने की खेती देखी, किसानों से मिलकर समस्याएं जानी

कटिहारः बिहार में वोटर अधिकार यात्रा का शनिवार को 7वां दिन है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सुबह कटिहार के सिमरिया पहुंचे। यहां राहुल मखाने की खेती देखने के लिए घुटनों तक पैंट चढ़ाकर तालाब में उतरे। किसानों से समझा कि मखाने की खेती कैसे होती है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया X पर तस्वीर पोस्ट करते हुए लिख, 'बिहार दुनिया का 90% मखाना उगाता है, मगर दिन-रात धूप-पानी में मेहनत करने वाले किसान-मजदूर मुनाफे का 1% भी नहीं कमाते हैं। आज, इन किसानों से उनके खेतों में मिलकर उनकी आपबीती जानी। बड़े शहरों में 1000-2000 रुपए किलो बिकता है, मगर इन मेहनतकशों, पूरे उद्योग की नींव को, नाम मात्र का दाम मिलता है।'

आनेवाले दिनों में वोटर अधिकार यात्रा में कांग्रेस के कई बड़े नेता शामिल होंगे। प्रियंका गांधी 26-27 अगस्त को इस यात्रा का हिस्सा होंगी। कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने X पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा, 'मतदाता अधिकार यात्रा वोट चोरी के खिलाफ एक ऐतिहासिक आंदोलन बन गई है, जो न केवल बिहार, बल्कि पूरे भारत के लोगों को आकर्षित कर रही है।

संक्षिप्त खबरें...

पुलिस ने अवैध बालू लदे तीन ट्रेक्टर को किया जप्त, एनजीटी की रोक के बावजूद नहीं रुक रहा है बालू तस्करी

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। अवैध बालू लदे तीन ट्रेक्टर को बरकट्ठा थाना पुलिस ने पकड़ा है। शनिवार की सुबह थाना प्रभारी पंकज सिन्दुरिया ने कार्रवाई किया है। ग्राम गुंजरा मोड़ के समीप से पुलिस ने महिंद्रा कंपनी, पावर ट्रैक और आईसर कंपनी का तीन ट्रेक्टर को पकड़कर थाना ले गए। जबकि तीनों गाड़ी के चालक दिन के उजाले में मौके से भागने में सफल हो गये। जानकारी हो कि बरकट्ठा थाना क्षेत्र में एक बार फिर से बालू तस्करी का कारोबार व्यापक पैमाने पर फलने फूलने लगा है। प्रखंड क्षेत्र के बराकर नदी घाट से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रेक्टर बालू खनन व परिवहन किया जा रहा है। जबकि एनजीटी के द्वारा बालू उठाव और परिवहन पर अक्तूबर माह तक पूर्ण रूप से रोक लगाया गया है।वहीं हजारीबाग उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा सभी थाना प्रभारी और अंचल अधिकारी को अपने अपने क्षेत्र में कारोबार पर अंकुश लगाने का सख़्त निर्देश है। बावजूद प्रखंड क्षेत्र में रात दिन बालू तस्करी का काम बदस्तूर जारी है।जिससे स्थानीय पुलिस व प्रशासन की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़ा करता है।इस बाबत बरकट्ठा थाना में कांड संख्या 103/25 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मोबाइल चोरी के आरोप में दो चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : रेहला पुलिस ने मोबाइल चोरी के आरोप में दो युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार युवक के पास से चोरी की मोबाइल भी बरामद कर ली गयी है। विश्रामपुर एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी ने बताया कि सबौना गांव निवासी जसीम अंसारी की मोबाइल चोरी हुई थी। जसीम अंसारी ने रेहला थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी। जिसके बाद रेहला थाना कांड संख्या 35/2025 धारा 331 (4) / 305 ए भारतीय न्याय संहिता दर्ज कर अनुसंधान जारी किया गया था। अनुसंधान के क्रम में चोरी की गई मोबाइल के साथ पुलिस ने दो युवकों को रेहला थाना क्षेत्र के सिगसिगी गांव निवासी धीरज कुमार चंद्रवंशी व अरविंद चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। तथा गिरफ्तार दोनों युवकों के अपराध स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मुन्ना सिंह को कांग्रेस ने सौंपी नई जिम्मेदारी, खूंटी ज़िला के पीसीसी पर्यवेक्षक नियुक्त

हज़ारीबाग। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी एवं कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह को संगठन सृजन 2025 अभियान के तहत खूंटी ज़िला का पीसीसी पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के साथ कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें जिले में संगठन को मजबूत करने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुन्ना सिंह ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान और प्रदेश नेतृत्व का आभार है जिन्होंने उन्हें यह अवसर प्रदान किया। उन्होंने कहा कि वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन सृजन 2025 अभियान को सफल बनाने के लिए कार्य करेंगे। मुन्ना ने आगे कहा कि खूंटी की धरती सदैव संघर्ष और जागृति की प्रतीक रही है। यहां के कार्यकर्ताओं और जनता की आकांक्षाओं को शक्ति और दिशा देना उनका संकल्प है। उन्होंने कहा कि संगठन ही कांग्रेस पार्टी की रीढ़ है और कार्यकर्ताओं का उत्साह ही कांग्रेस की असली ताकत है। उन्होंने विश्वास जताया कि वे कांग्रेस आलाकमान, प्रदेश नेतृत्व और सभी साथी कार्यकर्ताओं की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे और खूंटी ज़िले में संगठन को और अधिक मज़बूत बनाएंगे।

जहर खाने से विवाहिता की हुई मौत, पिता ने थाना में दिया आवेदन

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। हज़ारीबाग जिले के बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चुगलामो में एक विवाहिता की जहर खाने से मौत हो जाने का मामला सामने आया है । ग्राम चुगलामो निवासी कल्याणी देवी 19 वर्ष पति राजेश रविदास की शुक्रवार 22 अगस्त को जहर खाने से स्थिति गंभीर हो गई थी। जिसे इलाज के लिए तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा ले जाया गया। जहां से चिकित्सक ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया था।जहां इलाज के दौरान कल्याणी देवी की मौत हो गई। इस बाबत मृतक के पिता ग्राम बाराटांड़ बरही निवासी कैलाश राम पिता झरी राम ने बरकट्ठा थाना में आवेदन दिया है।जिसमें उन्होंने अपनी पुत्री की हत्या उसके ससुराल वालों के द्वारा जहर खिलाकर कर देने का आरोप लगाया है। जिसमें कहा है कि मैंने अपनी पुत्री कल्याणी देवी की शादी 17 अप्रैल 2024 को ग्राम चुगलामो निवासी राजेश रविदास के साथ किया था। आरोप लगाया कि शादी के बाद दहेज की मांग को लेकर उसे हमेशा प्रताड़ित किया जाता था। जिसको लेकर मेरी पुत्री को जहर खिलाकर मार डाला गया।पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

लक्ष्मी चंद्रवंशी होम्योपैथिक कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा रेहला शुक्रबाजार में लगाया गया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित लक्ष्मी चंद्रवंशी होम्योपैथिक कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा शुक्रवार को रेहला शुक्रबाजार में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन डॉ कौशलेंद्र कुमार,डॉ संदेश कुमार व डॉ सरोज कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। डॉ कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि निदेशक डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी का उद्देश्य है कि आम लोगों तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचे। इसके लिए नप के सभी वार्डो में अभी लगातार शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर में डॉक्टरों ने दो सौ से भी ज्यादा मरीजों का जांचोपरांत उपचार किया। इसके अलावा मरीजों के बीच दवा का भी वितरित किया गया। मौके पर रत्नबला चौबे,आर्यांशी सिंह,रानी कुमारी,मीनाक्षी कुमारी,सुप्रिया कुमारी,चांदनी कुमारी,आशीष कुमार,अभय कुमार,संजय कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग में आयुष विभाग के निःशुल्क स्वास्थ्य मेले का किया उद्घाटन

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में आयुष विभाग द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य मेला सह जाँच शिविर का शनिवार को आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर शिविर का विधिवत उद्घाटन किया।इस दौरान विभाग ने समाज के कई चयनित दिव्यांगों और चलने-फिरने में असमर्थ लोगों को सहायक उपकरण वितरित किए, जिनमें वॉकर, छड़ी, बैसाखी, एक्सरसाइज बॉल, नी कैप, सर्वाइकल कॉलर, बेड पेन, यूरिन पॉट, और एक्यूप्रेशर बल्ब शामिल थे।इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने आयुष विभाग के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर जरूरतमंदों के लिए जीवन जीने का नया मार्ग प्रशस्त करते हैं।उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य जाँच और सहायक उपकरणों के मिलने से शारीरिक रूप से अक्षम लोगों की ज़िंदगी को एक नई दिशा मिलती है। शिविर में निःशुल्क जाँच के बाद आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाइयों का भी वितरण किया गया।इस मौके पर सीपीएम नेता गणेश सीटू, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, भाजपा नेता राजू सिंह, किशोरी राणा, बीरेंद्र कुमार बीरू, दामोदर प्रसाद, लाखपति साव, सरोज सिंह, मिथलेश कुमार सिंह, रणधीर पांडेय, जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एस. एन. तिवारी, जिला नोडल आयुष डॉ. आनंद शाही, डॉ. विजय तिवारी,डॉ.रंजीत दांगी, डॉ. रंजना कुमारी, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. जोशी कुमार, डॉ. हकीम खान, डॉ.राजेश मिश्रा, डीपीएम जमाल रिज़वी,योग शिक्षक पूनम कुमारी, अर्चना सिंह, सुमित कुमार, अजय कुमार, सुमित्रा कुमारी, अंशु कुमार, कांति कुमारी, रामबली चौधरी, मटुक हांसदा, हणिनंदन और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा आयुष विभाग के चिकित्सक और कर्मचारी उपस्थित थे।

सांसद मनीष जायसवाल ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण, समस्याओं पर की चर्चा

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने शनिवार को मांडू विधानसभा क्षेत्र के टाटीझरिया प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने धरमपुर गाँव में स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। टाटीझरिया प्रखंड मुख्यालय पहुँचने पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने सांसद मनीष जायसवाल का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद वह सीधे ग्राम पंचायत धरमपुर पहुँचे, जहाँ उन्होंने प्राचीन शिव मंदिर के प्रांगण में ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाकर बातचीत की।ग्रामीणों ने सांसद मनीष जायसवाल से शिव मंदिर चौक पर स्थित तालाब के गहरीकरण और धरमपुर उपस्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की मांग की। इसी क्रम में स्थानीय कलाकार शंकर राम ने अपनी बनाई पेंटिंग भेंट कर सांसद का अभिनंदन किया।इसके बाद सांसद जायसवाल ने ग्रामीणों के साथ निर्माणाधीन दुर्गा मंडप का निरीक्षण किया और मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए टाइल और मार्बल देने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर मांडू विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि द्वारिका सिंह, टाटीझरिया मंडल अध्यक्ष कैलाशपति सिंह, प्रमुख सह टाटीझरिया सांसद प्रतिनिधि संतोष मंडल, भाजपा नेता सुनील कुमार सिंह, लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, विष्णुगढ़ सांसद प्रतिनिधि दीपू भाई, राजेश यादव, कृष्णा साव, सुनील कुमार साव, रजनीकांत चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहें ।

रिमझिम बारिश के बीच हजारीबाग यूथ विंग के प्रयास से सेज़ल सिंह ने किया रक्तदान

नारी शक्ति ने निभाया सेवा का संकल्प समाज के लिए बनी प्रेरणादायी मिसाल

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग में लगातार हो रही रिमझिम बारिश जहां एक ओर शहरवासियों को व्याकुल कर रही थी, वहीं दूसरी ओर हजारीबाग यूथ विंग सेवा भाव से ओतप्रोत होकर अपने दायित्वों को निभाने में आगे बढ़ा। संस्था के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन के मार्गदर्शन में कार्यकारिणी सदस्य कुल्तार सिंह को एक जरूरतमंद व्यक्ति को अस्पताल रक्त उपलब्ध कराने पहुंचे, मरीज के परिजनों ने संस्था से संपर्क कर रक्त की आवश्यकता जताई। संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने विभिन्न स्थानों पर रक्त की तलाश की, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। ऐसे कठिन समय में हजारीबाग शहर की बेटी, नारी शक्ति की प्रतीक सेज़ल सिंह ने आगे आकर रक्तदान का संकल्प लिया। रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच सेज़ल सिंह ब्लड बैंक पहुंची और पूरे समर्पण भाव से रक्तदान किया। उनका यह प्रयास न केवल एक जीवन को बचाने का कारण बना बल्कि पूरे समाज के लिए सेवा, त्याग और मानवता का संदेश लेकर आया। इस कार्य में संस्था के कार्यकारिणी सदस्य कुल्तार सिंह भी बारिश में भीगते हुए निरंतर सहयोग व समन्वय में तत्पर रहे। वहीं सेज़ल सिंह ने अबतक कुल पांच बार रक्तदान किया। जिसमें संस्था के प्रयास से दो बार किया गया है। संस्था के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। आज जब हजारीबाग में चारों ओर रिमझिम बारिश हो रही थी और हर कोई अपने घर में सुरक्षित रहने को प्राथमिकता दे रहा था, तब शहर की बेटी सेज़ल सिंह ने जो साहस और मानवता का परिचय दिया है वह अद्वितीय है। संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि नारी शक्ति समाज की सबसे बड़ी ताकत है। जब महिलाएँ सेवा और त्याग की भावना से आगे आती हैं तो यह पूरे समाज को नई दिशा देता है। सेज़ल सिंह का यह योगदान महज एक रक्तदान नहीं है, बल्कि यह मानवता और सेवा की सबसे ऊंची मिसाल है।

कस्तूरबा विद्यालय की छात्रा आइशा प्रवीण 52वीं राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में हुई शामिल

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।कस्तूरबा विद्यालय बरकट्ठा की छात्रा आइशा प्रवीण 52वीं राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में शामिल हुई। इसकी जानकारी स्कूल की वार्डेन अंजू बाला केरकेट्टा ने दी। बताया कि 22 अगस्त को जिला स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। जिसमें बरकट्ठा प्रखंड से हमारे विद्यालय कि वर्ग दशम की छात्रा आइशा प्रवीण का चयन" सुखा एवं गीला कचरा के पृथक्करण" विषय पर किया गया. उक्त प्रदर्शनी का आयोजन श्री कृष्णा आरक्षी बाल उच्च विद्यालय हजारीबाग में हुआ था। बताया कि राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 23 अगस्त को अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला स्कूल रांची में आयोजित हुई।जिससे चयनित होने पर विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं में हर्ष का माहौल है।

28 कट्ठा में लगा तिल के फसल को गांव के ही कुछ लोगों ने काट कर किया बर्बाद, किसान ने थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर नगर परिषद के वार्ड 19 पचघारा खुर्द गांव में एक किसान नन्हकू यादव के 28 कट्ठा जमीन में लगा तिल के फसल को गांव के ही कुछ लोगों ने काट कर बर्बाद कर दिया। इस संबंध में भुक्तभोगी किसान नन्हकू यादव ने विश्रामपुर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि पचाघारा खुर्द गांव के खाता संख्या – 2, प्लॉट संख्या – 115, रकबा – 90 डिसमिल जमीन में तिल का फसल लगाया गया था। जिसे बीती रात गांव के ही कुछ लोगों ने परेशान करने के उद्देश्य से काट कर बर्बाद कर दिया। जिससे काफी नुकसान हुआ है। हालाकि भुक्तभोगी किसान नन्हकू यादव ने गांव के ही 14 लोग बलकेश यादव,प्रवेश यादव,बिपिन यादव,मुद्रिका यादव,राजनाथ यादव,मोहरी देवी,बिक्की बैगा,रानी कुमारी,लल्लू बैगा,अर्जुन बैगा,कमला देवी,लालती देवी,नीरज बैगा व सुनेश्वर बैगा के खिलाफ विश्रामपुर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। किसान नन्हकू यादव ने बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति फसल काटने से एक दिन पहले मेरे घर पर आया और बोला कि फसल बहुत अच्छा है। लेकिन उसे घर नही ले जा पायेंगे। जिसके दूसरे दिन सुबह जैसे ही खेत पर गया तो देखा कि खेत मे लगा सारा तिल का फसल काट कर बर्बाद कर दिया गया है। जबकि उक्त जमीन पर किसी से कोइ विवाद नही है। इधर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

झारखंड में रीडिंग कैम्पेनः "मेरी किताब, मेरी कहानी" की शुरुआत, हजारीबाग में उपायुक्त ने किया शुभारंभ

हज़ारीबाग। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (JEPC) ने सभी साझेदार संगठनों के सहयोग से राज्यव्यापी रीडिंग कैम्पेन "मेरी किताब, मेरी कहानी" की शुरुआत की है। यह पहल राज्य के प्रमुख कार्यक्रम "मेरा विद्यालय निपुण – मैं भी निपुण" का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।राज्यस्तर पर यह अभियान 15 अगस्त से 10 सितम्बर तक चलाया जा रहा है। इस दौरान झारखंड के 24 जिलों के 35,000 विद्यालयों के बच्चे विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों में पठन आदत को प्रोत्साहित करना और पढ़ाई को रोचक एवं आनंददायक बनाना है।इस राज्यव्यापी अभियान को रूम टू रीड, यूनिसेफ, भारती एयरटेल फाउंडेशन, सम्पर्क फाउंडेशन, प्रारंभ एजुकेशन फाउंडेशन, पिरामल फाउंडेशन, उगम एजुकेशन फाउंडेशन, प्रतिज्ञा, चेंजइंक फाउंडेशन, लीपफॉरवर्ड, आईसीआरडब्ल्यू, क्वेस्ट एलायंस, विक्रमशिला, ड्रीम-ए-ड्रीम, एजुकेशन इनिशिएटिव (Ei), और CInI-टाटा ट्रस्ट जैसे प्रतिष्ठित संगठनों का सहयोग प्राप्त हो रहा है।हजारीबाग जिले में अभियान का शुभारंभ उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा की "यह अभियान बच्चों में पढ़ने की रुचि को और अधिक बढ़ाएगा तथा छोटे बच्चों में पठन संस्कृति को विकसित करेगा।जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) प्रवीण कुमार रंजन एवं जिला शिक्षा अधीक्षक (DSE) आकाश कुमार ने इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

दो लोगों को जहरीले सांप ने डसा, मुनेश्वर गंझू ने घायलों को इलाज के लिए पहुंचाया रिम्स

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बरसात का मौसम आते ही सांप सहित कई विषैले जानवर अपने बिल से बाहर आने की बात आम है। बड़कागांव प्रखंड के आंगो पंचायत अंतर्गत की चेलंदाग गांव में महेश दो दिनों के अंतराल में दो लोगों को जहरीला सांप ने काट लिया। जिससे शरीर में जहर फैलने से दोनों बुरी तरह घायल हो गए।मामले को लेकर तत्परता दिखाते हुए आंगो पंचायत के पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि सह समाजसेवी मुनेश्वर गंझू ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को इलाज के लिए रांची रिम्स ले गया। प्रतिनिधि मुनेश्वर गंझू ने बताया कि बीते शुक्रवार रात को घर पर मोहन गंझू पिता स्वर्गीय मंगलीया गंझू उम्र 38 वर्ष को जहरीला करेंट सांप ने काट लिया,जिससे वह घायल हो गया।वहीं महज दो दिन पूर्व खुशबू कुमारी पति बासुदेव गंझू उम्र 22 वर्ष को खेत की ओर जाने के क्रम में रास्ते में जहरीला सांप ने काट लिया जिससे वह भी घायल हो गई। मुनेश्वर गंझू ने सूझबूझ के साथ तत्परता दिखाते हुए इलाज के लिए अपने निजी वाहन से रांची रिम्स ले गया।जहां दोनों का इलाज चल रहा है और इलाजरत दोनों लोग ठीक (स्वास्थ्य) है।

सांप काटने पर क्या करें : डॉ अविनाश

डॉ अविनाश कुमार ने बताया कि व्यक्ति और खुद को शांत रखें। सांप को ढूंढने या पकड़ने में समय बर्बाद ना करें। जितनी जल्द हो सके व्यक्ति को अस्पताल ले जाएं। व्यक्ति को हिलने ढूलने से रोके ताकि जहर तेजी से ना फेले।

क्या ना करें :

अंधविश्वास और झाड़ फुंक पर भरोसा ना करें इससे सिर्फ और सिर्फ समय बर्बाद होता है।

लगातार 72 घंटे की बारिश से नदी में आई बाढ़

पलाण्डू श्मशान घाट एवं उर्दू मध्य विद्यालय सिरमा व आंगनबाड़ी केंद्र खतरे में

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।बड़कागांव प्रखंड में लगातार 72 घंटे की बारिश ने लोगों के जन जीवन को अस्त व्यस्त कर दिया है।वहीं हाहारो नदी में बाढ़ आने से नदी किनारे बसा पलाण्डू गांव का श्मशान घाट , छठ घाट और नदी के किनारे बड़े बड़े पेड़ खतरे में हैं।वहीं सिरमा में राजकीय उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय एंव आंगनबाड़ी केंद्र सहित कई मकान खतरे में है।लोगों का मानना है कि अगर बारिश इसी तरह लगातार होता रहा तो पलांडू के श्मशान घाट, छठ घाट, दर्जनों मचान और पेड़-पौधे बाढ़ के पानी से बह जाएंगे।इतना ही नहीं पलांडू नदी पर बना पुल भी खतरे में आ सकता है जिसका मुख्य कारण मिट्टी का कटाव है।जिसको लेकर जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों ने विभाग से गार्डवाल बनवाने की मांग की है।मांग करने वालों में मुख्य रूप से तलसवार पंचायत के मुखिया गीता देवी , सिरमा पंचायत के मुखिया इस्मत आरा , भाजपा अनुसूचित जाति उरीमारी पूर्वी मंडल अध्यक्ष जागेश्वर तुरी उर्फ बढ़न तुरी , पूर्व मुखिया वाजिद अली , पंचायत समिति सदस्य मेघा कुमारी , प्रतिनिधि संजय महतो , असीम अरशद , इरफान खान , मिथिलेश साव , विद्यालय के प्रधानाध्यापक असरार आलम , सहायक अध्यापक आजाद आलम , मो. जहांगीर , मो. आरिफ , आमिर सोहेल , सेविका मसूदा खातून एवं संजीदा खातून , सहिया माँजहां खातून , पाकीजा खातून , अमरीन सबा, सलमा खातून आदि दर्जनों ग्रामीणों ने मांग किया है।

भारी वर्षा से संभावित समस्याओं के समाधान और आपदा प्रबंधन को लेकर उपयुक्त ने सभी विभागों को सतर्क रहने का दिया आदेश

हज़ारीबाग। भारी वर्षा से संभावित समस्याओं के समाधान और आपदा प्रबंधन को लेकर उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने सभी विभागों को सतर्क रहने का आदेश दिया है। उन्होंने जलजमाव, पुल-पुलियों की क्षति, बिजली बाधित होने और बीमारियों के फैलाव से निपटने के लिए नियंत्रण कक्ष सक्रिय रखने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। निर्देशों में नदियों व जलाशयों की निगरानी, अस्पतालों में दवाओं व एंटी-वेनम की उपलब्धता, नालों की सफाई, पुराने पुल व तटबंध की मरम्मत, वैकल्पिक मार्ग तैयार रखने और विशेष आबादी के लिए आश्रय स्थल बनाने की व्यवस्था शामिल है। उपायुक्त ने सभी विभागों से समन्वय के साथ कार्य करने और प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को सतर्क करने का आग्रह किया है।

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग,
उद्यान निदेशालय, झारखण्ड
कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, राँची।
संयुक्त जिला कृषि कार्यालय, कृषि भवन परिसर, काँके रोड, राँची

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग) के स्वीकृत्यादेश सं0 17 दिनांक 28.05.2025 द्वारा स्वीकृत "राज्य उद्यान विकास योजना" अन्तर्गत उपयोजना प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग उपयोजना के कार्यान्वियन एवं सामग्री की आपूर्ति हेतु इच्छा की अभिव्यक्ति दर अनुबंध प्रस्ताव हेतु आमंत्रण ।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग) के स्वीकृत्यादेश सं0 17 दिनांक 28.05.2025 द्वारा स्वीकृत ष्राज्य उद्यान विकास योजनाष अन्तर्गत उपयोजना प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग उपयोजना के तहत शहरी इलाके एवं उससे सटे हुए आस–पास के शहरी क्षेत्रों में बसे परिवार के घरों के निकट खाली पड़े छोटे भू–खण्ड सरकारी परिसर जहाँ स्थान उपलब्ध हो एवं Terrace Gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों, फूलों एवं फलों के उत्पादन किये जाने हेतु प्रमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग की योजना स्वीकृत है।

उपरोक्त योजनान्तर्गत Terrace Gardening तथा शहरी क्षेत्रों में खाली पड़े भू–खण्डों पर इच्छुक लाभुकों के माध्यम से सब्जियों, फूलों एवं फलों के उत्पादन को सम्मिलित किया जायेगा। सरकारी परिसर जहाँ स्थान उपलब्ध हो इस योजनान्तर्गत सम्मिलित किया जायेगा। इस योजना का कार्यान्वयन सरकारी परिसर में शत–प्रतिशत अनुदान पर एवं निजी व्यक्तियों का Terrace Gardening एवं खाली पड़े भू–खण्डों पर 75 प्रतिशत अनुदान पर किया जायेगा।

उक्त क्रम में इच्छा की अभिव्यक्ति की माँग हेतु आम सूचना का प्रकाशन करते हुए योजना के कार्यान्वयन एवं सामग्री की आपूर्ति हेतु अनुभवी एवं इच्छुक फर्म/नर्सरी/संस्थान से इच्छा की अभिव्यक्ति दिनांक 06.09.2025 के अपराह्न 04.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/नर्सरी/संस्थान इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित दस्तावेज कार्यालय अवधि में जिला उद्यान पदाधिकारी, राँची के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। विशेष जानकारी हेतु कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, राँची से सम्पर्क किया जा सकता है।

नोट – इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित दस्तावेज का शुल्क रू0 1000.00 (एक हजार रूपये) मात्र है, जो **Non Refundable** होगा।

जिला उद्यान पदाधिकारी,
राँची

PR 360283 (Agriculture)25-26*D

सूर्या इनकाउंटर के खिलाफ आदिवासी संगठनों का राजभवन मार्च, की सीबीआई जांच की मांग

रांचीः विभिन्न आदिवासी संगठनों की ओर से सूर्य नारायण हांसदा के फर्जी इनकाउंटर के खिलाफ शनिवार को राजभवन के पास आक्रोश मार्च निकाला गया।

मौके पर आदिवासी संगठनों ने राज्यपाल को ज्ञापन सौपकर मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने सरकार और सिस्टम के खिलाफ जमकर नारे लगाए। उपस्थित लोगों ने पुलिस शासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए सूर्या के लिए इंसाफ की गुहार लगाई।

मौके पर केन्द्रीय सरना समिति के महासचिव महादेव टोप्पो ने कहा कि गोड्डा में आदिवासी नेता सूर्यनारायण हांसदा का फर्जी एनकाउंटर किया गया। यह किसी भी स्थिति में सही नहीं है। पूरा प्रदेश आक्रोशित है। गोड्डा पुलिस प्रशासन ने संदिग्ध परिस्थितियों में सूर्या की निर्मम हत्या कर दी।

मिशनरी संस्थाओं का विरोध करते थे सूर्या-जगलालः कार्यक्रम के मुख्य संयोजक मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि सूर्य नारायण हांसदा सदैव आदिवासी समाज की आवाज उठाते थे। सरकार, मिशनरी और जमीन माफियाओं की ओर से किए जा रहे गैर कानूनी कार्यों का हमेशा विरोध करते थे। वे हमेशा आदिवासी हक, अधिकार, शिक्षा, भूमि सुरक्षा, युवाओं के भविष्य, रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ आवाज उठाते थे। समाज में उनकी छवि एक स्वच्छ नेता और एक जननायक की थी। लेकिन प्रशासन और कुछ प्रभावशाली व्यक्ति उनके संघर्ष और जन समर्थन से घबराने लगे थे। सबों की मिलीभगत से उन्हें एक षड्यंत्र के तहत, फर्जी मुठभेड़ दिखाकर, मौत के घाट उतार दिया गया।

ट्राई फर्स्ट की संयोजक आरती कूजूर ने कहा कि यह घटना न केवल मानव अधिकार का उल्लंघन है। बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी गहरा आघात और आदिवासी संस्कृति के जड़ों पर कुठाराघात है। उन्होंने कहा कि झारखंड के सभी आदिवासी मूलवासी, झारखंड समाज इस फर्जी एनकाउंटर का विरोध करती है।

पूरी तरह से फर्जी है सूर्या हांसदा का एनकाउंटरः केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि सूर्या हांसदा का इनकाउंटर पूरी तरह से फर्जी है। सरकार और पुलिस प्रशासन की मिलीभगत के तहत सूर्या हांसदा की निर्मम हत्या की गई है। यह मामला केवल एक व्यक्ति या परिवार का नहीं बल्कि पूरे आदिवासी समाज के सम्मान, अधिकार और न्याय की लड़ाई है। यदि निर्दोष व्यक्ति की हत्या को प्रशासनिक संरक्षण दिया जाएगा तो समाज का लोकतंत्र और न्यायपालिका से भरोसा उठ जाएगा। पूरा आदिवासी, झारखंडी समाज इसका विरोध करती है और इस फर्जी इनकाउंटर की सीबीआई जांच की मांग करती है।

वहीं प्रदर्शन से पूर्व सभी संगठनों के लोग, रांची जिला स्कूल मैदान में एकजूट हुए और जुलूस की शक्ल में राजभवन पहुंचे। जुलुस में शामिल लोगों ने सूर्य हांसदा के फर्जी इनकाउंटर की सीबीआई जांच करो, सूर्यनारायण हांसदा को न्याय दो, सूर्यनारायण हांसदा की हत्या में संलिप्त पुलिस पदाधिकारी को तत्काल निलंबित कर, उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग पर नारे लगा रहे थे। साथ ही मृतक के परिजनों एवं परिवार को सुरक्षा देने, फर्जी मुकदमा निरस्त करने, सरकार सूर्य हांसदा द्वारा संचालित विद्यालय के बच्चों की शिक्षा एवं जरूरत की जिम्मेदारी उठाएं जाने, मृतक के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा देने की सहित अन्य मांगें उठाई गई।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामकुमार पहान, केन्द्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पहान जगलाल पहान, महादेव टोप्पो, सुरेन्द्र लिंडा, आरती कूजूर, रितेश उरांव, संदीप उरांव, सोमा उरांव, रवि मुंडा, रितेश रंजीत उरांव, बिरसा पहान सहित सैकड़ों आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. रामदयाल मुंडा की 86वीं जयंती पर आजसू पार्टी ने उनको अर्पित की श्रद्धांजलि

रामदयाल मुंडा ने आजसू के आंदोलन को दी बौद्धिक दिशा : सुदेश

संवाददाता रांचीः आजसू पार्टी ने झारखंड आंदोलनकारी पद्मश्री डॉ रामदयाल मुंडा को उनकी 86वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मोरहाबादी स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सुदेश महतो ने कहा कि डॉ रामदयाल मुंडा ने आजसू के आंदोलन को बौद्धिक दिशा दी थी। उन्होंने झारखंडी संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने का कार्य किया। वे झारखंड की आत्मा थे और उनके विचार आजसू पार्टी के लिए सदैव मार्गदर्शक बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि डॉ मुंडा ने आजसू की स्थापना के साथ झारखंड आंदोलन को नई ऊर्जा दी थी। उनके संघर्ष और योगदान को सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका रही। सरहुल पर्व को महोत्सव का स्वरूप भी उन्होंने ही दिया था। आजसू कार्यकर्ता उन्हें सदैव अपना आदर्श मानते रहे हैं। इस मौके पर मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, नजरुल हसन हाशमी, जिलाध्यक्ष संजय महतो, डॉ पार्थ परितोष, छात्र संघ के ओम वर्मा, बबलू महतो, ऋतुराज शाहदेव, सचिन महतो सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारी बारिश से जगरनाथपुर मंदिर की सड़क धंसी

रांचीः राजधानी रांची सहित राज्यभर में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बारिश के दबाव से जहां धुर्वा डैम ओवरफ्लो होने लगा है। वहीं, धुर्वा स्थित ऐतिहासिक जगरनाथपुर मंदिर परिसर भी प्रभावित हो गया। मुख्य मंदिर तक जाने वाली सड़क पर गहरी दरारें पड़ गई हैं, जबकि मंदिर की सीढ़ियों में लगी रेलिंग धंसकर हिलने लगी है। कई रेलिंग जमीन में घुस गई। इससे मंदिर परिसर और आसपास रहने वाले लोगों में डर का माहौल है। स्थानीय लोग आशंका जता रहे हैं कि लगातार बारिश और डैम से बढ़ते पानी का दबाव स्थिति को और गंभीर बना सकता है। जगरनाथ मंदिर न्याय समिति के प्रथम सेवक सह सदस्य एवं बड़कागढ़ स्टेट के प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी ठाकुर सुधांशु नाथ शहदेव ने जिला प्रशासन और सरकार से त्वरित निरीक्षण कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं का आवागमन सुचारू रहे, इसके लिए सड़क और सीढ़ियों की मरम्मत तुरंत होनी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि शनिवार, रविवार, मंगलवार, गुरुवार, एकादशी और पूर्णिमा को मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है। ऐसे में स्थिति को तुरंत सुधारने की दिशा में कदम उठाना अनिवार्य है।

पॉक्सो मामले के दोषी को 20 साल की कारावास

रांचीः रांची स्थित यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) मामले के विशेष न्यायाधीश बीके श्रीवास्तव की अदालत ने शनिवार को नाबालिग बच्चे से आप्राकृतिक यौनाचार करने के एक दोषी को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई है। आदालत ने उसके ऊपर 35 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पॉक्सो मामले की विशेष अदालत ने अप्राकृतिक यौनाचार के आरोपित साहिल अंसारी को 19 अगस्त को दोषी ठहराया था और शनिवार को अदालत ने सजा का ऐलान किया। पीड़ित के वकील विवेक कुमार आर्य ने बताया कि लोअर बाजार थाना कांड संख्या 156/23 में बादल कुरैशी (बदला हुआ नाम) के पिता ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें आरोपित साहिल अंसारी और एक अन्य नाबालिग बालक ने 7 साल के बच्चे के साथ आप्राकृतिक यौनाचार किया था। एक आरोपित नाबालिग है। इसलिए उसका मामला किशोर न्यायालय में विचाराधीन है। साहिल अंसारी पर यह दोष सिद्ध हुआ है कि 13 मई 2023 को पीड़ित अपने नानी के घर आजाद बस्ती कांटाटोली रांची गया था। जब वह घर के बाहर खेल रहा था, तभी उसी बस्ती के साहिल अंसारी और एक अन्य नाबालिग ने उसे चाकलेट देने के बहाने बुलाया और उसे घर के पास ही बकरी बांधने वाले रूम में ले गए। दोनों ने बच्चे के साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया और जब पीड़ित दर्द से रोने लगा, तो दोनों आरोपित उसे चॉकलेट देकर वहां से भाग गए। बाद में मुहल्ले के लोगों को जब खबर मिली तब पीड़ित के पिता ने लोअर बाजार थाना में शिकायत की, जिसके बाद दोनों आरोपितों को पकड़ा गया था।

भारी मात्रा में नकली शराब बरामद, पांच गिरफ्तार

रांचीः रांची पुलिस ने अनगड़ा थानाक्षेत्र में चल रहे अवैध नकली विदेशी शराब बनाने के एक रैकेट का खुलासा किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने भारी मात्रा में नकली शराब, उसे बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने शनिवार को प्रेस वार्ता में बताया कि डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा को गुप्त सूचना मिली कि अनगड़ा थाना क्षेत्र के राजाडेरा गांव में एक मकान में अवैध रूप से नकली शराब का निर्माण किया जा रहा है। इस सूचना के सत्यापन और तुरंत कार्रवाई के लिए एसएसपी डीएसपी सिल्ली के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने राजाडेरा गांव स्थित पवन कुमार महतो के बंद पड़े स्कूल भवन पर छापेमारी की। मौके पर पुलिस ने तीन लोग संतोष कुमार साहू, सुरज कुमार ठाकुर और शिवम कुमार को नकली विदेशी शराब बनाते हुए रंगे हाथों पकड़ा तथा भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब, विभिन्न ब्रांडों के लेबल, स्पिरिट, आर्मी कैंटीन के मोहर, फ्लेवर केमिकल और अन्य उपकरण मिला।

रांची नगर मध्यदेशीय वैश्य विकास समिति का 55 वां वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित

संवाददाता रांची : रांची नगर मध्य प्रदेश में वैश्य विकास समिति हलवाई समाज के द्वारा सुबह 7:00 से 9:00 बजे बाबा गणिनाथ मंदिर प्रांगण में बाबा गणिनाथ जी महाराज की 55 वीं वार्षिक जयंती के शुभ अवसर पर मंदिर को सजाया गया और मंत्रो उच्चारण, वेद मंत्रो के साथ बाबा का पूजा संपन्न हुआ. पूजा के बाद पर मंदिर से प्रभात फेरी निकाला गया. पूजा समाप्त होने के बाद कमेटी के सभी पदाधिकारी गण और स्व जाति बंधु कचहरी चौक पहुंचे वहां सभी लोगों का भव्य स्वागत किया गया, उसके बाद सभी लोग एकत्रित होकर प्रभात फेरी आगे की ओर पूरे बैंड पार्टी और बाबा गणिनाथ जी की झांकी के साथ निकाली और नाचते गाते हुए हलवाई समाज के सैकड़ो के लोगों ने भाग लिया. उत्साह से भरकर सभी लोग कार्यक्रम स्थल पुलिस एसोसिएशन गेस्ट हाउस पहुंचे यहां पहुंचने के बाद सभा में बदल गया. इस मौके पर बच्चों के द्वारा पेंटिंग प्रतियोगिता और राधा कृष्ण के रूप सज्ज़ा और महिलाओं के द्वारा कुर्सी रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ. अवसर पर सामाजिक लोगों ने ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया गया. ब्लड डोनेशन कैंप कसम चालान सदर अस्पताल के द्वारा किया गया जिसके प्रभारी दिनेश कुमार गुप्ता थे. मुख्य अतिथि रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का स्वागत संस्था के मुख्य संरक्षक बजरंग प्रसाद गुप्ता विशिष्ट अतिथि का स्वागत संस्था के अध्यक्ष कन्हैयालाल गुप्ता ने किया. मंच का संचालन शशि भूषण गुप्ता ने किया. इस मौके पर मुख्य संरक्षक बजरंग प्रसाद गुप्ता,अध्यक्ष कन्हैयालाल गुप्ता,महामंत्री शशि भूषण गुप्ता, कोषाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता समेत समाज के सैकड़ो लोग मौजूद थे.

एकलव्य ग्रेटर ने लगाया प्राणिक हीलिंग कैम्प

संवाददाता रांची : लायंस क्लब ऑफ रांची एकलव्य ग्रेटर (डिस्ट्रिक्ट 322A) की ओर से शनिवार को मेगा प्राणिक हीलिंग कैंप लगाया गया। स्थानीय रतनलाल जैन स्मृति भवन, रातू रोड में आयोजित मेगा प्राणिक हीलिंग कैंप के बारे में क्लब के अध्यक्ष श्रवण बर्नवाल ने बताया कि लाइटवर्कर्स प्राणिक हीलिंग, लालपुर की पूरी टीम ने कैम्प में आये लोगों को वित्तीय, मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक समस्याओं से राहत दिलाने के लिए प्राणिक हीलिंग के जरिये विशेष चिकित्सा व परामर्श प्रदान किया।

एनटीपीसी की कोल खनन परियोजना पर मचा बवाल

कांग्रेस जांच दल ने किया दौरा, रैयतों से की मुलाकात

संवाददाता रांची/ हजारीबागः हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड स्थित चट्टी बारियातू कोल खनन परियोजना को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। शनिवार (23 अगस्त) को कांग्रेस विधायक दल का तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल—उपनेता राजेश कच्छप, विधायक रामचन्द्र सिंह और विधायक सुरेश बैठा ने जोरदाग और चट्टी बारियातू का दौरा कर प्रभावित रैयतों और ग्रामीणों से मुलाकात की।

मामला यह है कि एनटीपीसी के अधीन कार्यरत एमडीओ ऋत्विक एमआर पर गंभीर आरोप लगे हैं कि उसने बिना मुआवजा भुगतान किए जोरदाग स्थित पूर्व कृषि मंत्री योगेन्द्र साव की "लक्ष्मण सिरामिक" फैक्ट्री (लगभग एक एकड़ क्षेत्रफल) को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इसमें चिमनी भट्ठा, चारदीवारी और भवन तक को तोड़ डाला गया।

इसी बीच, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा अवैध खनन और कोयला परिवहन किया जा रहा है। इसके विरोध में जोरदाग पगार और चट्टी बारियातू के लोग आंदोलनरत थे, जिसके कारण खनन और ट्रांसपोर्टिंग कई दिनों से ठप पड़ा था।

तनाव और झड़पः ग्रामीणों का आंदोलन देख कोयला ढुलाई में लगे हाइवा वाहन मालिक और चालक बिफर पड़े। उन्होंने आंदोलनकारियों से मारपीट कर दी। आत्मरक्षार्थ ग्रामीणों ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिससे दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। बाद में थाने में मामले भी दर्ज किए गए।

लेकिन स्थिति तब बिगड़ी जब 7 थानों से लगभग 400 पुलिसकर्मी अचानक गांव मे घुस गए और बल प्रयोग कर ग्रामीणों के साथ मारपीट की। पुलिस ने 6 ग्रामीणों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, पुलिस ने गिरफ्तार किए गए ग्रामीणों को इतना मारा की कोर्ट में पेशी के दौरान जज ने जब उनके शरीर पर लगे जख्म देखे तो कई पुलिस कर्मियों को निलंबित करने का आदेश दे दिया, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया।

कांग्रेस जांच दल का दौराः इन्हीं घटनाओं के आलोक में कांग्रेस ने जांच समिति का गठन किया और शनिवार को प्रतिनिधिमंडल गांव पहुंचा। दल ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनका पक्ष जाना, जेल भेजे गए ग्रामीणों प्रमोद कुमार दिलीप कुमार मुकेश कुमार जयनारायण कुमार तथा नारायण साव के परिजनों से मुलाकात की, तथा एनटीपीसी और ऋत्विक माइनिंग द्वारा किए जा रहे कथित अवैध खनन और जबरन अधिग्रहण की स्थिति का निरीक्षण किया। विधायकों ने उस 2.2 किमी सड़क का भी जायजा लिया, जिसे बिना मुआवजा दिए रैयती जमीन पर बना दिया गया है।

कांग्रेस का रुखः प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने इस संबंध में आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि बिना सहमति और मुआवजा दिए रैयतों की जमीन अधिग्रहण करना और ग्रामीणों पर पुलिसिया कार्रवाई अस्वीकार्य है। जांच दल अपनी रिपोर्ट शीघ्र ही प्रदेश कांग्रेस कार्यालय को सौंपेगा, जिसके बाद पार्टी इस मामले को लेकर राज्यव्यापी संघर्ष का एलान कर सकती है।

आप की कम्युनिकेशन, मीडिया व सोशल मीडिया की नयी प्रदेश टीम हुई घोषित

संवाददाता रांचीः आदमी पार्टी झारखंड के प्रदेश प्रभारी शिवचरण गोयल तथा प्रदेश सह प्रभारी सुशील सिंह के द्वारा कम्युनिकेशन, मीडिया व सोशल मीडिया की नयी प्रदेश टीम घोषित की गयी है। कमेटियों की घोषणा करते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की है कि नवनियुक्त पदाधिकारीगण जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए जनहित में काम करेंगे तथा पार्टी को झारखंड में मजबूती से स्थापित करेंगे। नवनियुक्त झारखंड प्रदेश पदाधिकारियों में प्रीतम मिश्रा को प्रदेश कम्युनिकेशन प्रभारी और भाष्कर सुमन को सह प्रभारी, प्रभात शर्मा को प्रदेश मीडिया प्रभारी और कुमार राकेश को प्रदेश मीडिया सह प्रभारी, सूर्य प्रकाश को प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी, सीताराम राणा और जुनैद रहमान को प्रदेश सोशल मीडिया उपाध्यक्ष तथा कमल हसन को सचिव बनाया गया है। इसके अलावा सोशल मीडिया जोन प्रभारियों की भी नियुक्ति की गयी है। इसमें अभिषेक कुमार, इरशाद आलम, अहसान अंसारी और जमील अख्तर के नाम शामिल हैं। प्रदेश भर के कई आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी है।

दो दिवसीय झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव 2025 का समापन

स्थानीय लोगों के साथ मिलकर खर्च करें सीएसआर फंड की राशिः फग्गन सिंह

संवाददाता रांचीः पूर्व केंद्रीय मंत्री सह भाजपा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि कॉरपोरेट कंपनियां पहले स्थानीय लोगों के साथ मिलकर सीएसआर फंड खर्च करें। स्थानीय लोगों के साथ मिलकर काम करने से जनहित के कई काम धरातल पर दिखेंगे। जिन योजनाओं पर कंपनियां एनजीओ के साथ सीएसआर फंड को खर्च करती है, तो उसमें स्थानीय लोगों की भी भागीदारी सुनिश्चित करें। श्री कुलस्ते शनिवार को स्थानीय होटल में आयोजित दो दिवसीय झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव 2025 के समापन में बोल रहे थे। इस कॉन्क्लेव का आयोजन मिशन ब्लू फाउंडेशन, आईडिएट इंस्पायर इग्नाइट (आई3) फाउंडेशन और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। सांसद ने कॉरपोरेट कंपनियों एवं एनजीओ के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड समेत देशभर में विस्थान एक बड़ी समस्या है। इस समस्या के निदान में सीएसआर फंड बेहतर कार्य कर सकता है। लोगों का सतत विकास के लिए इस तरह के फंड का इस्तेमाल किया जा सकता है।

आइएफएस रवि रंजन ने कहा कि कॉरपोरेट कंपनियों को सरकार के साथ भी मिलकर काम करना चाहिए। कई ऐसे क्षेत्र है, जहां सरकार के साथ कॉरपोरेट कंपनियों की मदद की जरूरत पड़ती है। वाइल्ड लाइफ, पयार्वरण, जलवायू परिवर्तन, बायोडायवर्सिटी आदि जैसे क्षेत्र में सीएसआर फंड बड़ा मददगार साबित हो सकता है।

इस अवसर पर राजीव गुप्ता, पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, पद्मश्री मुंकुंद नायक, पद्मश्री मधु मंसुरी, पद्मश्री जमुना टुडू, रिटायर्ड आइपीएस राजकुमार समेत 500 से अधिक कॉर्पोरेट हाउस, एनजीओ, विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधिमंडल उपस्थित थे।

रामदयाल मुंडा की जयंती पर अबुआ अधिकार मंच ने दी श्रद्धांजलि

• रांची विश्वविद्यालय का नाम बदलकर 'पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा विश्वविद्यालय' करने की उठाई मांग

रांचीः महान शिक्षाविद, समाजसुधारक, लोककवि, भाषाविद एवं आदिवासी अस्मिता के प्रखर प्रहरी पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा की जयंती अवसर पर आज अबुआ अधिकार मंच के पदाधिकारीगण प्रदेश अध्यक्ष गौतम सिंह एवं वेदांत कौस्तव के नेतृत्व में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए उन्हें नमन किया। आज पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। उनका जीवन केवल शिक्षा, साहित्य और संगीत तक सीमित नहीं था, बल्कि आदिवासी समाज की आत्मा और अस्मिता की बुलंद आवाज़ भी था। अबुआ अधिकार मंच का दृढ़ संकल्प है कि रांची विश्वविद्यालय का नाम पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा विश्वविद्यालय रखा जाए। यह कदम उनके सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक योगदान को अक्षुण्ण रखने में मदद करेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष गौतम सिंह ने कहा कि रामदयाल मुंडा जी ने न केवल आदिवासी भाषाओं और लोक संस्कृति को नई पहचान दिलाई, बल्कि आदिवासी समाज को शिक्षा और सशक्तिकरण की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वेदांत कौस्तव ने कहा कि मुंडा जी का जीवन दर्शन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने आदिवासी समाज की जड़ों को मज़बूत करते हुए आधुनिक शिक्षा और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की नींव रखी।

रांची विश्वविद्यालय के संयोजक अभिषेक शुक्ला ने कहा कि पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा रांची विश्वविद्यालय के कुलपति रहने के साथ-साथ राज्यसभा के सदस्य भी रहे। उनके योगदान को देश ने पद्मश्री से सम्मानित किया। डॉ. मुंडा का जीवन एवं कार्य झारखंड की सांस्कृतिक चेतना, भाषाई गौरव और राजनीतिक जागरूकता के लिए मील का पत्थर है। उन्होंने आदिवासी भाषाओं, लोककला, लोकसंगीत और पारंपरिक ज्ञान को न केवल संरक्षित किया, बल्कि उन्हें वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई। उनका जीवन यह साबित करता है कि स्थानीयता और वैश्विकता का अद्भुत संगम संभव है, बशर्ते हम अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

कार्यक्रम में श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष श्री गौतम सिंह, वेदांत कौस्तव, सौव्हीक भट्टाचार्य, अभिषेक शुक्ला, विशाल कुमार यादव, साह अफसर, कारण सिंह, विकास कुमार यादव, ईशा गुप्ता, राहुल, सुदीप मिंज, अपूर्वा शुक्ला सुमन, दिवेश भारती, प्रतीक्षा कुमारी, सूर्य, पवन, अभिषेक, सुरेश, आशीष, जय, आशीष पाहन, नीरज, अनमोल, प्रतीक चौधरी, विशाल साहू, आदित्य कुमार, अनुज, अमन, अमित, कृष यादव, अजित यादव, विकास यादव, सचिन शर्मा एवं सूरज ठाकुर सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

ए.डी.एल.एस. सनशाईन स्कूल कदमा का वार्षिक अचीवर्स समारोह आयोजित

रांची/जमशेदपुरः ए.डी. एल.एस. सनशाईन स्कूल ने 23 अगस्त, 2025 (शनिवार) को बिष्टुपुर स्थित माईकल जॉन ऑडिटोरियम में अपनी वार्षिक अचीवर्स नाइट का आयोजन किया। यह भव्य आयोजन हर साल शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के असाधारण और उत्कृष्ट प्रयासों को मान्यता देने और उनकी सराहना करने के लिए आयोजित किया जाता है।

शाम का विषय था 'नवीनता और शिक्षा सफलता का चौराहा। जब सनशाइनर्स ने प्रार्थना नृत्य प्रस्तुत किया, तो लय और सुर की अद्भुत उर्जा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के मुख्य अतिथि वेद प्रकाश ठाकुर (मैकेनिकल मेंटेनेंस प्रमुख टाटा स्टील जमशेदपुर, झारखण्ड) थे। विशिष्ट अतिथि श्रीमति रीना ठाकुर उपस्थित थे। इस अवसर पर ए.डीएल. सोसाईटी के निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे। सी वेंकट राव और एस चन्द्रशेखर राव, ए.डी.एल सोसाईटी के ट्रस्टी वाई, ईश्वर राव, अध्यक्ष, ए.डी. एल. सोसाईटी, एन वी आर मूर्ति, उपाध्यक्ष और स्कूल के अध्यक्ष सी. एच. रमना राव, उपाध्यक्ष ए.डी.एल. सोसाईटी , एम. कमल कुमार मानद सचिव, ए.डी. एल. एस. सनशाईन स्कूल, के. नागेश नायडू मानद महासचिव, ए.डी. एल. सोसाईटी, पी. रवि प्रकाश संयुक्त सचिव ए.डी. एल. सोसाईटी। ए.डी. एल सोसाईटी और प्रबंधन के अन्य समिति सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें...

कांके के पूर्व सीओ की आकस्मिक निधन पर मौन धारण कार्यक्रम आयोजित

ओरमांझी(मोहसीन): ओरमांझी अंचल मुख्यालय में शनिवार को अंचल अधिकारी उज्ज्वल सोरेन के नेतृत्व में कांके के पूर्व सीओ जय कुमार राम की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मालूम हो की राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी तथा कांके के पूर्व सीओ जय कुमार राम काफी दिनों से बीमार चल रहे थे उनका विलोर में लिवर ट्रांसप्लांट हुआ था,इसके बाद से वह अपने निजी मकान हजारीबाग में रह रहे थे,उन्होंने कांके अंचल अधिकारी पद पर रहते हुए बहुत सारे अच्छे कार्य किये जिसके चलते वें हमेशा लोगों के दिलों में राज करेंगे,कांके अंचल के बाद उनका ट्रांसफॉर्म पलामू के पांकी अंचल में हुआ था,जहाँ वे ज्यादा समय योगदान नहीं दे पाए,और शुक्रवार की शाम उनका निधन हो गया.मौन धारण कार्यक्रम के मौके पर औरमांझी अंचल अधिकारी उज्वल सोरेन ने कहा कि जयकुमार राम जी हमारे सीनियर पदाधिकारी थे उनके आकस्मिक निधन से पूरी प्रशासनिक विभाग में गम का माहौल है,ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें, जिंदगी और मौत तो आनी जानी है लेकिन असमय मौत आने से अफसोस रहता है,मौन धारण कार्यक्रम में इचादाग पंचायत के पूर्व मुखिया सह आजसू पार्टी के जिला उपाध्यक्ष रामधन बेदिया,युवा समाजसेवी चतुर साहू,सहित अनेकों जनप्रतिनिधि व प्रखंड और अंचल के कर्मचारी मौजूद थे।

पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कुच्चू- सदमा सड़क की जर्जर अवस्था पर जताई नाराजगी, रांची उपायुक्त को लिखा मांग पत्र

ओरमांझी। कुच्चू से सदमा जाने वाली सड़क काफ़ी जर्जर हो गई हैं,जिस पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है,इस सड़क से हजारों छात्र-छात्राएँ एवं आम जनता का अवागमन प्रति दिन होता है। इस पर संज्ञान लेते हुए पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने राँची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री को मांग पत्र माध्यम से अवगत कराते हुए बताया हैं की कई क्रेशर इस तरफ चलाये जा रहे हैं। और सैकड़ों डंफरों का रोज आना जाना होता है।इसी तरह ग्राम-चापावार में पत्थर खदान है। वहाँ से पत्थर निकाल कर कुकई कुल्ही होते हुए कुच्चू क्रेशर लाया जाता है। यहाँ तक इन डम्फरों के चलने से कुच्चू,ओरमांझी मुख्य पथ खराब हो गया है। इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इस सम्बन्ध में कई बार क्रेशर मालिकों और ग्रामीणों से वार्ता हुई जिसमें जो भी समस्या बताया गया क्रेशर मालिक ठीक करने का अश्वासन दिया, क्रेशर संचालकों से डस्ट उड़ने का भी शिकायत किया गया है लेकिन अभी तक कोई समस्या का समाधान नहीं किया हैं। उन्होंने मांग पत्र के अंत में उपायुक्त से आग्रह है कि स्वंय जाँच कर और शीघ्र क्रेशर और डम्फर को बंद कराया जाय। एक सप्ताह के अन्दर जनहीत में बंद कराया जाय अन्यथा ग्रामीण जनता स्वंय गाड़ियों का परिचालन बंद कर देगें। इससे उत्पन्न स्थिति की जिम्मेवारी सम्बन्धित पदाधिकारी एवं विभाग होगें।

राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरवां में विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरण

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरवां में समारोह आयोजित कर विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरण किया गया। प्रधानाध्यापक पवन कुमार, प्रबंधन समिति अध्यक्ष विनोद प्रसाद, विद्यालय एम्बेसडर ज्ञानी प्रसाद, रीतलाल प्रसाद ने अष्टम वर्ग के 82 छात्र-छात्रओं के बीच साईकिल का वितरण किया।एचएम पवन कुमार ने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने और साइकिल का रख-रखाव अच्छे से करने के लिए कहा।साथ ही बच्चों को मैट्रिक परीक्षा की तैयारी मन लगाकर करने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर सहायक अध्यापक अजय रविदास, संतोष कुमार दास, गोपेश्वर प्रसाद, अरुण कुमार मंडल, राखी रानी, रामचंद्र प्रसाद, त्रिभुवन प्रसाद, गीता देवी, चिंता मसोमात, ललिता देवी, मुनिया देवी,गोपी प्रसाद समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रखंड स्तरीय पेंटिंग,क्विज व भाषण प्रतियोगिता आयोजित

ओरमांझी(मोहसीन): राजकीय कृत मध्य विद्यालय चकला में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रखण्ड स्तरीय पेंटिंग, क्विज़ और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.जिसमें सभी सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल हुए,जिसमें वर्ग 1-5 के सभी बच्चों ने स्वस्थ शरीर स्वस्थ जीवन विषय पर सादिया परवीन रा०प्र०उर्दू कन्या इरबा पेंटिंग कर अपना हूनर दिखा कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वर्ग 6-8 के बच्चों ने क्विज़ में चन्दन कूमार रा० म० विधालय चकला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और वर्ग 9-12 में भाषण सूमा परवीन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जिनका चयन एक गठित निर्णायक मंडली द्वारा किया गया जिसमें हेमा मिश्रा,प्रभा देवी, संगीता कूमारी,अब्दुल रहमान,अबूलैश प्यामी,पंचित बेदिया,लाल बहादुर शर्मा,उमेश कुमार रवी,देवेंद्र लाल द्वारा किया गया राजेश दास द्वारा छात्र छात्राओं को बेहतर मर्गदर्शन दिए कार्यक्रम में नितू कूमारी,सीला कूमारी,बाबर आजादअन्य विधालय के शिक्षक शिक्षिकाओं का इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बड़ा योगदान रहा।

चौपारण के पारा शिक्षकों ने शहीद मुनेश्वर सिंह को बीआरसी भवन में दी श्रद्धांजलि

चौपारण (हजारीबाग) 22 अगस्त को प्रखंड संसाधन केंद्र चौपारण में सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा प्रखंड इकाई चौपारण की ओर से शहीद मुनेश्वर सिंह का शहादत दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सहायक अध्यापकों ने उनकी फोटो पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। गौरतलब है कि 22 अगस्त 2007 को झारखंड के पारा शिक्षक अपने अधिकारों और मांगों को लेकर राँची पहुंचे थे।

मोबाइल का अधिक उपयोग करना अति हानिकारक, अधिकांश युवा हो रहे बीपी, मधुमेह और किडनी रोग के शिकार

जमशेदपुर । मोबाइल के अधिक उपयोग के कारण कोल्हान के युवा कम उम्र में मधुमेह, बीपी, किडनी समेत अन्य गंभीर बीमारियों के शिकार हो जा रहे हैं। फिर नियमित दवाईयों के सेवन का सिलसिला शुरु हो रहा है जो युवाओं को हार्ट का मरीज बना रहा है। यह कहना है ब्रह्मानंद हॉस्पिटल के वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अखलाक अहमद का। वे गुरुवार को साकची के एक होटल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे।

चतरा उपायुक्त जिलेवासियों की समस्याओं से रूबरू होने बारिश की परवाह किए बिना छाता लेकर इलाके में निकल पड़ीं

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जिले की सभी नदियां उफान पर हैं, कमो बेस जिले का हर प्रखंड बाढ़ की चपेट में है। वर्षा और बाढ़ से हुई छाती का आकलन करने के लिए और इससे हुए नुकसान का पता लगाने के लिए चतरा उपायुक्त कीर्तिश्री जिलेवासियों की समस्याओं से रूबरू होने के लिए बारिश की परवाह किए बिना हाथ में छाता लेकर इलाके में निकल पड़ीं। इस दौरान आधा दर्जन से अधिक स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिहंत महतो और अंचल अधिकारी अनिल कुमार को बारिश से हुए नुकसान का आकलन कर जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा। यह आदेश जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों और अंचल अधिकारियों को दिया गया है। जिले के इतिहास में पहली बार देखने को मिल रहा है कि कोई जिला उपायुक्त मूसलाधार बारिश के बीच लोगों की समस्याएं जानने इलाके में निकला।

शुक्रवार को उपायुक्त कीर्तिश्री ने गिद्धौर प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर को हुए नुकसान तथा परिसर में जलजमाव की स्थिति का जायजा लिया। वार्डन को सतर्क रहने तथा अलर्ट मोड में रहकर छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल जिला प्रशासन से संपर्क करें। विद्यालय परिसर के उत्तरी भाग की चारदीवारी को वर्षा के पश्चात और अधिक मजबूत करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। इसके अतिरिक्त प्रखंड विकास पदाधिकारी को पूरे प्रखंड क्षेत्र में वर्षा से हुई क्षति का आकलन कर विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का आदेश दिया।

निरीक्षण के क्रम में चतरा सदर प्रखंड स्थित रामटुंडा पुल की स्थिति का भी जायजा लिया एवं कई आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण करें, ताकि भारी बारिश के कारण आमजन को होने वाली समस्याओं का तत्परता से समाधान हो सके तथा संभावित क्षति का सही आकलन कर प्रभावितों को त्वरित राहत सुनिश्चित की जा सके।

चतरा उपायुक्त के निर्देशानुसार जिले के वरीय अधिकारियों द्वारा भी विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को शीघ्र सहायता मिले और किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में प्रशासन तत्काल उपलब्ध हो। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील किया है कि भारी वर्षा के दौरान नदी, डैम तथा अन्य जलस्रोतों के किनारे अनावश्यक रूप से न जाएं, सतर्क रहें और किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें।इस अवसर पर अपर समाहर्ता सहित जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जिले में समय पर शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करें- उपायुक्त कीर्तिश्री

चतरा : शनिवार को जिला मुख्यालय के समाहरणालय सभागार में खाद्य आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक में चतरा जिला उपायुक्त में निर्देश दिया कि जिले में समय पर शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करें। कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित न रहे। समाहरणालय स्थित सभागार में खाद्य आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा बैठक बैठक के दौरान चतरा उपयुक्त ने खाद्य सुरक्षा से जुड़े सभी मामलों का गहनता पूर्वक समीक्षा करने के उपरांत खाद्यान्नों के आवंटन के संदर्भ में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने योग्य लाभुकों को खाद्यान्न वितरण समय पर हो इसके प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

उपायुक्त कीर्तिश्री ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) और झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (जेएसएफएसएस) के अंतर्गत शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण समय पर सुनिश्चित किया जाए ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित न रहे। बैठक में भवन प्रमंडल, चतरा के कार्यपालक अभियंता को प्रखंड स्तरीय गोदामों की मरम्मत का कार्य शीघ्र पूरा करने, जिला सहकारिता पदाधिकारी को चयनित पैक्सों के एसओपी मानकों के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने और पैक्सों की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को लाभार्थियों के ई-केवाईसी एवं आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा छह माह या उससे अधिक समय से खाद्यान्न का उठाव नहीं करने वाले कार्डधारियों के कार्ड का सत्यापन एवं निरस्तीकरण करने को कहा गया।

उपायुक्त ने पीवीटीजी लाभार्थियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने तथा झारखंड राज्य खाद्य निगम के गोदामों का प्रत्येक माह वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण करने का निर्देश दिया। साथ ही, कुंदा प्रखंड में आधार पंजीकरण केंद्र खोलने की भी बात कही गई। बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नीतू सिंह, जिला सहकारिता पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, सहायक गोदाम प्रबंधक, एफसीआई संग्रहण पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

ओरमांझी में सम्पन्न हुआ पेसा कानून पर विशेष प्रशिक्षण

ग्राम सभा को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम- दीपक बढ़ाइक

ओरमांझी(मोहसीन): अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा को अधिकार और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के लिए पेसा कानून के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ओरमांझी प्रखंड मुख्यालय सभागार में किया गया। शुक्रवार से शुरू हुआ यह प्रशिक्षण शनिवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस दौरान 10 पंचायतों के ग्राम प्रधान एवं मोबिलाइजरों ने भाग लिया और पेसा कानून के विभिन्न प्रावधानों की गहन जानकारी प्राप्त की।कार्यक्रम का संचालन मास्टर ट्रेनर सह ओरमांझी पंचायत के मुखिया दीपक बढ़ाइक ने किया। इस मौके पर मोबिलाइज नजमुल हक,मोबिलाइजर इमरान अंसारी और ब्लॉक कोऑर्डिनेटर पंचायती राज मनीष ठाकुर मौजूद रहे। पॉजिटिव मूव्स एजेंसी ने इस प्रशिक्षण में तकनीकी सहयोग प्रदान किया।मालूम हो की पेसा कानून अनुसूचित क्षेत्रों के ग्राम सभा को विशेष अधिकार प्रदान करता है। इसके तहत ग्राम सभा खनिज,जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सामाजिक न्याय,परंपरागत व्यवस्था को बनाए रखना और विकास योजनाओं की निगरानी ग्राम सभा की जिम्मेदारी होगी।

इस प्रशिक्षण में ग्राम प्रधानों और मोबिलाइजर्स को पेसा कानून के तहत उनके अधिकार और कर्तव्यों की जानकारी दी गई। यह बताया गया कि ग्राम सभा किस प्रकार वन उपज का प्रबंधन,खनन पर निगरानी,स्थानीय रोजगार सृजन,नशा उन्मूलन,सांस्कृतिक विरासत संरक्षण जैसे क्षेत्रों में निर्णय ले सकती है।मास्टर ट्रेनर दीपक बढ़ाइक ने कहा बताया की"पेसा कानून का उद्देश्य अनुसूचित क्षेत्रों में स्वशासन को बढ़ावा देना और ग्राम सभाओं को विकास की धुरी बनाना है। यह कानून ग्रामसभा को सरकार के समानांतर एक सशक्त इकाई बनाता है।प्रतिभागियों ने कहा प्रशिक्षण में शामिल ग्राम प्रधानों ने कहा कि यह कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी रहा। इससे उन्हें पेसा कानून की गहराई से जानकारी मिली और वे अब अपने ग्राम सभा में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे।

मोबिलाइज नजमुल हक ने बताया, "पेसा कानून के माध्यम से ग्राम सभा को विकास योजनाओं में प्रत्यक्ष भागीदारी का अवसर मिलेगा।इससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

गेतलसूद डैम का जलस्तर बढ़ा, तीन गेट खोलकर बहाया जा रहा है पानी

ओरमांझी(मोहसीन): गेतलसूद डैम में लगातार बढ़ रहे जलस्तर के कारण शनिवार को तीन रेडियल गेट खोलकर पानी बहाया जा रहा है। दोपहर साढ़े तीन बजे गेट नंबर 3 और 5 को खोला गया। जबकी शुक्रवार की रात दो बजे रेडियल गेट नंबर 4 को खोलकर पानी बहाया जा रहा है। तीनों गेट को छह-छह ईंच खोला गया है। डैम का जलस्तर वर्तमान में 33.60 फीट है। जिस तेजी से डैम का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है शाम तक अन्य गेट को भी खोलकर पानी बहाया जा सकता है। बारिश के इस मौसम में चौथी बार रेडियल गेट खोलकर पानी बहाया जा रहा है। इससे पूर्व 24 जुलाई को रेडियल गेट खोलकर पानी बहाया जा रहा था। एक सप्ताह तक गेट खुला हुआ था। जबकी 18 जुलाई को ही पिछले एक माह से खोला गया तीन रेडियल गेट को बंद किया गया था। इससे पूर्व 19 जून को गेतलसूद डैम का रेडियल गेट को खोला गया था। कुछ दिन एक गेट तो कुछ दिन बाद तीन रेडियल गेट को खोला गया था। मालूम हो कि फरवरी माह से ब्रेक डाउन के कारण सिकिदिरी हाइडल पावर प्लांट से बिजली का उत्पादन बंद है। सिकिदिरी स्थित पावर प्लांट एक के पेन स्टोक व ट्रेस रेक टूट गया है। जिस कारण गेतलसूद केनालहाइडल पावर प्लांट से बिजली का उत्पादन बंद है। सिकिदिरी स्थित पावर प्लांट एक के पेन स्टोक का ट्रेस रेक टूट गया है। जिस कारण गेतलसूद केनाल से पानी सिकिदिरी हाइडल पावर प्लांट के लिए पानी की सप्लाई बंद है। पेयजल आपूर्ति के लिए जितना पानी की सप्लाई हो सकती थी वह जारी है। लेकिन एक माह के दौरान प्रतिदिन हो रही वर्षा से गेतलसूद डैम पानी से लबालब भरा हुआ है। बिजली उत्पादन बंद है। इन्ही कारणों से रेडियल गेट खोलकर पानी को बहाया जा रहा है। इधर 15 जून से ही डैम का दोनों स्लूइस गेट खुला हुआ है। इससे लगातार डैम में जमा गाद व पानी बहाया जा रहा है। सिंचाई विभाग के एक कर्मी ने बताया कि स्लूइस गेट का डिजाइन गाद की सफाई के लिए किया गया है। पिछले दो सालों से स्लूइस गेट से काफी मात्रा में गाद की सफाई होती रही है। स्लूइस गेट के खोले जाने से एक माह तक लगातार काला बदबूदार पानी प्रवाहित हो रही थी। लेकिन पिछले एक माह से स्लूइस गेट से स्वच्छ पानी निकल रहा है। स्लूइस गेट काफी हद तक गाद की सफाई करने में सफल रहा है। स्लूइस गेट के कारण ही इस वर्षा के प्रारंभिक महीनों में ही 32 फीट तक पानी का स्टोर संभव हो पाया है।

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने सामुदायिक अस्पताल चौपारण का किया औचक निरीक्षण

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग) जिले के सबसे बड़े प्रखंड चौपारण स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का शनिवार को जिला स्वास्थ्य विभाग के डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम मैनेजर (डीपीएम) समरेश सिंह ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल भवन में कई जगह पानी का रिसाव दिखा, जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। डीपीएम ने चिकित्सा प्रभारी डॉ. फरहाना महफूज को तत्काल मरम्मती कराने का निर्देश दिया। साथ ही अस्पताल में उपलब्ध एक्स-रे मशीन को चालू करने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में अस्पताल में एमबीबीएस चिकित्सकों की भारी कमी पर भी चिंता जताई गई। जीटी रोड पर आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए, उन्होंने घायलों के त्वरित इलाज के लिए चिकित्सकों की नियुक्ति बढ़ाने की सिफारिश की। सूत्रों के अनुसार, 18 अगस्त को नियुक्त एमबीबीएस डॉक्टर धर्मराज ठाकुर ने अब तक ओपीडी में नियमित सेवा नहीं दी है। जबकि अस्पताल में प्रतिदिन 200 से अधिक मरीज इलाज के लिए आते हैं, जिससे व्यवस्था चरमराई हुई है। गौरतलब है कि कुछ वर्ष पूर्व डीएमएफटी फंड से सामुदायिक अस्पताल में सौंदर्यीकरण और मरम्मती का काम कराया गया था, बावजूद इसके भवन में जगह-जगह से पानी का रिसाव ठेकेदार की लीपापोती को उजागर करता है।

पूर्व सीएम सह पूर्व केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन, 127 यूनिट रक्त संग्रह

जमशेदपुर । ॐ कमरिया सेवा संघ टाटानगर और जोहार झारखंड समाज सेवी संस्था की ओर से टेल्को रीक्रिएशन क्लब में स्वर्गीय महेश्वर प्रसाद जी की बारहवीं पुण्यतिथि पर ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 127 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल सारंगी, टाटा मोटर्स अस्पताल के एडमिन हेड पार्थो मुखो उपाध्याय, डॉ. संजय लाल श्रीवास्तव, मेहरबाई के अमिताभ चटर्जी, डीएसपी सुनील चौधरी, बिरसानगर थाना प्रभारी अमित कुमार चौधरी, जमशेदपुर ब्लड बैंक के डायरेक्टर संजय चौधरी, टाटा मोटर्स यूनियन के अध्यक्ष शशिभूषण प्रसाद, महामंत्री आर.के. सिंह, जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता राजकुमार सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा के साथ ब्रह्मर्षि विकास मंच जमशेदपुर के संस्थापक महासचिव

राज किशोर सिंह भरत चौधरी प्रमोद राय समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान मानवीय संवेदना और सामाजिक दायित्व का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने कहा कि "देश में लोग धर्म और जाति के आधार पर बंटते हैं, लेकिन जब ब्लड की जरूरत होती है तो केवल ब्लड ग्रुप पूछा जाता है। जमशेदपुर ब्लड डोनेशन के क्षेत्र में देश में अव्वल स्थान रखता है।"उन्होंने आगे कहा कि रक्तदान भाईचारे और मानवीय मूल्यों को जीवित रखने का सशक्त माध्यम है। दुनिया में कोई मशीन रक्त का निर्माण नहीं कर सकती, इसलिए यह केवल इंसान ही इंसान को जीवनदान दे सकता है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह, संरक्षक पप्पू सिंह, चंचल लकड़ा, रोशन सिंह, श्रीनिवास सिंह, गणेश रॉय, संजय साव, रामजी, दुलाल, चंद्रपति, सतनारायण प्रसाद, रवि दास, विश्वकर्मा महतो, विनीत जायसवाल, सतीश प्रसाद, प्रेम चंद्र भगत, अजय, अजित मेघिया, दिवाकर गुप्ता, अजय अमन सहित कई सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

घटना के 36 घंटे बाद रीना देवी का शव जरहा स्थित धान के खेत से बरामद

गिद्धौर (चतरा) प्रखंड मुख्यालय स्थित रामनगर सियारी कटघरा निवासी सत्येंद्र दांगी और उनकी पत्नी रीना देवी शुक्रवार को आई तेज बारिश के बाद पानी की तेज धार में बह गए थे। ग्रामीणों व प्रशासन की मदद से शुक्रवार को सत्येंद्र दांगी का शव बरामद कर लिया गया, जिसके बाद पोस्टमार्टम के उपरांत उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।हालांकि, घटना के 36 घंटे के बाद रीना देवी का शव थाना क्षेत्र के जरहा स्थित धान के खेत से शनिवार को बरामद किया गया। दंपति की मौत से गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। इधर महिला का शव पुलिस ने बरामद कर अंत परीक्षण के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया है। बताया गया कि मृतक पति सत्येंद्र का अंतिम संस्कार शनिवार को कर दिया गया। जबकि पत्नी का अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा।

बागबेड़ा कॉलोनी पंचायत की समस्याओं को लेकर डीसी को सौंपा गया मांग पत्र, डीसी ने कारवाई करने का दिए निर्देश

जमशेदपुर। बागबेड़ा कॉलोनी पंचायत क्षेत्र की जनहित से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने उपायुक्त के. सत्यार्थी से मुलाकात की और उन्हें मांग पत्र सौंपा।

पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने डीसी को बताया कि पंसस द्वारा आयोजित विभागीय मासिक बैठक में उठाए गए सवालों पर कार्रवाई नहीं होना, सवालों का लिखीत रूप में जवाब नहीं मिल पाना, बागबेड़ा कॉलोनी पंचायत क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हुआ है। वहीं, बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना के तहत बिष्टुपुर स्थित फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य अधूरा है। इसके अतिरिक्त पंचायत भवन जर्जर स्थिति में खंडहर बन चुका है और मुख्यमंत्री ज्ञान केंद्र आज तक नहीं खोला गया है।पंचायत क्षेत्र में स्थाई कचरा निस्तारण के लिए अब तक ग्राम सभा नहीं की गई है।कार्यकारिणी और ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति की नियमित बैठक भी नहीं हो रही। साथ ही

विधवा, वृद्धा, दिव्यांग एवं मैया योजना का लाभ भी नियमित रूप से लाभुकों के खातों में नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे स्थानीय लोग परेशान हैं। डीसी के. सत्यार्थी ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मांग पत्र की प्रतियां संबंधित विभागों को भेज दी जाएंगी और शीघ्र ही समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर उप मुखिया संतोष ठाकुर सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित थे।

नहर में डूबने से बुजुर्ग की मौतः परिवार में मातम, आपदा राहत की मांग

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) जिले में हो रही लगातार बारिश ने एक और जिंदगी छीन ली। इटखोरी प्रखंड के कोनी पंचायत के हरदिया बंथू गाँव में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग की नहर में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है। मृतक की पहचान कृष्णा सिंह के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि कृष्णा सिंह शुक्रवार शाम करीब 5 बजे पास के तुम्भी चौक पर राशन का सामान लेने गए थे। जब वे देर रात तक घर नहीं लौटे, तो परिवार के सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। शनिवार सुबह करीब 10 बजे गाँव के लोगों ने पास की नहर में कृष्णा सिंह का शव देखा। इसकी सूचना तुरंत परिजनों को दी गई,जिसके बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस ने गहनता से जाँच कर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया। थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया कि प्राथमिक जाँच में ऐसा प्रतीत होता है कि कृष्णा सिंह राशन लेकर साइकिल से घर लौट रहे थे, तभी संतुलन बिगड़ने से वे नहर में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। कोनी पंचायत के मुखिया रंजय भारती ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कृष्णा सिंह की मौत प्राकृतिक आपदा के कारण हुई है, क्योंकि नहर में पानी का स्तर अधिक था। उन्होंने इटखोरी अंचल अधिकारी से आग्रह किया है कि मृतक के परिजनों को आपदा प्रबंधन के तहत आर्थिक सहायता दी जाए, ताकि इस मुश्किल घड़ी में परिवार को थोड़ी मदद मिल सके। मृतक के साले गुंजन सिंह ने बताया कि उनके बहनोई के निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

संक्षिप्त खबरें...

श्रीकृष्ण साइंस सेंटर में नए एग्जीबिशन का उद्घाटन

पटना. आज राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जा रहा है। इस खास मौके पर श्रीकृष्ण विज्ञान केंद्र में एक नई एग्जिबिशन 'स्पेस हेरिटेज इन इंडिया' का उद्घाटन किया गया है। इसमें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम और उससे जुड़ी उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है। इसमें आर्यभट्ट से लेकर शुभांशु शुक्ला की जर्नी को दिखाया गया है। इस गैलरी में 36 पैनल लगे हैं। इसका उद्घाटन साइंस फॉर सोसाइटी बिहार के अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार ने किया। श्रीकृष्ण विज्ञान केंद्र के परियोजना समन्वयक श्रीनु अप्पिकोंडा ने बताया कि इस एग्जीबिशन के माध्यम से स्पेस की दुनिया में भारत ने जो भी उपलब्धियां पाई है, उसे प्रदर्शित किया गया है। अंतरिक्ष और खगोल के दुनिया को जानने की इच्छा रखने वाले दर्शकों के लिए यह काफी दिलचस्प होगा। इस एग्जीबिशन के सेंटर में चंद्रयान-3 की सफलता को दिखाने के लिए उसका मॉडल लगाया गया है। विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर को मॉडल के माध्यम से दिखाया गया है।

सासाराम में स्कूल से घर लौट रहे शिक्षक का दिनदहाड़े अपहरण, पत्नी से 5 लाख की फिरौती ऑनलाइन मांगी

सासाराम . सासाराम के कोचस थाना क्षेत्र के कपसियां स्थित मध्य विद्यालय से अध्यापन का कार्य संपन्न कर शुक्रवार की शाम बाइक से गांव लौट रहे शिक्षक के अपहरण का मामला सामने आया है। इसका खुलासा तब हुआ जब अपराधियों के दबाव में शिक्षक ने मोबाइल से अपनी पत्नी को फोन पर जानकारी दी और 5 लाख रुपए फिरौती की राशि पे फोन में डालने को कहा। इसके बाद शिक्षक का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। इस संबंध में परिजनों ने अज्ञात अपहरणकर्ताओं के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मध्य विद्यालय कपसियां में कार्यरत फिजिकल टीचर दिलीप कुमार सिंह स्कूल से करगहर राजवाहा के रास्ते अपने पैतृक गांव रूपीबांध लौट रहे थे। इस बीच इंदौर और लहेरी गांवों के बधार में सुनसान जगह से सशस्त्र अपराधियों ने शिक्षक का अपहरण कर लिया।

गर्लफ्रेंड से मिलने गए युवक की पीट-पीटकर हत्या

पूर्णिया. बिहार के पूर्णिया में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। प्रेम प्रसंग में इस कांड को अंजाम दिया गया। युवक को उसकी गर्लफ्रेंड ने कॉल कर मिलने के लिए बुलाया था। प्रेमिका परिजनों समेत 25 पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुट गई है। दोनों के बीच 2 साल से अफेयर था। लेकिन, जाति अलग होने की वजह से लड़की के परिजन रिश्ते के पक्ष में नहीं थे। सनसनीखेज वारदात धमदाहा थाना क्षेत्र के अमारी गांव की है। मृत युवक की पहचान रिशु कुमार के रूप में हुई है जो राजघाट निवासी नवीन पासवान का बेटा था। पिता के बयान पर लड़की के माता,पिता, भाई समेत 25 पर केस दर्ज किया गया है। सब घर छोड़कर फरार हैं।

कटिहार में तीन बाइक सवारों को सूमो ने रौंदा; गंभीर

कटिहार. कटिहार जिले के पोठिया थाना क्षेत्र के एनएच-31 खोटा पर करीब दस बजे राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में शामिल एक बाइक सवार को तेज रफ्तार चार पहिये वाहन ने ठोकर मार दिया। घटना में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी बाइक सवार की पहचान मो. मलिक उम्र-35 ,मो. यूसुफ उम्र-25,मो.असताब उम्र-34 मरधिया किरामतपुर निवासी के रूप में हुई है। सभी जख्मियों को स्थानीय लोगों के सहयोग से प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी समेली लाया। जहां चिकित्सकों ने इलाज के बाद तीनों जख्मी का गंभीर हालत देख बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना को लेकर आक्रोशित लोगों ने करीब एक घंटे के लिए एनएच-31मार्ग को जाम कर दिया।

मरीज को खाट पर अस्पताल ले जाने को अब भी मजबूर

औरंगाबाद. औरंगाबाद में ग्रामीणों ने एक मरीज को खाट पर अस्पताल ले जाने का वीडियो बनाया। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो के जरिए ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सड़क का निर्माण कराए जाने की गुहार लगाई है। साथ ही पुलिस-प्रशासन मुर्दाबाद के नारे भी लगाए हैं। मामला नवीनगर प्रखंड के तोल पंचायत अंतर्गत पहाड़ बिगहा गांव का है। गांव से पक्की सड़क पर आने के लिए 2 किलोमीटर का रास्ता तय करना पड़ता है। वीडियो में स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि एक युवती बीमार है। उसे खाट पर टांग कर पक्की सड़क तक ले जाया जा रहा है। वीडियो में ग्रामीण यह कहते नजर आ रहे हैं कि कई बार जनप्रतिनिधियों ने सड़क निर्माण कराए जाने का आश्वासन दिया। लेकिन, आजादी के इतने साल बीत जाने के बावजूद भी उनके गांव को पक्की सड़क नसीब नहीं हुई। ग्रामीणों ने कहा है कि विधायक ने सड़क बनाने के लिए मंदिर में खसम खाई थी। लेकिन, आजादी के बाद अब-तक रोड नहीं बनी है।

पटना के बीएन कॉलेज में दो छात्रों के साथ रैगिंग

पटना. बीएन कॉलेज के कैंपस में दो जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग हुई है। जिसके बाद कैंपस में डर का माहौल बन गया है। पॉलिटिकल साइंस के फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट गौरव कुमार के साथ गुरुवार के दिन सीनियर छात्रों ने रैगिंग की। गौरव को जमीन पर घुटने के बल बैठा दिया। उसे थप्पड़ भी मारे। इस घटना को लेकर रैगिंग कमेटी की बैठक हो रही थी, तब तक इकनॉमिक्स फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट अभिनव के साथ भी दूसरी घटना हो गई। इस बाबत में अभिनव ने दो सीनियर छात्रों हर्षित राज और अभिज्ञानम के खिलाफ शिकायत की है। फिलहाल इस मामले में पुलिस 3 छात्रों को हिरासत में लेकर पीरबहोर थाने में पूछताछ कर रही है। बता दें कि इससे पहले बीएन कॉलेज में आपसी वर्चस्व की लड़ाई के दौरान बमबाजी की घटना हुई थी। जिसमें एक छात्र की मौत हो गई थी। फिलहाल यह मामला शांत हो ही रहा था, तब तक यह दूसरी रैगिंग की घटना सामने आ गई है।

उत्पाद विभाग ने 3 तस्कर को किया गिरफ्तार

सासाराम. सासाराम में उत्पाद विभाग की पुलिस ने शराब सेवन और बिक्री के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया। एक आरोपी को बेदा से और दो अन्य को तकिया मोहल्ले से पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों को स्वास्थ्य जांच के लिए सदर अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। जांच के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। उत्पाद विभाग की पुलिस ने आरोपियों के पास से बिक्री के लिए रखी गई शराब भी बरामद की है। जिले में उत्पाद विभाग की टीम लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। इस दौरान कई बार शराब तस्करों और ग्रामीणों से टीम की झड़प भी हुई है। शराबबंदी कानून का कड़ाई से पालन कराने के लिए विभाग ने अभियान तेज कर दिया है।

एनिवर्सरी पर रोमांटिक हुए बाहुबली अनंत सिंह

पटना. बाहुबली अनंत सिंह अपनी एनिवर्सरी पर रोमांटिक अंदाज में नजर आए। उन्होंने फेसबुक पर पत्नी नीलम देवी के साथ अपनी जवानी की फोटो शेयर कर लिखा- 'समय की धारा में उम्र यूं ही बीत जाती है।' यूजर्स इस पोस्ट पर अनंत सिंह को बधाई दे रहे हैं। अनंत सिंह कुछ दिन पहले ही बेऊर जेल से बाहर आए हैं। जेल से बाहर आते ही उन्होंने चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा था, 'नीलम देवी चुनाव नहीं लड़ेंगी, हम लड़ेंगे। नीलम देवी ने बढ़िया काम नहीं किया है। एक बेटे को राजनीति में लाऊंगा। बेटा चुनाव लड़ेगा। मैं अनपढ़ आदमी हूं, मुझे मंत्री पद की जरूरत नहीं है। जेल जाने से मुझे कोई नुकसान नहीं हुआ।'

फरीदाबाद तालाब में डूबा 5वीं क्लास का छात्र

फरीदाबाद. फरीदाबाद के गांव सिही के तालाब में अपने तीन दोस्तों के साथ नहाने के लिए गए 5वीं कक्षा के छात्र की पानी में डूबने से मौत हो गई। बच्चे का परिवार बिहार के मुजफ्फरपुर जिला के पारूकरोला गांव का रहने वाला है। पुलिस ने बच्चे का शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। सेक्टर आठ पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार गांव सिही में निजाम सिंही अपने परिवार के साथ किराए की मकान में रहता है। शुक्रवार की शाम को करीब 4 बजे उसका सबसे छोटा बेटा वारिस (12) अपने तीन साथियों के साथ मिलकर गांव में बने तालाब में नहाने के लिए गया था।

पटना में ट्रक-ऑटो की टक्कर में 9 लोगों की मौत

पटना। पटना में सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। 4 लोग घायल हुए हैं। एक्सीडेंट शनिवार सुबह शाहजहांपुर के दनियावां हिलसा स्टेट हाईवे-4 पर सिगरियावा स्टेशन के पास हुआ। ट्रक-ऑटो में हुई आमने-सामने की टक्कर में 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 ने अस्पताल में दम तोड़ा। मरने वालों में 8 महिलाएं और ऑटो ड्राइवर शामिल हैं। मृतकों में मां-बेटी भी है। दनियावां थाना अध्यक्ष ने बताया, मृतक नालंदा जिले के हिलसा के मलावा के रहने वाले थे। घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। सभी को इलाज के लिए पीएमसीएच भेजा गया है। प्रत्यक्षदर्शी राजीव रंजन ने बताया, 'सुबह 6 बजे के आसपास की घटना है। ट्रक वाले ने ऑटो को जोरदार टक्कर मारी। ऑटो से सभी गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। 8 से 9 लोगों की मौत हुई है। 4-5 घायल हैं।' हादसा सीमेंट फैक्ट्री के पास हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रक सीमेंट फैक्ट्री का ही था। हादसे के बाद ट्रक कंपनी के अंदर चला गया। गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। मौके पर फैक्ट्री संचालक को बुलाने की मांग कर रहे हैं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सड़क पर लाशें पड़ी थी, और उससे लिपटकर परिजन रोए जा रहे थे। को ई सिर पीट रहा, कोई छाती। टक्कर के बाद ऑटो के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी से खून रिस कर सड़क पर फैल गया। सड़क किनारे कुछ महिलाओं की लाश पड़ी थी।

सड़क पर मृतकों के सामान, चप्पलें बिखरी पड़ी थीं। दुर्घटना को लेकर स्थानीय लोगों में गुस्सा है।

टक्कर से 20 फीट दूर गिरे 2 शव

'सुबह के करीब 7.45 बजे थे। एक दम से तेज धमाका हुआ। मेरे सामने 7 से ज्यादा लाशें पड़ी थीं। गाड़ी पूरी पिचक गई थी। आगे का हिस्सा साफ हो गया था। चालक अपनी सीट पर ही फंसा रह गया, जो घायल थे वो दर्द से कराह रहे थे।' पटना के फतुहा में हादसे में घायल महिला ने बताईं। महिला ने बताया कि गांव से 13 लोग अमावस्या पर फतुहा के त्रिवेणी घाट पर स्नान के लिए जा रहे थे। हम सभी नालंदा के हिलसा के रहने वाले थे। 16 किलोमीटर की दूरी तय कर सभी शाहजहांपुर के दनियावां हिलसा स्टेट हाईवे-4 पर सिगरियावा स्टेशन के पास पहुंचे थे, तभी सीमेंट लदे ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी।

ग्रामीणों ने की मदद

हादसे के वक्त मौके पर मौजूद अभय प्रताप ने बताया 'जैसे ही तेज धमाका हुआ तो वहां पर कई लोग इकट्ठे हो गए। हल्ला हुआ कि बड़ा हादसा हुआ है। लोग दौड़ते हुए आए। कुछ लोगों को मदद के लिए फोन कर के भी बुलाया गया।' 'हादसा देखकर हर कोई कांप उठा, जैसे तैसे हिम्मत जुटाकर लोगों ने परिवार वालों को संभाला। इसके बाद जो लोग सड़कों पर पड़े थे उन्हें उठाना शुरू किया।' 'कुछ लोग गाड़ी में फंसे लोगों की मदद में लग गए। लाशें बुरी तरह से एक दूसरे के चिपक गई थीं। किसी का सिर नीचे धंस गया था किसी के शरीर में ऑटो की रॉड घुस गई थी। इन लोगों ने स्पॉट पर ही दम तोड़ दिया था।' 'गाड़ी में फंसे 4 शवों को बड़ी मुश्किल से निकाला। समझ नहीं आ रहा था कौन जिंदा है और कौन मर चुका है। डर था निकालते वक्त किसी घायल की स्थिति और खराब ना हो जाए।' ग्रामीणों के अनुसार, 'हम लोग जब ऑटो से लोगों को निकाल रहे थे इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दी। हादसे के करीब आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची, उन लोगों ने डेडबॉडी को सड़क के किनारे रखवाना शुरू किया।' 'रोते बिलखते परिवारवालों और ग्रामीणों को किनारे किया। इसी बीच पुलिस ने एंबुलेंस वालों को सूचना दी। 30 मिनट में पुलिस मौके पर पहुंच गई। एंबुलेंस करीब 2 घंटे बाद मौके पर आई।

विधायक बोले- सीमेंट फैक्ट्री के ट्रक से हादसा हुआ

हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी ने कहा, 'पास में ही अल्ट्राटेक फैक्ट्री है। सड़क का सबसे अधिक फायदा उन्हें ही मिलता है। सड़क के दोनों तरफ होटल बनने से यहां अक्सर हादसे होते रहते है।' 'जिस ट्रक से हादसा हुआ है वो फैक्ट्री के अंदर लगा है। फैक्ट्री पर भी जुर्माना लगाया जाए, और उस राशि को पीड़ित परिवार को देना चाहिए।' मृतक और घायल सभी नालंदा के हिलसा थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। नालंदा से गांव की महिलाएं तीज पर्व को लेकर गंगा स्नान करने ऑटो से फतुहा के त्रिवेणी जा रही थीं। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में काफी गुस्सा है। वे घटनास्थल पर किसी को वीडियो बनाने नहीं दे रहे हैं। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। मृतक के परिजनों को हिलसा SDM अमित कुमार पटेल ने तत्काल 20 हजार रुपए का चेक दिया है।

सीएम नीतीश ने जताया दुख

दनियावां में हुए हादसे पर सीएम नीतीश कुमार ने दुख जताया है। वहीं घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और राबड़ी देवी ने हादसे पर शोक जताते हुए मृतकों के आश्रितों को दस लाख रुपए का मुआवजा और घायलों का सरकार के स्तर से इलाज कराए जाने की मांग की है। पटना डीएम ने घटना को बेहद दुखद बताते हुए घायलों के समुचित इलाज और परिजनों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है।

रेड से पहले पत्नी के साथ नोट जलाने लगा इंजीनियरः किचन की चिमनी-टॉयलेट के पाइप से 52 लाख कैश मिले

पटना. पटना में शुक्रवार को ईओयू ने ग्रामीण कार्य विभाग के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर विनोद कुमार राय के घर पर रेड की। भूतनाथ रोड स्थित आलीशान मकान से टीम ने 52 लाख कैश बरामद किए। इनमें 12 लाख 50 हजार जले हुए नोट थे। यही नहीं आवास से सोने के बिस्किट समेत 26 लाख के गहने बरामद हुए। ईओयू को उनके घर से बीमा पॉलिसी और जमीन, मकान के कागजात, इलेक्ट्रानिक्स सामान समेत 20 करोड़ की चल-अचल संपत्ति मिली है। ईओयू की टीम को सूचना मिली थी कि सुपरिटेंडेंट इंजीनियर अपने कार्यस्थल मधुबनी से अपनी गाड़ी में भारी मात्रा में नकदी लेकर अपने घर पटना आ रहे हैं। ये रकम 3 करोड़ बताई जा रही है। उसके बाद सुपरिटेंडेंट इंजीनियर की टीम उनके आवास पर गुरुवार की रात को पहुंच गई। साथ में महिला पुलिसकर्मी भी थी। रातभर टीम गेट के पास खड़ी रही। सुबह करीब 5 बजे टीम जबरन उनके घर में दाखिल हुई और सर्च ऑपरेशन करने लगी। विनोद कुमार राय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वो मूल रूप से समस्तीपुर का रहने वाला है। नौकरी में आने के बाद उसने भागवत नगर में आलीशान घर खरीद लिया था। उसके 4 बच्चे हैं। एक बेटी डॉक्टर है। इस मामले में ईडी ने भी दिलचस्पी दिखाई है। जांच का दायरा बढ़ सकता है। विनोद राय अपना किडनी ट्रांसप्लांट भी करा चुका है। इस आधार पर बेल मिलने की ज्यादा संभावना है।

छापेमारी करने पहुंची ईओयू की टीम को घर में घुसते ही कुछ जलने की बदबू आई। पति-पत्नी से पूछताछ हुई तो पता चला कि उन्होंने नोटों को जलाकर टॉयलेट में डाल दिया गया। नगर निगम की टीम को बुलाया गया तब पाइप से बड़ी मुश्किल से जले और अधजले 12 लाख 50 हजार बरामद हुए। जले हुए नोट की वजह से घर का पाइप भी जाम हो गया था। मौके पर FSL की टीम को भी बुलाया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि ईओयू के विनोद के घर पहुंचने से पहले धुआं निकल रहा था।

4 करोड़ लेकर चले थे मधुबनी से इंजीनियर

विनोद कुमार राय मधुबनी से गुरुवार को दिन के करीब 11:30 बजे पटना के लिए इनोवा कार से करीब 4 करोड़ लेकर निकले थे पर घर शाम सात बजे पहुंचे। इस बीच उन्होंने नोटों को कइयों के यहां खपा दिया। ये रकम टेंडर और बिल पास करने को लेकर लिए गए थे। एक सफेदपोश को भी इसमें से मोटी रकम की डिलीवरी होनी थी। विनोद कुमार राय पर आय से अधिक संपत्ति यानी डीए का केस दर्ज होगा। इसके अलावे साजिश करने, साक्ष्य मिटाने, नोट जलाने और सरकारी काम में बाधा डालने का भी केस दर्ज हो गया है। यह मामला ED को भी भेजा जा सकता है। विनोद कुमार राय राडो, रोलेक्स समेत विदेशी घड़ी का शौकीन है। ईओयू ने उसके घर से चार-पांच महंगी विदेशी घड़ियां बरामद की है। कई महंगे मोबाइल, लैपटॉप समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट बरामद किए हैं। जब टीम गुरुवार की रात 11 बजे उसके घर पर पहुंची तो घर बंद था। टीम वहीं रही। सूत्रों के अनुसार, रातभर विनोद और उसकी पत्नी जागते रहे। बार-बार छत पर आ-जा रहे थे। स्थानीय पुलिस ने उसके घर को चारों तरफ से घेर लिया था। सुबह पांच बजे जब उनका एक रिश्तेदार आया तो गेट खुला।

2 साल बची थी नौकरी फिर रिटायरमेंट

पड़ोसियों की माने तो विनोद मोहल्ले के लोगों से कम बातचीत करते थे। साल 2010 में उन्होंने यहां घर बनाया था। तब से मोहल्ले में रहते हैं। दो साल और नौकरी बची थी। उसके बाद रिटायर हो जाते। दरअसल, विनोद की पोस्टिंग सीतामढ़ी में है और मधुबनी के अतिरिक्त प्रभार में हैं। इनके खिलाफ अवैध कमाई की सूचना ईओयू को मिली थी। ईओयू के अनुसार छापेमारी के लिए टीम गुरुवार की रात ही गई थी। मगर, घर में अकेली महिला होने की बात कह उन्हें अंदर जाने से रोका गया।

जमुई जेल में रंगदारी नहीं देने पर कैदी की हत्या

जमुई. जमुई में एक कैदी की रंगदारी न देने पर हत्या कर दी गई। मृतक डब्लू कुमार चौधरी को सिमुलतला थाना पुलिस ने 18 अगस्त को गिरफ्तार किया था। 19 अगस्त को जेल भेजे जाने के बाद उसी दिन दोपहर में जेल से फोन नंबर 8809855964 से उसकी बहन से 5000 रुपए की रंगदारी मांगी गई। रंगदारी न देने पर डब्लू को रात भर बाथरूम में रखा गया। 20 अगस्त को परिजनों ने एक कैदी संतोष यादव के पे-फोन पर 2000 रुपए भेजे। इसके बाद डब्लू को रहने की जगह दी गई। 21 अगस्त को फिर जेल से फोन कर 3000 रुपए और मांगे गए। मृतक की मां और बहन ने केवल 1000 रुपए देने की बात कही। डब्लू ने अपने परिजनों को बताया था कि जेल में अन्य कैदी उसके साथ मारपीट करते हैं। शुक्रवार की दोपहर दबंग कैदियों ने उसकी पिटाई की और गला घोंटकर हत्या कर दी। जेल प्रशासन ने मामले को छिपाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कैदी की तबीयत अचानक खराब हुई और सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की बहन सावित्री कुमारी ने आरोप लगाया कि 1000 रुपए न देने पर दबंग कैदियों ने उसके भाई की हत्या की है और जेल प्रशासन मामले को दबाने में लगा है। मृतक के परिजनों ने बताया कि जिस संतोषी यादव के पे फोन 2000 से भेजा गया था। उसके द्वारा फोनकर किसी से शिकायत करने पर पूरे परिवार को जान से मारने के धमकी दी गई। वहीं मृतक के परिजनों ने डीएम श्री नवीन तथा एसपी विश्वजीत दयाल से सुरक्षा की मांग की है। साथ ही आरोपी की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इधर रात से सुबह होने के बावजूद परिजनों को शव नहीं मिला। जिसमें बाद अस्पताल परिसर में मृतक के परिजनों ने दो घंटे तक हंगामा किया। वही हंगामे की जानकारी के बाद जेल व स्थानीय प्रशासन द्वारा उनको परिजनों को शव सौंप दिया। वही अस्पताल उपाध्यक्ष डॉक्टर सैयद नौशाद अहमद ने बताया कि मेडिकल टीम बनाकर शव का पोस्टमॉर्टम किया गया है। रिपोर्ट आने के बाद जानकारी दी जाएगी। जेल अधीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल भेजा गया था। जहां इलाज के दौरान मौत हुई है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

सीएम ने कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल के दूसरे चरन का किया उद्घाटन

फतुहा. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना के सबलपुर में कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन परियोजना के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। यह पुल पटना और गंगा पार के दियारा क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। यह पुल पटना के जेपी सेतु (दीघा-दीदारगंज) से सीधा जुड़ता है, जिससे यातायात काफी सुगम हो जाएगा। इस उद्घाटन समारोह में बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव और राघोपुर के पूर्व विधायक सतीश राय भी मौजूद थे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की लागत करीब 5000 करोड़ रुपये है। इसका शिलान्यास 2016 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राघोपुर के मोहनपुर में किया था, उस समय उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद यादव भी मौजूद थे। लगभग 10 साल के लंबे इंतजार के बाद, इस पुल का दूसरा चरण पूरा हुआ है, जबकि तीसरे चरण का काम अभी जारी है। यह पुल 22.75 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 10 किलोमीटर का हिस्सा ऊपरी सेतु है और लगभग 13 किलोमीटर का पहुंच पथ बनाया गया है। यह पुल 67 केबलों पर टिका हुआ है और इसका सीधा संपर्क पटना के राष्ट्रीय राजमार्ग से दिया गया है। इस पुल के खुलने से पटना और वैशाली जिले के बीच की दूरी काफी कम हो जाएगी, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

स्टाइपेंड बढ़ाने को लेकर मेडिकल छात्रों का प्रदर्शन

फुलवारीशरीफ. पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पीजी इंटर्नशिप छात्रों ने शनिवार को स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर मुख्य गेट पर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे मेडिकल छात्रों ने कहा कि बिहार में हर 3 साल पर मेडिकल छात्रों का स्टाइपेंड का रिवाइवल होता है। लेकिन 5 वर्ष से अधिक गुजर जाने के बाद भी नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के इंटर्नशिप छात्रों का रिवाइवल अभी तक नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि जो स्टाइपेंड उन्हें 5 वर्ष पूर्व 20000 मिलते थे। आज भी वही मिल रहा है। जबकि दूसरे राज्यों में मेडिकल छात्रों को स्टाइपेंड के रूप में इससे दुगने की राशि दी जाती है। इसको लेकर छात्रों ने शनिवार को नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मुख्य गेट पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने बताया कि स्टैफर बढ़ाने की मांग को लेकर उन्होंने बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे से मिलकर भी अपनी मांग को रखा था।

झारखंड में बारिश से नालंदा-गयाजी-जहानाबाद में बाढ़ःफल्गु पर बना तटबंध टूटा, 25 गांवों में घुसा पानी

पटना. बिहार में फिर मानसून सक्रिय हो गया है। शनिवार सुबह सारण, पटना और औरंगाबाद में तेज बारिश हुई। भागलपुर में एक घंटे से ज्यादा देर तक तेज बारिश हुई, जिससे कई जगह पानी भर गया।

वहीं झारखंड में भारी बारिश हुई है। झारखंड से हो रही बारिश के कारण सीमा से लगे गयाजी, जहानाबाद के कई इलाके बाढ़ से प्रभावित हो गए है। वहीं, नालंदा में लोकायन नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इससे एकंगरसराय और हिलसा प्रखंड में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। एकंगरसराय के केला बीघा गांव में बाढ़ के पानी में घर देखते ही देखते समा गए। जहानाबाद में फल्गु नदी का तटबंध चार जगहों से टूट गया है। इससे आसपास के 25 गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। शुक्रवार रात करीब 2 बजे नदी में अचानक पानी का बहाव बढ़ने से ऐसी स्थिति बनी है। भारथू, नंदना, तुलसीपुर, मेटरा, बेलदरिया, अतियावा, शाहपुर और सबाजपुर समेत कई गांव की करीब 50 हजार आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। इधर, गयाजी के मोहनपुर प्रखंड के कई गांव में बाढ़ का पानी भर चुका है। मुहाने नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से सैकड़ों घर डूब गए हैं। खेत-खलिहान पानी में समा गए। मोहनपुर गजाधरपुर निवासी मुसमूरउला देवी की बाढ़ में डूबकर मौत हो गई। लोग अपने छोटे-छोटे बच्चों को गोद में उठाकर सुरक्षित जगह भाग रहे हैं। कई

परिवार बेघर हो गए। बिहार में फिर मानसून सक्रिय हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी शनिवार को प्रदेश के 18 जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसमें 5 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज और 13 जिलों में हल्की और मध्यम बारिश यलो अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में बंगाल की खाड़ी से नमी लेकर हवा आ रही है। इसके साथ ही मानसून ट्रफ लाइन उत्तर प्रदेश और बिहार के कई हिस्सों से गुजर रही है। इसके कारण प्रदेश में अगले पांच दिनों तक बारिश की संभावना है। वहीं, पटना, आरा, जमुई, सुपौल और औरंगाबाद में तेज बारिश हुई।

4 महीने की प्रेग्नेंट की हत्या, सिर काटकर शव जलायाः सास बोली- बहू सल्फास खाई

दरभंगा. दरभंगा में गुरुवार को 4 महीने की प्रेग्नेंट महिला की हत्या कर दी गई। फिर चोरी-छिपे जलाने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला की जलती लाश बरामद की। महिला की पहचान चंदा कुमारी (23) के रूप में की गई, जिसका सिर गायब था। हालांकि, एफएसएल की टीम को सिर का जला कुछ हिस्सा मिला है। मामला सकतपुर थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव का है। मृतका के भाई विजय कुमार मंडल ने महिला की पति मनीष कुमार मंडल, देवर राजकुमार मंडल, चाचा जितेंद्र मंडल, सास सोनी देवी, ननद निशा कुमारी और चचेरा भाई राजीव कुमार मंडल समेत कई लोगों पर हत्या कर आरोप लगाते हुए FIR दर्ज कराई है। पुलिस ने सास सोनी देवी और ननद निशा कुमारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में सास ने बताया, 'बहू ने 4 सल्फास की गोली खा ली, जिससे उसकी मौत हुई है।'

दहेज के लिए किया परेशान

मृतका के भाई विजय ने बताया, 'मेरी बहन को दहेज को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। इसके साथ ही इलाज में होने वाला खर्च भी हम लोगों से मांगा जा रहा था। दहेज नहीं दिया तो बहन की हत्या कर दी।' 'बहन की शादी साल 2021 में मनीष कुमार मंडल के साथ हुई थी। शादी के लिए 7 कट्ठा जमीन बेचकर करीब 8 लाख खर्च किए थे। इसके बावजूद ससुराल वाले बार-बार पैसे की मांग करते थे।' 'हाल ही में इलाज के नाम पर 50 हजार रुपए भी दिए थे, लेकिन उन्हें और पैसे चाहिए थे। इस विवाद को लेकर ही घटना को अंजाम दिया गया।' 'जीजा मनीष को मैं अपने साथ मुंबई में रखता था। मौत की सूचना पर हम दोनों साथ में फ्लाइट से पहुंचे। लेकिन, घर पहुंचने के बाद जीजा फरार हो गया है।' विजय ने बताया, 'बहन ने अपने पति को फोन किया था और कहा था परिवार वाले मारपीट कर रहे हैं। लेकिन पति ने घटना की जानकारी हमें नहीं दी।' 'बहन की मौत हो गई तो घटना की सूचना दी। गांव के कुछ लोगों ने शव को चार-पांच किलोमीटर दूर गड्ढा खोदकर जलाने की कोशिश की। हम दोनों गांव पहुंचे तो शव आम के बगीचे में जलते मिला।'

पुलिस ने सास और ननद को किया अरेस्ट

पुलिस ने मृतका की सास और ननद को अरेस्ट किया है। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष अरविंद्र कुमार ने बताया कि, 'ससुराल वाले घर छोड़ कर फरार है। मामले की जांच चल रही है। साले ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि 'महिला ने सल्फास की गोलियां खा ली थीं, जिसके बाद स्थानीय नर्सिंग होम में भर्ती कराया, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो दूसरे अस्पताल ले गए और फिर डीएमसीएच रेफर कर दिया गया।' 'डीएमसीएच ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दिए बिना आनन-फानन में शव को जला दिया, ताकि मामले को दबाया जा सके।'

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, रविवार, 24 अगस्त, 2025

6

www.ksnewsupdates.com

उत्तराखंड : जांच होगी तो पूरी कैबिनेट जेल में होगी

उत्तराखंड की राजनीति में हाल ही में पूर्व वन मंत्री हरक सिंह के बयान ने, राजनीतिक हल्कों, उत्तराखंड की राजनीति और ईडी के अधिकारियों को झकझोर दिया है। पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत ने भारतीय जनता पार्टी पर और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने स्वयं को भी दोषी ठहराते हुए कहा,खनन माफियाओं से मिली चंदे की रकम से भाजपा में करोड़ों की एफडी बनी है। रावत के शब्दों में,"ईडी ईमानदारी से जांच करे, तो पूरी भाजपा कैबिनेट जेल में होगी। सवाल यह है कि इतना बड़ा दावा करने के बाद भी प्रवर्तन निदेशालय की ओर से कोई जांच क्यों शुरू नहीं की गई। यह पहला मौका नहीं है, जब किसी पूर्व मंत्री या नेता ने भ्रष्टाचार के ऐसे गंभीर आरोप लगाए हों। भारतीय राजनीति का यह एक कड़वा सच बन चुका है, सत्ता में रहते हुए नेता चुप रहते हैं, कुर्सी से हटने के बाद इस तरह के आरोप लगाते हैं। हरक सिंह रावत का मामला दूसरा है। उनके खिलाफ ईडी जांच कर रहा है। इनके मेडीकल कॉलेज और भ्रष्टाचार के मामलों की जाँच ईडी कर रही है। ऐसी स्थिति में उनके बयान के आधार पर जांच करना ईडी के लिए जरूरी हो जाता है। दिल्ली शराब घोटाले में ईडी ने बयान के आधार पर ही जांच कर, आरोपियों को जेल भेजा था। हरक सिंह रावत स्वयं कई मामलों में जांच के घेरे में हैं। उनका यह बयान हल्के में नहीं लिया जा सकता है। रावत का बयान सीधे तौर पर सत्तारूढ़ दल की कार्यप्रणाली और वित्तीय पारदर्शिता, चंदा लेकर ठेके देने और सरकार के कामकाज पर सवाल खड़ा करता है। इस मामले में ईडी की चुप्पी सबसे बड़ा सवाल खड़ा करती है। किसी विपक्षी दल के नेता पर ऐसे आरोप लगते है, तो तुरन्त छापेमारी, गिरफ्तारी और पूछताछ की खबरें सामने आ जाती हैं। जब आरोप सत्ता से पक्ष से जुड़े हों, तो एजेंसी की निष्क्रियता से जनता के मन में जांच एजेंसी की निष्पक्षता और पारदिर्शिता को लेकर शंका पैदा होने लगी है। लोकतंत्र में जांच एजेंसियों की भूमिका, निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए। अन्यथा कोई उन पर भविष्य में कोई भरोसा नहीं करेगा। जाँच एजेंसियां राजनेताओं और राजनीति के बोझ तले दबकर अपनी प्रामाणिकता खो देंगी, वर्तमान में यही होते हुए दिख रहा है। यह सही है कि हरक सिंह रावत दूध के धुले नहीं हैं। इसका अर्थ यह भी नहीं है, उनके आरोपों को नजरअंदाज कर दिया जाए। ईडी उनकी संपत्ति की जांच कर रही है। यदि वह दोषी हैं ,तो उन्हें भी सजा मिलनी जो आरोप और सबूत उन्होंने भाजपा सरकार के खिलाफ दिये हैं। उनकी भी जांच होनी चाहिए, जांच में आरोप सच साबित होते हैं। तो जांच एजेंसियों को कार्यवाही भी करनी चाहिए। तभी जाकर जाँच एजेंसी, लोकतंत्र और शासन की विश्वसनीयता बढ़ेगी। अन्यथा जांच एजेंसी और सरकार पर आम जनता का विश्वास कम होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था जाँच एजेंसी की इस भूमिका से गहरा आघात होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का यह अधिकार है, उसे सच का पता चले। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून का राज हो। चाहे वह पूर्व मंत्री हो, या वर्तमान मुख्यमंत्री, मंत्री, शासन एवं प्रशासन पर बैठा हुआ अधिकारी हो, न्याय पालिका के जज हों। संवैधानिक संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे हुए लोग हों, अथवा सामान्य नागरिक हो। संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून सबके लिए समान है। सभी के बीच में समानता के साथ कार्यवाही होनी चाहिए। जांच एजेंसियां निष्पक्ष होकर कार्रवाई करें, अपने अधिकार और कर्तव्यों का सही ढंग से पालन करें सरकार और अन्य किसी दबाव में नहीं आएं, तो दूध का दूध और पानी का पानी होने में देर नहीं लगेगी। हरक सिंह रावत का यह सार्वजनिक बयान महज एक राजनीतिक आरोप मानकर झुठला दिया जाएगा? पिछले कुछ वर्षों से जांच एजेंसी के ऊपर इसी तरह के आरोप और अविश्वास समय-समय पर देखने को मिलता है। जांच एजेंसी के बारे में सुप्रीम कोर्ट भी कभी तोता कभी बिल्ली और न जाने क्या-क्या कहा जाने लगा है। जो सरकार में बैठा है, वह जांच एजेंसियों का उपयोग अपने मनमाने ढंग से करना चाहता है। जांच एजेंसियों के जो अधिकारी हैं। वह सरकार के दबाव में काम करते हुए नजर आते हैं। कोर्ट में यह प्रमाणित होने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों पर यदि कोई कार्यवाही नहीं होती है। न्यायालय उन्हें दंडित नहीं करती हैं। इसमें न्यायपालिका की भूमिका न्याय के सिद्धांत में अपने कर्तव्यों का पालन उस तरह से नहीं करती है: जैसे उसे करना चाहिए। जब तक दोषी गैर जिम्मेदार और लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों को न्यायपालिका दंडित नहीं करेगी। तब तक यही खेल चलता रहेगा। सरकार के मुख्य पदों पर बैठे हुए लोग इसी तरह से कानून के राज को अंगूठा दिखाते रहेंगे। विपक्षी इसी तरह से प्रताड़ित होते रहेंगे। बहुमत का आधार सत्ता में बने रहने को मान लिया गया है। भ्रष्ट लोगों को भी सत्ता बनाए रखने के लिए सत्ता में शामिल कर लिया जाता है। इसमें नैतिकता और अनैतिकता का कोई मतलब नहीं है। ऐसी स्थिति में भ्रष्टाचार पर नियंत्रण लगेगा? भ्रष्टाचार खत्म करने के सपने जरूर देखे जा सकते हैं। वास्तविक रूप से धरातल में देखने को नहीं मिलेंगे। समरथ को नहीं दोष गुसाईं जब तक सत्ता की ताकत है। तब तक उन पर कोई कार्यवाही नहीं होगी। राजनेताओं, अधिकारियों, न्यायपालिका के जजों में आपस की संगामित्ती देखने को मिल रही है। जिसके कारण इसी तरह से आम आदमी के हितों पर कुठराघात होता रहेगा? इसे एक तरह से लोकतंत्र के जरिए राजतंत्र स्थापित किए जाने के मार्ग के रूप में भी देखा जा सकता है। वर्तमान संदर्भ में यही कहा जा सकता है।

सुख का असली रहस्य संतोष और प्रसन्नता

दुनिया में वही व्यक्ति सबसे भाग्यशाली और सुखी है, जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांति और संतोष है। केवल आज की ही नहीं, बल्कि हर युग और हर संसार में ऐसे लोग ही सच्चे अर्थों में खुशहाल कहलाते हैं। महाभारत में यक्ष द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए धर्मराज युधिष्ठिर ने कहा था—"समाधान ही सर्वोत्तम सुख है।" इसका अर्थ है कि संतोष और समाधान के बिना कोई भी मनुष्य, चाहे उसके पास धन-दौलत, सुख-सुविधाएं, अच्छे माता-पिता और परिवार क्यों न हो, सच्ची प्रसन्नता प्राप्त नहीं कर सकता। आज की दुनिया में धन आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है मन का संतोष और मानसिक शांति। साथ ही अच्छी सेहत भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि स्वस्थ शरीर से ही जीवन का आनंद संभव है। प्रकृति ने मनुष्य को अनेक गुण-दोषों के साथ जन्म दिया है, और उसे यह स्वतंत्रता दी है कि वह किस ओर झुके—सुख-दुख, प्रसन्नता-ग़म, गुण-दोष। वास्तव में, प्रसन्नता और दुख का चुनाव भी मनुष्य की बुद्धि और दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। प्रसन्नता एक ऐसी दवा है, जिसे स्वयं मनुष्य अपने लिए निर्मित कर सकता है। हंसना, मुस्कुराना और मन को हल्का रखना व्यक्ति को न केवल मानसिक बल देता है, बल्कि उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यक्तित्व को भी निखारता है। प्रसन्न व्यक्ति का चेहरा और उसकी आंखों की चमक दूसरों के लिए प्रेरणा बन जाती है। प्रसन्नता ऐसा खजाना है जिसे जितना बांटा जाए, उतना ही बढ़ता जाता है। दूसरों की खुशियों में अपनी खुशी खोजना प्रसन्नता का सर्वोच्च रूप है। यह हमें छोटी-छोटी बातों में सुख ढूंढना सिखाता है। प्रसन्नता व्यक्ति की उदासी, कुंठा और तृष्णा को समाप्त कर देती है। यह आत्मा को स्थिरता और शक्ति देती है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता और सहिष्णुता जैसे गुण प्रसन्नता के प्रमुख स्रोत हैं, जिन्हें जीवन में अपनाना आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस इस भावना के वैश्विक महत्व को दर्शाता है। विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2022 के अनुसार फिनलैंड लगातार पाँच वर्षों से प्रथम स्थान पर है, डेनमार्क दूसरे और आयरलैंड तीसरे स्थान पर। आश्चर्य की बात यह है कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर से सम्पन्न भारत इस सूची में 136वें स्थान पर है। यह स्थिति बताती है कि भौतिक प्रगति के साथ-साथ मानसिक संतोष और प्रसन्नता को भी प्राथमिकता देना आवश्यक है। प्रसन्नता व्यक्ति को हर परिस्थिति में संतुलित बनाए रखती है। वह असफलता में भी निराश न होकर आत्मनिरीक्षण करता है और आगे बढ़ता है। ज्ञानीजन मानते हैं कि प्रसन्नता से वंचित वही लोग रहते हैं जो कुतर्क और षड्यंत्र में उलझे रहते हैं। प्रसन्न व्यक्ति न केवल स्वयं प्रसन्न रहता है, बल्कि दूसरों को भी प्रसन्न करने की क्षमता रखता है। प्रसन्नता प्रभु-प्रदत्त संपदा है। यह हमें जीवन की हर परिस्थिति का सामना सहजता से करना सिखाती है। प्रसन्नतापूर्वक किया गया कार्य बोझ नहीं लगता। यही कारण है कि प्रसन्नता को सुखी जीवन का मूलमंत्र कहा गया है।

अग्नि-5 : भारत की रक्षा क्षमता में ऐतिहासिक छलांग

> अग्नि-5 का सफल परीक्षण आम जनता में भी गर्व का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर #Agni5 ट्रेंड करता दिखा। लोगों ने लिखा कि अब भारत को कोई भी आंख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं करेगा। युवाओं ने इसे "नई आजादी की सुरक्षा गारंटी" बताया। कुल मिलाकर यह परीक्षण केवल एक मिसाइल का उड़ान भरना भर नहीं, बल्किं यह भारत के आत्मविश्वास, वैज्ञानिक प्रगति और सामरिक ताकत की उड़ान है । यह संदेश देती है कि भारत शांति चाहता है लेकिन अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क और तैयार है। अग्नि-5 के सफल परीक्षण के साथ भारत ने दुनिया को यह जता दिया है कि वह न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी जगह बना चुका है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दुनिया भर में युद्ध और तनाव का माहौल है। रूस-यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा, चीन-ताइवान विवाद गहराता जा रहा और मध्य-पूर्व में लगातार संघर्ष जारी है। ऐसे समय में भारत ने अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 20 अगस्त 2025 को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से भारत ने लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया। यह न केवल तकनीकी सफलता है, बल्कि भारत की बढ़ती सैन्य और सामरिक ताक़त का स्पष्ट संकेत भी है। अग्नि-5 मिसाइल की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लंबी दूरी की क्षमता है। यह मिसाइल 5000 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता रखती है और परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। तीन चरण वाले ठोस ईंधन रॉकेट मोटर से उड़ान भरने वाली यह मिसाइल आधुनिक नेविगेशन सिस्टम से लैस है और इसमें मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल (MIRV) तकनीक का इस्तेमाल हुआ है। यानी यह एक साथ कई लक्ष्यों को साध सकती है। DRDO प्रमुख डॉ. समीर वी कामत ने कहना है कि अग्नि-5 का यह परीक्षण भारत की सामरिक शक्ति को नए स्तर पर ले जाता है। यह न केवल हमारी वैज्ञानिक क्षमता का प्रतीक है, बल्कि आने वाले समय में भारत की सुरक्षा का मजबूत आधार भी बनेगा।

उल्लेलखनीय है कि भारत का मिसाइल कार्यक्रम कोई नया नहीं है। यह यात्रा 1980 के दशक में इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम (IGMDP) से शुरू हुई थी। इसके साथ ही पूर्व राष्ट्रगपति एवं भारत के महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की अगुवाई में अग्नि श्रृंखला की नींव रखी गई थी। जिसने अपना साकार रूप लेना शुरू किया 2002 से, जब अग्नि-1 के साथ शुरुआत हुई जिसकी रेंज 700–900 किलोमीटर थी। इसके बाद अग्नि-2, अग्नि-3 और अग्नि-4 का विकास हुआ और हर नए संस्करण द्वारा भारत की क्षमता को एक कदम आगे बढ़ाया गया। अब अग्नि-5 उस श्रृंखला का सबसे आधुनिक और दूर तक मार करने वाला हथियार है। यह भारत को उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा करता है जिनके पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें हैं।

शक्तिलशाली देशों के बीच रणनीतिक महत्वक

इस परीक्षण का महत्व केवल तकनीकी नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। पाकिस्तान के पास शहीन-III जैसी मिसाइलें हैं जिनकी रेंज लगभग 2750 किलोमीटर है। चीन के पास DF-41 है जिसकी क्षमता 12000 किलोमीटर तक मानी जाती है। अग्नि-5 भारत को इस सामरिक संतुलन में बराबरी की स्थिति देता है।

रक्षा विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा कहते हैं, "यह मिसाइल किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि भारत की डिटरेंस पॉलिसी का हिस्सा है। कहने का तात्पनर्य है कि निवारण नीति किसी संभावित दुश्मन को हमला करने से रोकने के लिए पहले से ही तैयार की जाती है। यह एक ऐसी नीति है जिसमें किसी देश या संगठन द्वारा अपनी सैन्य शक्ति, आर्थिक शक्ति, या राजनीतिक प्रभाव का उपयोग करके दूसरे पक्ष को किसी गलत काम को करने से रोकने की कोशिश होती है। अतः इसका मकसद स्पष्ट है– कोई भी देश भारत के खिलाफ आक्रामक कदम उठाने से पहले सौ बार सोचे।"

वे कहते हैं कि अग्नि-5 का सफल परीक्षण आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। यह हमारी वैज्ञानिक क्षमता का नतीजा है। इससे निश्चित ही भारतीय सेना को और मजबूती मिलेगी। साथ ही यहां यह भी स्पतष्टस करना जरूरी है कि भारत की नो फर्स्ट यूज़ परमाणु नीति हमेशा से स्पष्ट रही है। यानी भारत परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा, लेकिन हमला होने पर जवाब अवश्यर दिया जाएगा। इस नीति के साथ अग्नि-5 जैसी मिसाइल भारत की सुरक्षा को विश्वसनीयता प्रदान करती है। यह मिसाइल यह सुनिश्चित करती है कि भारत पर कोई भी देश हमला करने से पहले उसकी ताकत को समझे। उन्होंजने कहा, हम अब केवल इस दिशा में आत्मनिर्भर नहीं हुए हैं, बल्कि तकनीकी दृष्टि से विकसित देशों की बराबरी कर रहे हैं। अग्नि-5 इसका एक बड़ा प्रमाण है।

दुनिया में सिर्फ पांच देशों के पास ही थी यह क्षमता

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों के पास ही अब तक 5000 किलोमीटर से अधिक दूरी की मिसाइलें थीं। भारत अब इस क्लब में शामिल होकर अपनी स्थिति और मजबूत कर चुका है। यह न केवल भारत को एशिया में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक भरोसेमंद और जिम्मेदार सामरिक शक्ति बनाता है। अतः इस सफलता के बाद भारत का ध्यान अब भविष्य की परियोजनाओं पर है। अग्नि-6 की संभावित रेंज 8000 से 10000 किलोमीटर बताई जा रही है। साथ ही भारत हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक पर भी काम कर रहा है, जो आने वाले समय की जरूरत है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह प्रोजेक्ट सफल होते हैं तो भारत आने वाले दशक में दुनिया की शीर्ष तीन-चार मिसाइल शक्तियों में शामिल रहेगा।

अग्नि-5 का सफल परीक्षण आम जनता में भी गर्व का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर #AGNI5 ट्रेंड करता दिखा। लोगों ने लिखा कि अब भारत को कोई भी आंख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं करेगा। युवाओं ने इसे "नई आज़ादी की सुरक्षा गारंटी" बताया। कुल मिलाकर यह परीक्षण केवल एक मिसाइल का उड़ान भरना भर नहीं, बल्किं यह भारत के आत्मविश्वास, वैज्ञानिक प्रगति और सामरिक ताकत की उड़ान है । यह संदेश देती है कि भारत शांति चाहता है लेकिन अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क और तैयार है। अग्नि-5 के सफल परीक्षण के साथ भारत ने दुनिया को यह जता दिया है कि वह न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी जगह बना चुका है।

मोदी का मिशन बिहार, मगध से मुंगेर तक सियासी जड़ें जमाने में जुटी भाजपा

> बिहार के लोगों को आरजेडी और उसके साथी सिर्फ अपना वोटबैंक मानते हैं, उन्हें गरीब के सुख-दुख, गरीब के मान-सम्मान से कोई मतलब नहीं है। आपको याद होगा, कांग्रेस के एक मुख्यमंत्री ने मंच से कह दिया था कि अपने राज्य में बिहार के लोगों को घुसने नहीं देंगे। बिहार के लोगों से कांग्रेस की इतनी नफरत, बिहार के लोगों के प्रति इतनी घृणा, और कोई भूल नहीं सकता। कांग्रेस का बिहार के लोगों के प्रति जो दुर्व्यवहार देखने के बाद भी यहां आरजेडी वाले गहरी नींद में सोये पड़े थे। बिहार की राजग सरकार, कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों के इस नफरती अभियान का जवाब दे रही है। बिहार के बेटे-बेटी को यहीं पर रोजगार मिले, सम्मान की जिंदगी मिले, मां-बाप की वो देखभाल कर सके, इसी सोच के साथ हम काम कर रहे हैं।

कुमार कृष्णन

ध से मुंगेर तक साधने की कोशिश की। बिहार में बीजेपी का सबसे कमजोर गढ़ मगध का क्षेत्र माना जाता है, जिस पर अपनी मजबूत पकड़ को बनाए रखने के लिए हरसंभव कोशिश में जुटी है। इस इलाके में भाजपा सियासी जुड़े जमाने के लिए जीतन राम मांझी, उपेन्द्र कुशवाहा और चिराग पासबान से हाथ मिलाकर रखा है। नवादा, औरंगाबाद, जहानाबाद, अरवल में महागठबंधन का ही पलड़ा भारी था। इस क्षेत्र की 20 सीट पर महागठबंधन ने जीत दर्ज की थी, जबकि 6 सीट पर ही राजग को ही कामयावी मिली थी। मगध और मुंगेर प्रमंडल में महागठबंधन कि दबदबा रहा है। इसे तोड़ने प्रधानमंत्री का दौरा कितना कारगर होगा, यह तो वक्त ही बताएगा। प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का लोकार्पण या शिलान्यास हुआ है। इनमें ऊर्जा, स्वास्थ्य और शहरी विकास के जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। इनसे बिहार के उद्योगों को ताकत मिलेगी, और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे।बिहार में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए आज यहां अस्पताल और रिसर्च सेंटर का उद्घाटन भी हुआ है। अब बिहार के लोगों को कैंसर के इलाज के लिए एक और सुविधा मिल गई है। गरीब के जीवन से मुश्किलें दूर करना, महिलाओं के जीवन को आसान बनाना सरकार का लक्ष्य है। जनता-जनार्दन का सेवक बनकर यही काम करने में सबसे ज्यादा खुशहाली होती है।

सरकार की प्रतिवद्वता दुहराते हुए कहा कि—मेरा एक बड़ा संकल्प है। जब तक हर जरूरतमंद को पक्का घर नहीं मिल जाता, मोदी चैन से नहीं बैठेगा। इसी सोच के साथ पिछले 11 साल में 4 करोड़ से अधिक गरीबों को पक्के घर बनाकर दे दिए गए हैं। अकेले हमारे बिहार में 38 लाख से अधिक आवास बनाए गए। गया जिले में भी 2 लाख से अधिक परिवारों को अपना पक्का घर मिला है। और हमने सिर्फ घर यानी 4 दीवारें नहीं दी, बल्कि इन घरों के साथ गरीब को उसका स्वाभिमान दिया है। इन घरों में बिजली, पानी, शौचालय और गैस कनेक्शन की सुविधाएं दी हैं। यानी, गरीब परिवारों को भी सुविधा, सुरक्षा और सम्मान से जीने की गारंटी मिली है।

उन्होंने कहा कि आज इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, बिहार के मगध क्षेत्र के 16 हजार से ज्यादा परिवारों को अपना पक्का घर दिया है। यानि इस बार इन परिवारों में दीवाली और छठ पूजा की रौनक और ज्यादा होगी। उन्होंने अपना घर पाने वाले सभी लाभार्थी परिवारों को बहुत-बहुत बधाई दी और कह कि जो लोग अब भी पीएम आवास योजना के लाभ से छूट गए हैं, मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं, कि पीएम आवास का अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक हर गरीब को अपना पक्का घर नहीं मिल जाता। बिहार चन्द्रगुप्त मौर्य और चाणक्य की धरती है। जब-जब किसी दुश्मन ने भारत को चुनौती दी है, बिहार देश की ढाल बनकर खड़ा हुआ है। बिहार की धरती पर लिया हुआ हर संकल्प, ये धरती की ताकत है, इस धरती पर लिया गया हर संकल्प कभी खाली नहीं जाता। उन्होंने कहा कि बिहार का तेज विकास केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक सरकार की बहुत बड़ी प्राथमिकता है। इसलिए आज बिहार चौतरफा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। पिपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में पुरानी समस्याओं के समाधान तलाशे गए हैं, और नई प्रगति के रास्ते भी बनाए गए हैं। आप याद करिए, लालटेन राज में यहाँ कैसी दुर्दशा थी। लालटेन राज में ये क्षेत्र लाल आतंक से जकड़ा हुआ था। माओवादियों की वजह से शाम के बाद कहीं आना-जाना मुश्किल था। गयाजी जैसे शहर लालटेन राज में अंधेरे में डूबे रहते थे। हजारों गाँव ऐसे थे, जहां बिजली के खंबे तक नहीं पहुंचे थे। लालटेन वालों ने पूरे बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेल दिया था। न शिक्षा थी, न रोजगार था, बिहार की कितनी पीढ़ियों को इन लोगों ने बिहार से पलायन के लिए मजबूर कर दिया था। बिहार के लोगों को आरजेडी और उसके साथी सिर्फ अपना वोटबैंक मानते हैं, उन्हें गरीब के सुख-दुख, गरीब के मान-सम्मान से कोई मतलब नहीं है। आपको याद होगा, कांग्रेस के एक मुख्यमंत्री ने मंच से कह दिया था कि अपने राज्य में बिहार के लोगों को घुसने नहीं देंगे। बिहार के लोगों से कांग्रेस की इतनी नफरत, बिहार के लोगों के प्रति इतनी घृणा, और कोई भूल नहीं सकता। कांग्रेस का बिहार के लोगों के प्रति जो दुर्व्यवहार देखने के बाद भी यहां आरजेडी वाले गहरी नींद में सोये पड़े थे।

बिहार की राजग सरकार, कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों के इस नफरती अभियान का जवाब दे रही है। बिहार के बेटे-बेटी को यहीं पर रोजगार मिले, सम्मान की जिंदगी मिले, मां-बाप की वो देखभाल कर सके, इसी सोच के साथ हम काम कर रहे हैं। अब बिहार में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स बन रहे हैं। गयाजी जिले के डोभी में बिहार का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल एरिया तैयार हो रहा है। गयाजी में एक टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना भी की जा रही है। आज ही यहां बक्सर थर्मल पावर प्लांट का शुभारंभ भी हुआ है। कुछ ही महीने पहले मैंने औरंगाबाद में भी नवीनगर सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी। भागलपुर के पीरपैंती में भी नया थर्मल पावर प्लांट बनेगा। इस पावर प्लांट्स से बिहार में बिजली की आपूर्ति बढ़ेगी। और आप सब जानते हैं, जब बिजली उत्पादन बढ़ता है तो क्या होता है? घरों में बिजली की सप्लाई बढ़ती है, और उद्योगों को भी ज्यादा से ज्यादा बिजली मिलती है। और इससे भी रोजगार के नए मौके बनते हैं। बिहार के युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी देने के लिए नीतीश जी ने बड़ा अभियान चलाया हुआ है। ये नीतीश जी हैं, तभी यहां शिक्षकों की भर्ती भी पूरी पारदर्शिता से हुई।

यहां के नौजवानों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में बिहार में ही रोजगार मिले, उन्हें नौकरी के लिए पलायन न करना पड़े, इसमें केंद्र सरकार की एक नई योजना से भी बहुत बड़ी मदद मिलने वाली है। अभी पिछले सप्ताह, इस 15 अगस्त से ही देशभर में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लागू हुई है। इसके तहत, हमारे युवा जब निजी क्षेत्र में पहली नौकरी करेंगे, तो केंद्र सरकार उन्हें अपने पास से 15,000 रुपये देगी। जो प्राइवेट कंपनियां युवाओं को रोजगार देंगी, उन्हें भी अलग से पैसे सरकार देगी। इस योजना का बहुत बड़ा लाभ बिहार के मेरे युवाओं को भी होगा।विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में कांग्रेस हो, आरजेडी हो, इनकी सरकारों ने कभी जनता के पैसे का मोल नहीं समझा। इनके लिए जनता के पैसे का मतलब रहा है- खुद की तिजोरी भरना। इसलिए कांग्रेस-आरजेडी की सरकारों में सालों साल तक परियोजनाएं पूरी नहीं होती थीं। कोई योजना जितनी लटकती थी, उतना उसमें ये पैसे कमा लेते थे। अब इस गलत सोच को भी एनडीए सरकार ने बदल दिया है। अब शिलान्यास के बाद कोशिश होती है, जल्द से जल्द, समय सीमा में उस काम को पूरा करने के लिए सफल प्रयास किया जाए। आज का ये कार्यक्रम इसका भी एक शानदार उदाहरण है। औंटा–सिमरिया सेक्शन का शिलान्यास करने का सौभाग्य बिहार के लोगों ने मुझे दिया था। और आप लोगों की कृपा देखिए, आप लोगों का प्रेम देखिए कि जिस ब्रिज का शिलान्यास आपने मुझे करने के लिए कहा, आज उसका लोकार्पण करने का अवसर भी आपने मुझे दिया है। ये पुल सिर्फ सड़कों को नहीं, पूरे उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने का काम करेगा। जो भारी वाहन पहले गांधी सेतु से होकर 150 किलोमीटर का लंबा चक्कर काटते थे, अब सीधा रास्ता पाएंगे। इससे व्यापार तेज़ होगा, उद्योगों को ताक़त मिलेगी, और तीर्थयात्रियों का भी पहुंचना आसान होगा।

फूड के बाद अब 'डिजिटल इंटरमिटेंट फास्टिंग

व्रत या उपवास की परंपरा सदियों से चली आ रही है। उपवास सिर्फ भूखे रहने का नाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम और खुद पर कंट्रोल करने का अभ्यास है। जैसे शरीर को समय-समय पर आराम की जरूरत होती है, वैसे ही आज की डिजिटल दौड़-भाग में दिमाग और आंखों को भी पर्याप्त आराम चाहिए। इसके लिए 'डिजिटल फास्टिंग' एक कारगर तरीका है। यह एक ऐसा अभ्यास है, जो न केवल आंखों के लिए फायदेमंद है, बल्कि मन को भी नई ताजगी देता है। डिजिटल इंटरमिटेंट फास्टिंग का अर्थ कुछ समय के लिए मोबाइल, लैपटॉप, टीवी और बाकी डिजिटल स्क्रीन से पूरी तरह दूरी बनाना है। जैसे उपवास में हम शरीर को खाने से आराम देते हैं, वैसे ही डिजिटल फास्टिंग में आंखों और दिमाग को स्क्रीन से आराम मिलता है। इससे आंखों की थकान कम होती है, दिमाग एक्टिव महसूस करता है और नींद भी बेहतर आती है। आज की लाइफस्टाइल में ज्यादातर लोगों का दिन का बड़ा हिस्सा मोबाइल, लैपटॉप या टीवी स्क्रीन पर गुजरता है। चाहे ऑफिस का काम हो, पढ़ाई हो या सोशल मीडिया, स्क्रीन से बचना लगभग नामुमकिन हो गया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि दुनिया भर में लोग रोजाना औसतन 6 से 7 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। यानी दिन का चौथाई हिस्सा सिर्फ मोबाइल और लैपटॉप को दे दिया जाता है। इसकी एक बड़ी वजह सोशल मीडिया, वीडियो गेम्स और इंटरनेट का 'डोपामिन रिवार्ड सिस्टम' है, जो बार-बार दिमाग को स्क्रीन की तरफ खींचता है। नतीजा यह होता है कि धीरे-धीरे स्क्रीन एडिक्शन हमारी रोजमर्रा की आदत बन जाता है। अगर हम दिनभर मोबाइल या लैपटॉप पर नजरें गड़ाए रखें तो इसका सीधा असर आंखों और दिमाग पर पड़ता है। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रुति लांजेवार वासनिक कहती हैं कि जो लोग रोज 6–7 घंटे स्क्रीन देखते हैं, उनमें आंखों की थकान, नींद की कमी और तनाव जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। नीचे दिए ग्राफिक में आप देख सकते हैं कि कितने घंटे स्क्रीन देखने से कौन-कौन सी दिक्कतें हो सकती हैं। डिजिटल इंटरमिटेंट फास्टिंग को एकदम से अपनाना मुश्किल हो सकता है, इसलिए इसे धीरे-धीरे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना जरूरी है। इसके लिए छोटे-छोटे बदलावों से शुरुआत करें। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रुति लांजेवार वासनिक कहती हैं कि सुबह उठने के बाद कम-से-कम आधा घंटा मोबाइल न देखें और रात को सोने से 1 घंटा पहले फोन बंद कर दें। शुरुआत में दिन में सिर्फ 1–2 घंटे स्क्रीन से दूरी बनाने की आदत डालें और धीरे-धीरे इस समय को बढ़ाएं। हफ्ते में एक दिन सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाना आंखों को आराम देने और दिमाग को फ्रेश रखने का सबसे आसान और असरदार तरीका है।

संगीत में भी हैं कई संभावनाएं

संगीत अब केवल शौक नहीं रहा यह एक बाजार के रुप में विकसित हो गया है। तेजी से बदलते परिदृश्य में संगीत का क्षेत्र एक महत्वपूर्ण पेश बन गय है। युवाओं में इस क्षेत्र का रुझान तेजी से बढ़ता जा रहा है। संगीत को अपना करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए महज संगीत में रुचि रखना ही काफी नहीं है। इसके अलावा उन्हें सृजनात्मक प्रतिभा का धनी, धुन का पक्का, मेहनती, संगीत की समझ, वाद्ययंत्रों का की जानकारी होनी चाहिये। इसके लिए ट्रेनिंग के साथ ही ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन के अतिरिक्त सर्टिफिकेट डिप्लोमा एवं पार्ट टाइम प्रकार के कोर्स् हो सकते हैं। नामी विश्वविद्यालयों से लेकर संगीत अकादमियों तक में इस प्रकार के ट्रेनिंग कोर्सेज स्कूली बच्चों और युवाओं के लिए उपलब्ध हैं।

संगीत के क्षेत्र में करियर के हैं शानदार अवसर

वर्तमान में देश-विदेश में युवाओं में म्यूजिक बैंड बनाने और परफॉर्म करने का ट्रेंड जोर पकड़ता जा रहा है। इस प्रकार के बैंडस में वोकल आर्टिस्ट (गायक) और इंस्ट्रूमैंट्रल आर्टिस्ट (वाद्ययंत्र कलाकार) दोनों का ही समन्वयन होता है। स्कूलों, कॉलेजों और अन्य छोटे स्तरों पर इस प्रकार के सैकड़ों हजारों बैंडस आज अस्तित्व में आ चुके हैं।

आम तौर पर यही माना जाता है कि संगीत को करियर का आधार बनाकर ज्यादा कुछ करने की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं पर वास्तविकता पर बात करें तो कम से कम आज के संदर्भ में स्थितियां बहुत भिन्न हैं और तमाम नए विकल्प उबरकर सामने आ रहे हैं।

म्यूजिक इंडस्ट्री

इस उद्योग में कई प्रकार के म्यूजिक आधारित प्रोफेशनलों की अहम भूमिका होती है, इनमें विशेष तौर पर म्यूजिक सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर, कंपोजर, म्यूजिशियन, जैसे कार्यकलापों के अलावा म्यूजिक बुक्स की पब्लिशिंग, म्यूजिक अलबम रिकार्डिंग म्यूजिक डीलर, म्यूजिक स्टूडियो के विभिन्न विभागों इत्यादि का उल्लेख किया जा सकता है।

टेलीविजन

साउंड रिकार्डिस्ट, म्यूजिक एडिटर, प्रोडक्शन, आर जे एवं डीजे म्यूजिक लाइसेंस में ऐसे जानकार और अनुभवी लोगों की जरूरत प़ड़ती है।

स्टेज परफार्मेंस

म्यूजिक शो, टेलीविजन म्यूजिक प्रोग्राम, म्यूजिक कंपीटिशन आर्म्ड फोर्सेज बैंडज, सिंफनी आर्केस्ट्रा, डांस बैंड, नाइटक्लब, कसर्ट शो, रॉक और जैज ग्रुप इत्यादि में भी इनकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

म्यूजिक थेरेपिस्ट

विकलांगता के शिकार बच्चों और लोगों के अलावा मानसिक तनाव से ग्रस्त व्यक्तियों के उपचार में आजकल संगीत को काफी महत्वपूर्ण माना जाने लगा है। इस प्रोफेशन में सफल होने के लिए संगीत, अध्यायन और थेरेपी का जानकार होना जरूरी है। इनके लिए हॉस्पीटलों, मेंटल टैम्थ सेंटरों, नर्सिंग होम्स इत्यादि में रोजगार के अवसर हो सकते हैं।

स्टूडियो टीचिंग

म्यूजिक टीचर के रूप में स्कूलों कॉलेजों और अन्य संगीत प्रशिक्षण संस्थाओं में करियर बनाने के बारे में भी सोचा जा सकता है। इनमें भी विशेषतता प्राप्त टीचर का खासा महत्व होता है। विशेषताओं में खासतौर पर म्यूजिक थ्यरी, म्यूजिक हिस्ट्री एंड लिट्रेचर, म्यूजिक एजुकेशन, म्यूजिकोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक, कंपोजिशन अथवा म्यूजिक थेरेपी की बात की जा सकता है। इन सबके अतिरिक्त फिल्म इंडस्ट्री, चर्च म्यूजिशियन म्यूजिक लाइब्रेरियन, म्यूजिक अरेंजिंग, म्यूजिक सॉफ्टवेयर, प्रोडेक्शन म्यूजिक, वर्चुअल रिअल्टी साउंड एंवायरनमेंट इत्यादि जैसी विधाओं में भविष्य बनाया जा सकता है। प्रसार भारती के चेयरमैन ए सूर्य प्रकाश ने ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) के लिए सभी विधाओं में संगीत के ऑडिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रणाली शुरू की है। यहां आयोजित हुए 64वें आकाशवाणी संगीत सम्मेलन के मौके पर यह कदम उठाया गया। एआईआर के अनुसार ''ऐसा मानना है कि इस सुविधा के शुरू होने से आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों को पहुंच और सुविधा के रूप में बेहतर अनुभव मिलेगा।'' एआईआर शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, लोक संगीत, जनजातीय और पश्चिम समेत संगीत की अलग-अलग शैलियों में ऑडिशन लेता है।

लेखन में भी है रोजगार

अगर आपको किताबें पढ़ना और अपने मन की बात को डायरी में लिखना पसंद है तो आप लेखन में भी अच्छा करियर बना सकते हैं, और खूब सारे पैसे भी कमा सकते हैं। लेख्नन में करियर बनाना चाहते हैं तो बस इन तीन बातों को अपने दिमाग में रख लें।

क्रिएटिव बने

लेखन के लिए क्रिएटिव दिमाग का होना बहुत जरूरी है। जिसे किसी भी राइटिंग कोर्स के जरिए सीखा नहीं जा सकता जिस भाषा में आप लिखना चाहते हैं उसमें पकड़ लाने के लिए आपको अखबार, नॉवल, कहानियों को लगातार पढ़ते रहना होगा तभी आप लिखने में महारत प्राप्त कर पाएंगे। एक बाद याद रखें कोई भी लेखन लिखते वक्त जितनी बढ़िया वर्तनी होगी उतना ही मजबूत आपका लेख होगा।

सीधे तरीके से लिखे

अक्सर पाठक घुमावदार तरीके से लिखे हुए लेखन को पढ़ने से बचते हैं। उन्हें वहीं पढ़ना पसंद है जिसमें बात साफ और सीधे तरीके से लिखी गई हो। इसलिए प्वाइंट टू प्वाइंट लिखने की आदत डालें, ताकि आप कम वाक्य में ज्यादा से ज्यादा जानकारी दें सकें।

एक लेखक को सफलता तभी मिलती है जब वह ताजा मामलों पर लिखता है। ऐसा ना हो कि देश और दुनिया में कुछ और बात चल रही है और आप अपने पाठकों को कोई और बात परोस रहे हैं। दुनिया में क्या चल रहा है इसके लिए आपको सोशल मीडिया पर अपडेट रहना होगा। ताकि आप वही लिखें जो पाठक पढ़ना चाहतें हैं।

इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक का अंतर

इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जाने वाले युवाओं के लिए बीई और बीटेक का अंतर जानना जरुरी है। तभी वे अंदाजा लगा सकेंगे कि कौन सा कोर्स उनके कॅरियर के लिए अच्छा रहेगा। बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग बीई एक पारंपरिक डिग्री कोर्स है, जोकि इंजीनियरिंग के प्रिंसिपल और बेसिक कॉन्सेप्ट पर फोकस करता है। बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग में स्टूडेंट्स को थ्योरी बेस्ड नॉलेज अधिक दी जाती है। जिससे कि स्टूडेंट्स इंजीनियरिंग के बेसिक प्रिंसिपल्स को अच्छे से समझ सकें। वहीं इस कोर्स में प्रैक्टिकल और लैब वर्क भी होते हैं। लेकिन इस कोर्स की थ्योरी की गहराई अपेक्षाकृत अधिक होती है। बीई और बीटेक दोनों ही डिग्रियां इंजीनियरिंग की फील्ड में समान मान्यता प्राप्त है। इन दोनों कोर्स में फर्क सिर्फ कॅरियर गोल्स और पढ़ाई के तरीके में होता है। ऐसे में सही कोर्स का चुनाव करके आपके लक्ष्य, रचि और पढ़ाई के प्रति रुख पर निर्भर करता है।

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी

यह कोर्स प्रैक्टिकल और एप्लिकेशन-ओरिएंटेड डिग्री है। इसमें तकनीकी पहलुओं पर अधिक ध्यान दिया जाता है। इस कोर्स में इंडस्ट्री में चलने वाले ट्रेंड्स, नई टेक्नोलॉजी और रियल टाइम प्रोजेक्ट्स आदि पर फोकस किया जाता है। इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार बीटेक कोर्स डिजाइन किया जाता है। जिससे कि स्टूडेंट्स सीधे तौर पर जॉब के लिए तैयार हो सकें। बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग कोर्स थ्योरी और फंडामेंटल्स पर अधिक केंद्रित होता है। वहीं बीटेक में इंडस्ट्री स्किल्स और प्रैक्टिकल नॉलेज पर ध्यान दिया जाता है। बीई कोर्स में एकेडमिक और रिसर्च बेस्ड स्टडी अधिक की जाती है जबकि बीटेक में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और प्रोजेक्ट वर्क पर अधिक फोकस होता है। बीई का सिलेबस थोड़ा ट्रेडिशनल होता है और बीटेक का सिलेबस इंडस्ट्री की डिमांड के हिसाब से बार-बार अपडेट होता रहता है।

कैसे चयन करें

अगर आपका रुझान इंजीनियरिंग के प्रिंसिपल्स को गहराई से समझने में और फ्यूचर में रिसर्च या फिर हायर एजुकेशन किए जाने में हैं, तो बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग कोर्स आपके लिए बेहतर ऑप्शन साबित हो सकता है। वहीं अगर आप पढ़ाई के फौरन बाद किसी टेक्निकल जॉब में जाना चाहते हैं इंडस्ट्री में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो फिर बीटेक कोर्स आपके लिए ज्यादा बेहतर रहेगा।

क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की बढ़ रही मांग

सूचना तकनीक के इस दौर में क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की सबसे ज्यादा जरूरत स्टार्टअप से लेकर बड़े व्यवसायों तक को होती है। यह पेशेवरों क्लाउड कंप्यूटिंग सिस्टम और सेवाओं को डिजाइन करने और अच्छे से प्रबंधित करना आता है। क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की सबसे ज्यादा जरूरत स्टार्टअप से लेकर बड़े व्यवसायों तक को होती है। यह पेशेवरों क्लाउड कंप्यूटिंग सिस्टम और सेवाओं को डिजाइन करने और अच्छे से प्रबंधित करना आता है। यही वजह है कि इन पेशेवरों की मांग बढ़ती जा रही है। ऐसे में अगर आप भी क्लाउड कंप्यूटिंग में बेहतर करियर बना सकते हैं। इसमें कौशल बढ़ाने के लिए आप पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न क्लाउड आधारित कोर्स कर सकते हैं। इन कोर्स को करने से आपको जेमिनी, जेनरेटिव एआई को समझने और स्ट्रीमलिट के साथ एप्लीकेशन बनाने का मौका मिलेगा।

क्या है क्लाउड कंप्यूटिंग

डेटा और प्रोग्रामिंग को दूरस्थ रूप से संग्रहीत और एक्सेस करने का एक तरीका है जो आपके कंप्यूटर की हार्ड ड्राइव पर जानकारी होस्ट करने के बजाय इंटरनेट का उपयोग करता है। संक्षेप में, क्लाउड कंप्यूटिंग को डेवलपर्स और गैर-डेवलपर्स दोनों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसका अंतिम लक्ष्य क्लाउड और ऑन-प्रिमाइसेस डेटा को कनेक्ट और साझा करना है। क्लाउड कंप्यूटिंग को मूल रूप से एक डिलीवरी पद्धति के रूप में सोचें। एस प्रकार से यह डेटा स्टोरेज भी है।

इंट्रोडक्शन टू लार्ज लैंग्वेज मॉडल

शुरूआती स्तर पर यह माइक्रो-लर्निंग कोर्स आपको लार्ज लैंग्वेज मॉडल की छोटी-छोटी बारीकियों के बारे में बताएगा। इस कोर्स में एलएलएम के उपयोग और इसके प्रदर्शन को अच्छा बनाने के लिए आपको प्रॉम्प्ट ट्यूनिंग का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। इस कोर्स में ऐसे गूगल टूल्स भी शामिल किए गए हैं। जिनकी मदद से आप खुद का जेनरेटिव एप बना सकेंगे।

प्रॉम्प्ट डिजाइन इन वर्टेक्स एआई

प्रॉम्प्ट डिजाइन इन वर्टेक्स एआई कोर्स में जेनरेटिव एआई आउटपुट कंट्रोल करने, प्रॉम्प्ट तैयार करने और वास्तविक दुनिया के मार्केटिंग परिदृश्यों में जेमिनी मॉडल लागू करने के विभिन्न तरीकों के बारे में सिखाया जाता है।

जेन एआई एप विथ जेमिनी और स्ट्रीमलिट

जेन एआई एप विथ जेमिनी और स्ट्रीमलिट आपको पायथन एसडीके, टेक्स्ट जेनरेशन और जेमिनी एपीआई के साथ कार्यात्मक निर्णय लेने और क्लाउड रन के साथ स्ट्रीमलिट एप्लिकेशन बनाने का तरीका सीखाएगा।

इमेज जेनरेशन

पिछले कुछ सालों में अनुसंधान और उद्योग और दोनों ही क्षेत्रों में डिफ्यूजन मॉडल कॉफी लोकप्रिया हो रहा है। इस कोर्स के जरिए आपको डिफ्यूजन मॉडल के सिद्धांतों को वर्टेक्स एआई के साथ जोड़कर सीखने से कौशल निखरेंगे।

मशीन लर्निंग सॉल्यूशंस ऑन वर्टेक्स

इसमें आपको मशीन लर्निंग के समाधान के बारे में सीखने का अवसर मिलेगा।

समस्याओं का समाधान बताते हैं यंत्र

हिन्दू धर्म के अनेक ग्रंथों में कई तरह के चक्रों और यंत्रों के बारे में विस्तार से उल्लेख किया गया है। जिनमें राम शलाका प्रश्नावली, हनुमान प्रश्नावली चक्र, नवदुर्गा प्रश्नावली चक्र, श्रीगणेश प्रश्नावली चक्र आदि प्रमुख हैं। कहते हैं इन चक्रों और यंत्रों की सहायता से लोग अपने मन में उठ रहे सवालों, जीवन में आने वाली कठिनाइयों आदि का समाधान पा सकते हैं। इन चक्रों और यंत्रों की सहायता लेकर केवल आम आदमी ही नहीं बल्कि ज्योतिष और पुरोहित लोग भी सटीक भविष्यवाणियां तक कर देते हैं।

श्री राम शलाका प्रश्नावली

श्री राम शलाका प्रश्नावली का उल्लेख गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरित मानस में प्राप्त होता है। यह राम भक्ति पर आधारित है। इस प्रश्नावली का प्रयोग से लोग जीवन के अनेक प्रश्नों का जवाब पाते हैं। इस प्रश्नावली का प्रयोग के बारे कहा जाता है कि सबसे पहले भगवान श्रीराम का स्मरण करते हुए किसी सवाल को मन में अच्छी तरह सोच लिया जाता है।फिर शलाका चार्ट पर दिए गए किसी भी अक्षर पर आंख बंद कर उंगली रख दी जाती है। जिस अक्षर पर उंगली रखी जाती है, उसके अक्षर से प्रत्येक 9वें नम्बर के अक्षर को जोड़ कर एक चौपाई बनती है, जो प्रश्नकर्ता के प्रश्न का उत्तर होती है।

हनुमान प्रश्नावली चक्र

यह बात बहुत कम लोगों को पता है कि हनुमानजी एक उच्च कोटि के ज्योतिषी भी थे। इसका कारण शायद यह हो सकता है कि वे शिव के ग्यारहवें अंशावतार थे, जिनसे ज्योतिष विद्या की उत्पत्ति हुई मानी जाती है। कहते हैं, हनुमानजी ने ज्योतिष प्रश्नावली के 40 चक्र बनाए हैं। यहां भी प्रश्नकर्ता आंख मूंद कर चक्र के नाम पर उंगली रखता है। अगर उंगली किसी लाइन पर रखी गई होती है, तो दोबारा उंगली रखी जाती है। फिर नाम के अनुसार शुभ-अशुभ फल का निराकरण किया जाता है। कहते हैं। रामायण काल के परम दुर्लभ यंत्रों में हनुमान चक्र श्रेष्ठ यंत्रों का सिरमौर है।

नवदुर्गा प्रश्नावली चक्र

अनेक लोग, विशेष देवी दुर्गा के परम भक्त, यह मानते हैं कि नवदुर्गा प्रश्नावली चक्र एक चमत्कारिक चक्र है, जिसे के माध्यम से कोई भी अपने जीवन की समस्त परेशानियों और मन के सवालों का संतोषजनक हल आसानी से पा सकते हैं। इस चक्र के उपयोग की विधि के लिए पहले पांच बार ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डाये विच्चे मंत्र का जप करना पड़ता फिर एक बार या देवी सर्वभूतेषु मातृरुपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः मंत्र का जप कर, आंखें बंद करके सवाल पूछा जाता है और देवी दुर्गा का स्मरण करते हुए प्रश्नावली चक्र पर उंगली घुमाते हुए रोक दिया जाता है, जिस कोष्ठक उंगली होती है। उस कोष्ठक में लिखे अंक के अनुसार फलादेश को जाना जाता है।

श्रीगणेश प्रश्नावली चक्र

हिंदू मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश प्रथमपूज्य हैं। वे सभी मांगलिक कार्यों में सबसे पहले पूजे जाते हैं। उनकी पूजा के बिना कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता। श्रीगणेश प्रश्नावली यंत्र के माध्यम से भी लोग अपने जीवन की सभी परेशानियों और सवालों के हल जानने की कोशिश करते हैं। जिसे भी अपने सवालों का जवाब या परेशानियों का हल जानना होता है, वे पहले पांच बार ऊँ नमः शिवायः और फिर 11 बार ऊँ गं गणपतयै नमः मंत्र का जप करते हैं और फिर आंखें बंद करके अपना सवाल मन में रख भगवान गणेश का स्मरण करते हुए प्रश्नावली चक्र प्रश्नावली चक्र पर उंगली घुमाते हुए रोक देते हैं, जिस कोष्ठक उंगली होती है। उस कोष्ठक में लिखे अंक के अनुसार फलादेश को जाना जाता है।

शिव प्रश्नावली यंत्र

इस यंत्र में भगवान शिव के एक चित्र पर 1 से 7 तक अंक दिए गए होते हैं। श्रद्धालु अपनी आंख बंद करके पूरी आस्था और भक्ति के साथ शिवजी का ध्यान करते हैं और और मन ही मन ऊं नमः शिवायः मंत्र का जाप कर उंगली को शिव यंत्र पर घुमाते हैं और फिर उंगली घुमाते हुए रोक देते हैं, जिस कोष्ठक उंगली होती है। उस कोष्ठक में लिखे अंक के अनुसार फलादेश को जाना जाता है। इन प्रश्नावलियों और यंत्रों के अलावा अनेक लोग साईं प्रश्नावली का उपयोग भी अपने मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए करते हैं।

सहायक अभियंता के पदों पर निकली भर्ती

सरकारी नौकरी की तलाश करने वाले तकनीकी क्षेत्र के युवाओं के लिए अच्छा मौका है। बिहार राज्य के विभिन्न विभागों में सहायक अभियंता के पदों पर वैकेंसी निकली है। ऐसे में आप 28 मई तक इन पदों पर आवेदन कर सकते हैं। बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से बिहार राज्य के विभिन्न विभागों में सहायक अभियंता (असैनिक, यांत्रिक, विद्युत) के पदों पर भर्ती निकली है। पदों की कुल संख्या 1024 है। बता दें कि यह भर्ती उन उम्मीदवारों के एक सुनहरा मौका है, जो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सरकारी नौकरी की तलाश में हैं। इन पदों पर आवेदन के लिए इच्छुक हैं, तो आप 28 मई तक इन पदों पर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की लास्ट डेट- 28 मई 2025

यह आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और आवेदन करने वाले कैंडिडेट्स को आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा। वहीं आवेदन की दिशा-निर्देशों का पूरी तरह से पालन करना होगा।

पद

कुल 1024 असहायक अभियंता पदों पर भर्ती निकाली गई है। जिनमे से सहायक अभियंता 984 पद हैं, जिनमें से 324 पद महिला के लिए हैं। वहीं 36 सहायक अभियंता (यांत्रिक) 36 पद हैं। जिनमें से 8 पद महिला के लिए शामिल हैं। वहीं सहायक अभियंता (विद्युत) के 4 पद हैं।

योग्याता

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास प्राप्त किसी भी यूनिवर्सिटी या इंस्टीट्यूट से मैकेनिकल, सिविल या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री होनी चाहिए।

आयु सीमा

आवेदन के इच्छुक उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 21 साल होनी चाहिए। वहीं आयु की गणना 01 अगस्त 2024 के आधार पर की जाएगी। वहीं आरक्षित वर्ग के कैंडिडेट्स को आयु सीमा में छूट मिलेगी।

आवेदन शुल्क

सामान्य उम्मीदवारों की फीस - 750 रुपए

अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति की फीस - 200 रुपए

बिहार के स्थायी निवासी सभी आरक्षित और अनारक्षित महिला उम्मीदवारों की फीस - 200 रुपए

दिव्यांग अभ्यर्थियों की फीस - 200 रुपए।

बैंक घोटाले में हिरेन भानु और पत्नी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस की तैयारी

- एस्प्लेनेड कोर्ट ने भगोड़ा घोषित किया

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई की एस्प्लेनेड कोर्ट ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन हिरेन भानु और उनकी पत्नी गौरी भानु को 122 करोड़ रुपए के कथित घोटाले में भगोड़ा अपराधी घोषित किया है। कोर्ट ने पुलिस को दोनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इससे पहले मुंबई पुलिस ने दोनों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था क्योंकि वे विदेश फरार हो चुके हैं। कोर्ट ने मामले में शामिल पांच आरोपियों की 167.85 करोड़ रुपए कीमत वाली 21 संपत्तियों को कुर्क करने की अनुमति भी दी है। इस घोटाले की जांच मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कर रही है। अब तक बैंक के पूर्व महाप्रबंधक हितेश मेहता, पूर्व सीईओ अभिमन्यु भोन सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुंबई पुलिस अब इंटरपोल की मदद से हिरेन और उनकी पत्नी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में है। यह प्रक्रिया लगभग एक महीने में पूरी हो सकती है। रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद दोनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाशा जाएगा। घोटाले के खुलासे के बाद हिरेन भानु फरार हो गए थे। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए इस पूरे घोटाले की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारी हितेश मेहता पर डाली है। हिरेन ने बताया कि फरवरी में आरबीआई के अधिकारियों की पहली जांच के दौरान मेहता ने अपने अपराध को स्वीकार किया था।

टिकटाक की भारत में वापसी की अटकलें तेज, वेबसाइट हुई एक्टिव

जम्मू (ईएमएस)। टिकटॉक जो 2020 में भारत में बैन हुआ था, उसकी वेबसाइट हाल ही में कुछ उपयोगकर्ताओं के मोबाइल और लैपटॉप पर एक्टिव दिख रही है। हालांकि ऐप अभी भी गूगल प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध नहीं है, जिससे साफ नहीं हो पा रहा कि टिकटॉक पूरी तरह से भारत में वापस आ रहा है या नहीं। यह संकेत टेस्टिंग या सीमित रोलआउट के हो सकते हैं। भारत और चीन के बीच रिश्तों में हाल ही में सुधार के चलते टिकटाक की वापसी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, भारत सरकार ने अभी तक टिकटाक की वापसी के लिए कोई आधिकारिक मंजूरी नहीं दी है। कंपनी की तरफ से भी कोई घोषणा नहीं आई है। फिलहाल टिकटाक भारत में आधिकारिक रूप से बैन ही है और बिना अनुमति काम नहीं कर सकता।

मुंबई के इस्कॉन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी के बाद सुरक्षा बढ़ाई गई

मुंबई, (ईएमएस)। एक बार फिर मुंबई में दहशत फैलाने की कोशिश की गई जब गिरगांव स्थित प्रसिद्ध इस्कॉन मंदिर में

एक धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। यह ईमेल मंदिर की आधिकारिक मेल आईडी पर भेजा गया था, जिसके बाद मंदिर प्रशासन ने तुरंत पुलिस और बम निरोधक दस्ते को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुँची और पूरे मंदिर परिसर की गहन जाँच की गई। बम निरोधक दस्ते ने भी तलाशी अभियान चलाया। मंदिर परिसर में या उसके आसपास कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। चूँकि ईमेल में धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, इसलिए, किसी भी संभावित अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में और सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आपको बता दें कि गिरगांव स्थित इस्कॉन मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद एहतियात के तौर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गाँवदेवी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और साइबर सेल की मदद से मेल भेजने वाले का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

अगर 20 साल पुराना वाहन है तो रजिस्ट्रेशन रिन्यू फीस भरनी होगी दोगुनी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आपकी गाड़ी 20 साल से ज्यादा पुरानी है, तो अब आपको रजिस्ट्रेशन रिन्यू कराने के लिए ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। सरकार ने रजिस्ट्रेशन रिन्यूअल फीस को डबल कर दिया है। नए नियम के मुताबिक 20 साल से ज्यादा पुरानी बाइक का रजिस्ट्रेशन रिन्यू कराने में अब 2,000 रुपए लगेंगे। वहीं कार के रजिस्ट्रेशन रिन्यू के लिए 10,000 रुपए देने होंगे। ये नियम उन लोगों के लिए झटका है जो अपनी पुरानी गाड़ियों से भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं। अगर गाड़ी 15 साल से ज्यादा पुरानी है, लेकिन 20 साल से कम, तो आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। आपके लिए रजिस्ट्रेशन रिन्यूअल की फीस पुरानी ही लगेगी। सरकार ने ये कदम बीएस-2 एमिशन नॉर्म्स से पहले बनी गाड़ियों को कम करने के लिए उठाया है। बीएस-2 एक तरह का प्रदूषण नियंत्रण मानक है। पुरानी गाड़ियां ज्यादा प्रदूषण करती हैं, इसलिए सरकार उन्हें सड़क से हटाना चाहती है।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने फरवरी में एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया था। इसमें 15 साल से ज्यादा पुराने कमर्शियल मीडियम और हैवी व्हीकल्स के लिए ज्यादा रिन्यूअल फीस का प्रस्ताव रखा था। यह फीस 12,000 रुपए और 18,000 रुपए थी, लेकिन ट्रांसपोर्ट संगठनों ने इसका विरोध किया। मंत्रालय ने 20 साल से ज्यादा पुराने कमर्शियल मीडियम और हैवी व्हीकल्स के रजिस्ट्रेशन रिन्यूअल फीस को भी डबल करने का प्रस्ताव रखा था। यह फीस 24,000 रुपए और 36,000 रुपए होनी थी।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इस प्रस्ताव को अभी रोक दिया गया है। सरकार इस पर बाद में फैसला लेगी।

निगरानी विभाग का कारनामा, शिक्षक की मृत्यु के पांच साल बाद दर्ज कराया मामला

बांका,(ईएमएस)। बिहार के बांका जिले में फर्जी सर्टिफिकेट मामले की जांच में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो का चौंकाने वाला कारनामा सामने आया है। पांच साल पहले जिन शिक्षक की मौत हो चुकी थी, उन्हीं के खिलाफ निगरानी विभाग ने मामला दर्ज करा दिया है। इस कार्रवाई ने शिक्षा विभाग और निगरानी टीम की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिर्जापुर पंचायत के सोनडीहा निवासी शिक्षक निरंजन कुमार प्राथमिक विद्यालय मेहरपुर में पदस्थापित थे। 2021 के कोरोना काल में उनकी मौत हो गई थी। इसके बाद परिजनों ने शिक्षा विभाग और जिला कार्यालय को उनका मृत्यु प्रमाण पत्र भी दिया था। इसके बावजूद निगरानी टीम ने उन पर केस दर्ज करा दिया है। शिक्षा विभाग की ओर से पहले भी प्रमाण पत्रों की जांच की गई थी, लेकिन निरंजन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब जांच की जिम्मेदारी निगरानी अन्वेषण ब्यूरो को सौंपी गई तो उनका प्रमाण पत्र भी जांच के दायरे में आ गया। इस क्रम में उन्हें फर्जी प्रमाण पत्रधारी करार दिया गया। जांच के दौरान सोनवर्षा की शिक्षिका पल्लवी कुमारी का प्रमाण पत्र भी फर्जी पाया गया। पल्लवी प्राथमिक विद्यालय जगतापुर में पदस्थापित थीं, लेकिन 2018 से ही स्कूल से लापता हैं।

नेशनल स्पेस डे, पीएम मोदी बोले-हम एस्ट्रोनॉट पूल बना रहे:युवा भी इससे जुड़ें; कहा- आज देश में 350 से ज्यादा स्पेस स्टार्टअप्स हैं

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नेशनल स्पेस डे की शुभकामनाएं देते हुए देश की स्पेस पावर और मिशन गगनयान का जिक्र किया। उन्होंने कहा- 'भारत अपना एस्ट्रोनॉट पूल भी तैयार कर रहा है। मैं युवाओं से इस पूल से जुड़ने की अपील करता हूं।' मोदी ने कहा कि इसरो ने युवाओं की स्पेस फील्ड में रुचि बढ़ाने के लिए भारतीय अंतरिक्ष हैकथॉन और रोबोटिक्स चैलेंज की पहल की है। ये सराहनीय है। इस बार स्पेस डे की थीम 'आर्यभट्ट से गगनयान तक' है। इसमें अतीत का आत्मविश्वास भी है और भविष्य का संकल्प भी है। उन्होंने कहा, स्पेस सेक्टर में एक के बाद एक माइलस्टोन्स गढ़ना देशवासियों का स्वभाव बन गया है। दो साल पहले भारत चंद्रमा के साउथ पोल पर पहुंचने वाला पहला देश बना और इतिहास रचा।

इस मौके पर इसरो ने दिल्ली में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का मॉडल लॉन्च किया। इसका पहला हिस्सा 2028 में शुरू होगा और पूरा स्टेशन 2035 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसरो ने चंद्रयान-4 और वीनस ऑर्बिटर मिशन पर भी विचार करना शुरू कर दिया है।

दरअसल, भारत 23 अगस्त 2023 को चांद पर उतरने वाला चौथा देश बना था। पीएम मोदी ने इस दिन को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में घोषित किया, जिसके बाद हर साल 23 अगस्त को भारत अपना नेशनल स्पेस डे मनाता है।

मोदी बोले- स्पेस सेक्टर में प्राइवेट सेक्टर को आने दिया

पीएम ने कहा- 'एक समय था जब स्पेस सेक्टर को बेड़ियों में जकड़ दिया गया था। हमने उन बेड़ियों को तोड़ा और प्राइवेट सेक्टर को स्पेस सेक्टर में आने की इजाजत दी और आज देश में 350 से ज्यादा स्पेस स्टार्टअप्स हैं। जल्द ही प्राइवेट सेक्टर द्वारा बनाया गया पहला पीएसएलवी भी लॉन्च होगा।' भारत की पहली प्राइवेट कम्युनिकेशन सैटेलाइट भी बनाई जा रही है। आज स्पेस डे के दिन मैं देश के स्पेस स्टार्टअप्स से कहूंगा क्या हम आने वाले 5 सालों में 5 यूनिकॉर्न खड़े कर सकते हैं?

पीएम ने शुभांशु शुक्ला से मुलाकात का जिक्र किया

मोदी ने कहा- 'हम अब स्पेस में डॉकिंग और अनडॉकिंग की क्षमता रखने वाले देशों में शामिल हो गए हैं। अभी तीन दिन पहले ही मेरी ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मुलाकात हुई। ग्रुप कैप्टन शुभांशु के साथ मैंने नए भारत के युवाओं के सपने को देखा है। इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए हम भारत का एस्ट्रोनॉट पूल भी तैयार करने जा रहे हैं। मैं युवाओं से इस पूल से जुड़ने की अपील करता हूं।'

मोदी बोले- अब हमें अंतरिक्ष की गहराई तक जाना है

उन्होंने कहा- 'अभी हम मून और मार्स तक पहुंच चुके हैं। अब हमें अंतरिक्ष की गहराई तक जाना है, जहां मानवता के भविष्य के कई रहस्य छिपे हैं। अंतरिक्ष हमें हमेशा यह एहसास दिलाता है कि कोई भी पड़ाव अंतिम पड़ाव नहीं होता। मैं मानता हूं कि स्पेस सेक्टर की नीतियों में भी कोई अंतिम ठहराव नहीं होना चाहिए। इसलिए मैंने लाल किले से कहा था 'रिफॉर्म, परफॉर्म का रास्ता है।' इसीलिए बीते 11 सालों में देश ने स्पेस सेक्टर में बड़े रिफॉर्म किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा- 'अभी हम साल में 5-6 बड़े लॉन्च देखते हैं। मैं चाहता हूं कि अगले 5 सालों में हर हफ्ते एक रॉकेट लॉन्च कर सकें यानी साल में 50 लॉन्च। देश को जिन नेक्स्ट जेन रिफॉर्म्स की जरूरत है, उन्हें करने का सरकार के पास इरादा भी है और शक्ति भी। स्पेस टेक भारत में गवर्नेंस का भी हिस्सा बन रही है।'

इसरो ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का मॉडल दिखाया: 2028 तक इसके पहले मॉड्यूल की लॉन्चिंग

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने शुक्रवार को भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का मॉडल दिखाया। 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे होता है। इससे पहले 22 अगस्त को दिल्ली में भारत मंडपम में स्पेस स्टेशन का मॉडल प्रदर्शित किया गया। भारत 2028 तक बीएएस का पहला मॉड्यूल लॉन्च करने की प्लानिंग कर रहा है।

कर्नाटक- कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र को ईडी ने गिरफ्तार किया: छापेमारी में 12 करोड़ कैश, 6 करोड़ की ज्वैलरी मिली

बेंगलुरु: कर्नाटक से कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को सिक्किम से गिरफ्तार किया। वीरेंद्र की गिरफ्तारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत हुई है। उन पर अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी का आरोप है। ईडी ने शुक्रवार को वीरेंद्र के ठिकानों पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान जांच एजेंसी को 12 करोड़ रुपए कैश और 6 करोड़ की गोल्ड ज्वैलरी मिली। साथ ही एक करोड़ की फॉरेन करेंसी भी बरामद की है। चार गाड़ियां भी जब्त की गई हैं। केसी वीरेंद्र कर्नाटक की चित्रदुर्ग विधानसभा में विधायक हैं। बताया गया है कि विधायक की गोवा में कसीनो कारोबार में हिस्सेदारी है। वे करीब पांच कैसिनो के मालिक हैं, जिसमें फेमस पप्पीज कसीनो भी शामिल है।

8 दिन पहले: कर्नाटक में दूसरे कांग्रेस विधायक के घर 1.41 करोड़ मिले थे कर्नाटक में पिछले 8 दिनों में अब तक दो कांग्रेस विधायक शिकंजे में आ चुके हैं। इससे पहले 14 अगस्त को ईडी ने कर्नाटक कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सैल के घर से 1.41 करोड़ रुपए जब्त किए थे।

ईडी ने उनके और परिवार के बैंक लॉकरों से 6.75 किलो गोल्ड की ज्वेलरी और बिस्किट बरामद किए थे। ईडी ने बताया कि तलाशी में मिले कैश और सोने के अलावा 14.13 करोड़ जमा वाले बैंक अकाउंट भी फ्रीज किए गए हैं और कई अहम दस्तावेज, ई-मेल व रिकॉर्ड भी जब्त हुए हैं। सैल उत्तर कन्नड़ जिले की कारवार विधानसभा सीट से विधायक हैं।

मामला साल 2010 में हुए अवैध लौह अयस्क के निर्यात से जुड़ा है। सैल पर आरोप है कि उन्होंने अन्य कंपनियों और बेलकेरी पोर्ट के अधिकारियों के साथ मिलकर करीब 1.25 लाख मीट्रिक टन आयरन गैरकानूनी तरीके से बाहर भेजा था, जिसकी कुल कीमत 86.78 करोड़ बताई गई है।

सोनाली फोगाट मर्डर केस, 3 साल में 50 तारीख: सीबीआई मर्डर मोटिव नहीं ढूंढ पाई

फतेहाबाद: हरियाणा में टिक-टॉक स्टार और बीजेपी नेता सोनाली फोगाट की मौत को आज 3 साल पूरे हो गए। इन 3 साल में सीबीआई लंबी जांच के बाद सोनाली के मर्डर का मोटिव यानी वजह का खुलासा नहीं कर पाई है। भाई वतन ढाका व रिंकू ढाका कहते हैं, 'केस में 50 से ज्यादा तारीख लग चुकी हैं। आरोपी जमानत पर बाहर आ चुके हैं। परिवार न्याय पाने की उम्मीद में बैठा है।' साल 2022 में 22-23 अगस्त की दरमियानी रात में सोनाली की गोवा के अंजुन बीच पर कर्लीज रेस्टोरेंट-क्लब में मौत हो गई थी। ड्रग्स की ओवरडोज मौत का कारण माना गया। उनके परिवार ने सोनाली के PA सुधीर सांगवान और उसके दोस्त सुखविंदर सिंह पर मर्डर के आरोप लगाए थे। सीबीआई ने जांच के बाद दोनों के खिलाफ चार्जशीट पेश की। हालांकि 8 महीने बाद ही आरोपी जमानत पर बाहर आ गए। परिवार ने 2 साल पहले आरोपियों की जमानत खारिज करने की अपील की, लेकिन कोई फैसला नहीं आया। परिवार मानता है कि अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ है, जिससे हमें महसूस हो कि केस में कुछ हमारे पक्ष में हो रहा है। गोवा की जिला कोर्ट में इस मामले में अगली तारीख 3 सितंबर लगी हुई है।

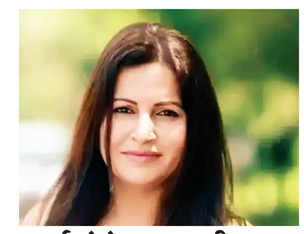

भाई बोले- बस तारीख पर तारीख मिल रहीं

सोनाली फोगाट के भाई वतन ढाका और रिंकू ढाका ने बताया कि तारीख पर तारीख ही मिल रही हैं। आरोपियों की जमानत कैंसिल करने के लिए एप्लिकेशन लगा रखी है। मामले में पांच वकील पैरवी कर रहे हैं। दो वकील मुंबई से किए हुए हैं। एक वकील सीबीआई व एक हाईकोर्ट से मिला हुआ है। एक गोवा का लोकल वकील भी किया हुआ है।

अब तक 50 से ज्यादा डेट

ढाका ने बताया कि अब तक 50 से ज्यादा बार कोर्ट से डेट मिल चुकी है। सुधीर व सुखविंदर को जमानत नहीं मिली थी, तब हर 14 दिन में सुनवाई होती थी। मगर अब लगभग हर महीने डेट मिल रही है। आरोपियों को जमानत मिल गई। पहले शर्त थी कि गोवा नहीं छोड़कर जा सकेंगे। अब गोवा छोड़ने की भी परमिशन मिल गई है।

बेस्ट क्रेडिट चुनाव में हार के बाद क्या टूट सकता है ठाकरे ब्रदर्स का गठबंधन?

राज ठाकरे सीएम फडणवीस तो बेटे अमित ने की मंत्री से मुलाकात, अटकलें तेज

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र की सियासत में हलचल नजर आ रही है लगता है कुछ होने वाला है। 20 साल बाद साथ आए ठाकरे ब्रदर्स की फिर अलग होने की चर्चाएं गरम हैं। चर्चा है कि बेस्ट क्रेडिट चुनाव में बुरी हार के बाद ठाकरे ब्रदर्स का गठबंधन टूट सकता है। इसकी अटकलें तब तेज हुई हैं जब हार के तुरंत बाद मनसे चीफ राज ठाकरे ने सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। अब राज ठाकरे के बेटे और महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना के अध्यक्ष अमित ठाकरे संस्कृति मंत्री आशीष सेलार से मिले।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज ठाकरे की तरह ही अमित ठाकरे ने इस मुलाकात के बाद स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने राज ठाकरे की तरह इस मुलाकात का विषय दूसरा बताया, लेकिन मुलाकात के दौर से राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि बेस्ट क्रेडिट सोसाइटी चुनावों में ठाकरे ब्रादर्स की करारी हार के बाद राज ठाकरे का देवेंद्र फडणवीस से मिलना और उनके बेटे अमित की आशीष शेलार से मुलाकात यूं ही नहीं है।

अमित ठाकरे ने अपने बयान में कहा कि हमारे पहले से ही पुराने रिश्ते हैं, इसलिए दोनों के बीच सिर्फ निजी बातचीत हुई, कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई है। राज ठाकरे ने यह भी कहा कि जो आलोचनाएं की जा रही हैं, वे सिर्फ राजनीतिक हैं, कोई व्यक्तिगत आलोचना नहीं हैं। राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे ने कहा कि गणेशोत्सव 27 तारीख से शुरू हो रहा है। इस साल उत्सव को राज्य उत्सव का दर्जा दिया गया है। फिर भी अगर कुछ स्कूल-कॉलेज परीक्षाएं आयोजित कर रहे हैं, तो हमने उन्हें रद्द करने की मांग की है।

अमित ठाकरे ने कहा कि अलग-अलग मंत्रियों के पास जाने के बजाय वह स्वयं संस्कृति मंत्री आशीष सेलार से मिलने गए। अगर उन्होंने यह पहल की है तो उन्हें हमारी मांग पर विचार करते हुए इस पर आगे बढ़ना चाहिए। क्या शिवसेना-यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे को गणेश उत्सव के लिए आमंत्रित किया है? इस सवाल पर अमित ठाकरे ने कहा कि यह सरप्राइज रहेगा। मुंबई में जलभराव और सड़कों पर गड्ढों के मामले को लेकर अमित ने कहा कि इसका एक ही जवाब है। राज ठाकरे साहब को सत्ता दो और देखो फिर क्या बदलाव होता है। इस दौरान अमित ने नासिक का उदाहरण मीडिया के सामने दिया।

बता दें इससे पहले राज ठाकरे ने सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। मनसे प्रमुख ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि उन्होंने नगर नियोजन और ट्रैफिक जाम से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए यह मुलाकात की।

मुंबई पुलिस ने एक बड़ी साइबर धोखाधड़ी का खुलासा किया, दंपति समेत 12 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई पुलिस ने एक बड़ी साइबर धोखाधड़ी का खुलासा किया है। इस धोखाधड़ी में एक दंपति समेत 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया है कि इस ठगी के लिए आरोपियों ने बैंक खाते और सिम कार्ड खरीदकर देशभर में कई लोगों को ठगा है। जिसमें 60.82 करोड़ रुपये का गबन किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बैंक खाते और सिम कार्ड खरीदकर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। आरोपियों ने साजिश के लिए 943 बैंक खातों का इस्तेमाल किया, जिनमें से 180 खातों का इस्तेमाल धोखाधड़ी के लिए किया गया है। यह गिरोह डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी का मास्टरमाइंड था। बताया गया है कि मुंबई क्राइम ब्रांच की एक टीम ने 12 अगस्त को कांदिवली इलाके में छापा मारा और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि इस गिरोह ने अब तक 943 बैंक खाते खरीदे हैं, जिनमें से 180 खातों का इस्तेमाल धोखाधड़ी के लिए किया गया था। आरोपी 7,000 से 8,000 रुपये में बैंक खाते और सिम कार्ड खरीदते थे और फिर उनका इस्तेमाल डिजिटल धोखाधड़ी, ऑनलाइन शॉपिंग और शेयर ट्रेडिंग जैसे अपराधों में करते थे। इस धोखाधड़ी के मुद्दे पर बात करते हुए, मुंबई पुलिस के उपायुक्त राज तिलक रोशन ने कहा कि यह गिरोह पिछले साल से देश भर में लोगों को ठगने के लिए सक्रिय था।

गाजा पीड़ित बता कर अहमदाबाद की मस्जिदों से कर रहा चंदा इकट्ठा

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने गाजा में युद्धग्रस्त लोगों के लिए चंदा मांगने के बहाने लोगों को ठगने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह खुलासा एक 23 साल की सीरियाई नागरिक की गिरफ्तारी के बाद हुआ, जिसने कथित तौर पर खुद को गाजा का निवासी बताकर गुजरात समेत भारत के कई राज्यों की मस्जिदों से चंदा इकट्ठा किया था। आरोपी जिसकी पहचान अली मेधात अलजहर के रूप में हुई है, उसने दावा किया कि वह पशुपालन का काम करता है और अहमदाबाद के एलिसब्रिज स्थित रीगल रेजीडेंसी होटल में पर्यटक वीजा पर रह रहा था। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि अपराध शाखा ने एक निजी सूचना पर कार्रवाई की कि गाजा का एक गिरोह गाजा में संघर्ष के पीड़ितों के रूप में खुद को पेश करके धोखाधड़ी से धन उगाही कर रहा है। जांच करने पर अली कई मस्जिदों में जाकर गाजा का रहने का दावा करते हुए और दान की अपील करते हुए पाया गया। राहत कार्यों में पैसा खर्च करने के बजाय, उसने कथित तौर पर इसे विलासितापूर्ण जीवनशैली पर खर्च किया।

पूछताछ में अली ने केवल अरबी भाषा जानने का नाटक किया। अधिकारियों को उसके सीने पर चोट के निशान भी मिले, जिनके बारे में उसने दावा किया कि वे युद्ध के घाव हैं। जांचकर्ताओं को शक है कि यह सहानुभूति और विश्वसनीयता हासिल करने की उसकी चाल का हिस्सा था। शुरुआती जांच से पता चलता है कि अली ने दान के कुछ हिस्से का इस्तेमाल निजी विलासिता के लिए किया और कथित तौर पर हवाला के जरिए धन हस्तांतरित किया।

अमेरिका के भारी टैरिफ पर जयशंकर का पलटवार, कहा: किसानों और छोटे उत्पादकों के हितों से कोई समझौता नहीं

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इन टैरिफ को 'अनुचित और बेवजह' करार दिया। यह कदम ट्रंप प्रशासन ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने की वजह से उठाया, जिसमें टैरिफ की दर को 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ा दिया गया। जयशंकर ने दिल्ली में द इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम 2025 में बोलते हुए यह बात कही। उन्होंने साफ किया कि भारत सरकार के लिए किसानों और छोटे उत्पादकों के हित सबसे ऊपर हैं और इनके साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जयशंकर ने कहा, हमारी सबसे बड़ी चिंता हमारे किसानों और छोटे उत्पादकों के हितों की रक्षा करना है। हमारी सरकार इनके लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। लोग भले ही कहें कि हम कामयाब हुए या नाकाम रहे, लेकिन हम इनके हितों की रक्षा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह हमारे लिए समझौता करने वाली बात नहीं है।

तेल खरीद को बनाया जा रहा बहाना

विदेश मंत्री ने इस मुद्दे को तेल खरीद से जोड़कर पेश करने की कोशिश को गलत ठहराया। उन्होंने कहा कि रूस से ऊर्जा खरीदने को लेकर भारत पर सवाल उठाए जा रहे हैं, लेकिन यही सवाल दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक चीन और यूरोपीय देशों से नहीं पूछे जा रहे, जो रूस से एलएनजी खरीदते हैं। जयशंकर ने पश्चिमी देशों के दोहरे रवैये पर तंज कसते हुए कहा, लोग कहते हैं कि हम रूस को पैसे देकर युद्ध को बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन रूस और यूरोप

के बीच व्यापार भारत-रूस व्यापार से कहीं ज्यादा है। अगर तेल खरीद का सवाल है, तो यूरोप वाले भारत से ज्यादा खरीदते हैं। अगर व्यापार की बात है, तो भी उनका व्यापार हमसे बड़ा है। भारत का रूस को निर्यात बढ़ा है, लेकिन उतना ज्यादा नहीं।

भारत का रुख: राष्ट्रीय हित और रणनीतिक स्वायत्तता

जयशंकर ने जोर देकर कहा कि भारत को अपने राष्ट्रीय हितों के हिसाब से फैसले लेने का पूरा हक है। उन्होंने इसे भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, हमारे राष्ट्रीय हित में जो फैसले लिए जाते हैं, वह हमारा अधिकार है। यही रणनीतिक स्वायत्तता है। भारत-अमेरिका संबंधों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि तनाव के बावजूद दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है।

उन्होंने आगे कहा, हम दो बड़े देश हैं। बातचीत का सिलसिला बंद नहीं हुआ है। लोग एक-दूसरे से बात कर रहे हैं, और हम देखेंगे कि यह कहां तक जाता है। हालांकि, जब उनसे वाशिंगटन में अमेरिका के नए राजदूत के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं विदेश मंत्री हूं, दूसरे देशों के राजदूतों की नियुक्ति पर टिप्पणी नहीं करता। हाल ही में जयशंकर ने रूस का दौरा किया था, जहां उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 26वीं बैठक की सह-अध्यक्षता भी की। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस दौरे में आतंकवाद, यूक्रेन संकट, पश्चिम एशिया और अफगानिस्तान जैसे क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पुतिन को शुभकामनाएं भी दीं और द्विपक्षीय व वैश्विक मुद्दों पर बातचीत की।

गाजा में भुखमरी का ऐलान, 5 लाख से ज्यादा अकाल की चपेट में

गाजा(ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन ने गाजा में भुखमरी की आधिकारिक घोषणा की है। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 5 लाख लोग इस वक्त अकाल जैसी हालात झेल रहे हैं। यह वेस्ट एशिया में पहली बार है जब यूएन ने किसी जगह को आधिकारिक तौर पर अकालग्रस्त बताया है। रिपोर्ट कहती है कि 22 महीने से जारी इजरायल-हमास कॉन्फ्लिक्ट ने गाजा को तबाह कर दिया है। आधे मिलियन से ज्यादा लोग भुखमरी, गरीबी और मौत की कगार पर हैं। सितंबर के आखिर तक यह संकट गाजा के कई इलाकों तक फैल जाएगा। इसका असर दो-तिहाई फिलिस्तीनी पॉपुलेशन पर पड़ेगा।

वहीं इजरायल ने यूएन रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, गाजा में कोई भुखमरी नहीं है। यह रिपोर्ट सिर्फ हमास के झूठ पर आधारित है। हाल के हफ्तों में बड़ी मात्रा में एड पहुंची है और फूड प्राइस भी गिरा है। इजरायल की एजेंसी ने भी कहा कि पिछले असेसमेंट कई बार गलत साबित हुए हैं। यह रिपोर्ट ग्राउंड रियलिटी को नहीं दिखाती। इसे राजनीतिक दस्तावेजों की तरह कूड़ेदान में डाल देना चाहिए। इस भुखमरी की वजह जंग का बढ़ना और लोगों का बड़े पैमाने पर विस्थापन।मानवीय मदद और कॉमर्शियल फूड सप्लाई पर कड़ी पाबंदी के अलावा लोकल फूड सिस्टम का पूरी तरह ढह जाना है। इसके अलावा मार्च 2025 में इजरायल ने गाजा में फूड सप्लाई पूरी तरह रोक दी थी। मई में थोड़ी राहत मिली, लेकिन तब तक हालात बहुत खराब हो चुके थे। रिपोर्ट कहती है कि गाजा का 98 प्रतिशत कृषि क्षेत्र या तो पूरी तरह डैमेज हो गया है या फिर वहां पहुंचना मुमकिन नहीं है। लाइवस्टॉक खत्म हो गया और फिशिंग पर भी बैन है। यानी वहां अपना कोई लोकल फूड सिस्टम बचा ही नहीं। जेनेवा में बोलते हुए यूएन एड चीफ टॉम फ्लेचर ने कहा, यह फेमिन हमें हमेशा सताएगा। इसे रोका जा सकता था, लेकिन हमें रोक दिया गया। बॉर्डर पर अनाज और सप्लाई अटकी है, सिर्फ इसलिए क्योंकि इजरायल ने व्यवस्थित तरीके से रुकावट डाली। फ्लेचर ने कहा कि यह पूरी तरह मैन-मेड कैटास्ट्रॉफी है और इंसानियत के लिए शर्मनाक है।

ये क्या हुआ? अमेरिकी जनरल ने राष्ट्रपति ट्रंप की हां में हां नहीं की तो कर दिया बर्खास्त

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली काफी अलग है। कब कौन सा निर्णय ले बैठें कोई नहीं जानता। हाल ही में उन्होंने एक जनरल को सिर्फ इसलिए बर्खास्त कर दिया कि उन्होंने ट्रंप की हां में हां नहीं मिलाई थी। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को तीन बड़े अधिकारियों को उनके पद से हटा दिया। सबसे बड़ा नाम है लेफ्टिनेंट जनरल जेफ्री क्रूज का है, जो अमेरिकी डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) के प्रमुख थे। इसके अलावा वाइस एडमिरल नैन्सी लैकोरे (नेवी रिजर्व की चीफ) और रियर एडमिरल मिल्टन सैंड्स (नेवी सील और स्पेशल वॉरफेयर कमांड के प्रमुख) को भी बर्खास्त कर दिया गया।

दरअसल, डीआईए की एक शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया था कि इन हमलों से ईरान का परमाणु कार्यक्रम सिर्फ कुछ महीनों के लिए धीमा हुआ है। यह बात राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के उलट थी। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का कहना था

कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम 'पूरी तरह तबाह' हो गया है। रिपोर्ट लीक होने के बाद ट्रंप बेहद नाराज हो गए। माना जा रहा है कि यही वजह जनरल क्रूज की बर्खास्तगी का सबसे बड़ा कारण बनी। बता दें कि यह कोई पहला मामला नहीं है। हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने कई वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पद से हटा दिया है। पेंटागन के मुताबिक एयरफोर्स के टॉप अफसर जनरल डेविड ऑल्विन ने अचानक दो साल पहले ही रिटायरमेंट की घोषणा कर दी। जनरल सीक्यू ब्राउन जूनियर, जो ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन थे, उन्हें भी हटा दिया गया। नौसेना के प्रमुख, एयरफोर्स के डिप्टी चीफ और तीनों सेनाओं के टॉप लॉ ऑफिसर्स को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया। अप्रैल में एनएसए के प्रमुख जनरल टिम हॉग और नाटो की वरिष्ठ अधिकारी वाइस एडमिरल शोशाना चैटफील्ड को भी हटा दिया गया। पेंटागन ने इस बर्खास्तगी पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं विपक्षी नेताओं का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन अब खुफिया एजेंसियों और सेना से सिर्फ वही राय चाहता है, जो उनके राजनीतिक हितों के अनुकूल हो। सीनेटर मार्क वॉर्नर ने कहा, 'एक और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी की बर्खास्तगी से साफ है कि ट्रंप प्रशासन खुफिया रिपोर्ट को देश की सुरक्षा नहीं बल्कि वफादारी की कसौटी मान रहा है।' हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के डेमोक्रेटिक नेता जिम हाइम्स ने भी सवाल उठाए और कहा, 'अगर सरकार साफ वजह नहीं बताती तो इसे एक राजनीतिक फैसला ही माना जाएगा, जो खुफिया एजेंसियों में डर का माहौल बनाने के लिए किया गया है।

भारत पर दबदवा बनाने पाकिस्तान पहुंच रहे अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के पाकिस्तान दौरे की खबर ने दोनों देशों के संबंधों में एक नई हलचल पैदा कर दी है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अगर यह दौरा होता है, तब 7 साल बाद कोई अमेरिकी विदेश मंत्री पाकिस्तान जाएगा। इससे पहले 2018 में माइक पोम्पियो ने यह दौरा किया था। यह दौरा ट्रंप प्रशासन की उस बदली हुई रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें अमेरिका पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करना चाहता है। यह सिर्फ राजनयिक संबंधों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे कुछ आर्थिक और रणनीतिक हित भी जुड़े हैं। बता दें कि ट्रंप सरकार की दिलचस्पी पाकिस्तान में मौजूद रेयर अर्थ मिनरल्स और हाइड्रोकार्बन के भंडारों में है। इन खनिजों का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा जैसी आधुनिक तकनीकों में होता है। चीन इस क्षेत्र में सबसे बड़ा खिलाड़ी है और अमेरिका अपनी आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाना चाहता है ताकि चीन पर उसकी निर्भरता कम हो सके। 14 अगस्त को पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर मार्को रुबियो के बधाई संदेश से इस बात का साफ संकेत मिला था। उन्होंने कहा था कि अमेरिका आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों, खासकर महत्वपूर्ण खनिजों और हाइड्रोकार्बन की खोज करने के लिए उत्सुक है। हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका और पाकिस्तान के बीच एक व्यापार समझौते की घोषणा की थी, जिसमें अमेरिका पाकिस्तान में तेल भंडारों के दोहन में सहयोग करेगा। यह समझौता अमेरिकी कंपनियों के लिए पाकिस्तान के खनन क्षेत्र में निवेश के नए रास्ते खोलेगा।

कोरोना संक्रमण के बाद से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा

पेरिस (ईएमएस)। कोरोना संक्रमण के बाद धमनियों में ऐसे परिवर्तन देखे गए हैं जो आमतौर पर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से जुड़े होते हैं। यानी, जो बदलाव सामान्यतः पांच साल या उससे भी बाद में होने चाहिए थे, कोविड-19 ने उन्हें समय से पहले ही पैदा कर दिया है। नए अंतरराष्ट्रीय शोध में बताया गया है कि उम्र बढ़ने के साथ-साथ धमनियां लचीलेपन को खो देती हैं और सख्त होने लगती हैं। यही स्थिति कोविड-19 संक्रमण के बाद भी देखने को मिली। इससे हृदय रोग, स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसी गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। कोविड-19 संक्रमण का असर सिर्फ फेफड़ों या इम्यून सिस्टम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी रक्त वाहिकाओं पर भी गहरा असर डाल रहा है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह प्रभाव संक्रमण को झेलने के बाद भी लंबे समय तक बना रह सकता है। यूनिवर्सिटी पेरिस सिटे, फ्रांस की प्रोफेसर रोजा मारिया ब्रूनो के अनुसार, "कोविड-19 सीधे तौर पर रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करता है। इसका नतीजा यह होता है कि आपकी रक्त वाहिकाएं आपकी वास्तविक उम्र से अधिक उम्रदराज हो जाती हैं, जिससे हृदय रोग का खतरा और बढ़ जाता है।" इसमें 16 देशों के 2,390 प्रतिभागियों को शामिल किया गया था। शोधकर्ताओं ने सितंबर 2020 से फरवरी 2022 के बीच एकत्र किए गए डेटा का विश्लेषण किया। अध्ययन में पाया गया कि कोविड-19 से संक्रमित मरीजों की धमनियां उन लोगों की तुलना में अधिक कठोर थीं, जो कभी संक्रमित नहीं हुए थे।

रिसर्च से कैंसर के मरीजों के लिए नई उम्मीद जगी

वॉशिंगटन (ईएमएस)। जानलेवा बीमारी कैंसर के उपचार को लेकर वैज्ञानिक प्राकृतिक और वैकल्पिक विकल्पों पर रिसर्च कर रहे हैं। हाल ही में सोरसोप जिसे दक्षिण भारत में लक्ष्मण फल कहा जाता है, पर हुए एक अध्ययन ने नई उम्मीद जगाई है। सोरसोप एक उष्णकटिबंधीय पौधा है जो अमेरिका और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में उगाया जाता है। इसका फल खट्टा-मीठा होता है और पत्तियों में टैनिन, फ्लेवोनोइड्स, एल्कलॉइड्स और सैपोनिन्स जैसे यौगिक पाए जाते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करके शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं, जो कैंसर जैसी बीमारियों का बड़ा कारण होते हैं। अमेरिका में 2022 में हुई एक रिसर्च में वैज्ञानिकों ने सोरसोप की पत्तियों से निकले कवकों का विश्लेषण किया। इन कवकों से बने अर्क को गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की कोशिकाओं पर परखा गया। नतीजों में पांच कवक प्रभावी पाए गए, जिनमें एसएआर-एसएम2 नामक एक कवक ने कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में सबसे अधिक असर दिखाया। खास

बात यह रही कि इसने सामान्य कोशिकाओं को नुकसान नहीं पहुंचाया।

डीएनए जांच में यह कवक पेनिसिलियम क्रस्टोसम प्रजाति का निकला। यह खोज बताती है कि भविष्य में इससे कैंसर-रोधी दवा बनाई जा सकती है। पहले हुए अध्ययनों से भी इस बात के संकेत मिले हैं। 2018 की एक समीक्षा में पाया गया कि ग्रेविओला (सोरसोप) के पत्ते, तना और फल में मौजूद असेटोजेनीन्स नामक यौगिक कैंसर कोशिकाओं को टारगेट कर उन्हें खत्म कर सकते हैं। यहां तक कि ये उन कोशिकाओं पर भी असर डालते हैं जो पारंपरिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधक बन चुकी होती हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि अब तक सोरसोप पर ज्यादातर रिसर्च प्रयोगशाला और पशु-स्तर तक ही सीमित रही है। इंसानों पर बड़े पैमाने पर क्लिनिकल ट्रायल नहीं हुए हैं। यही कारण है कि एफडीए ने सोरसोप को कैंसर के इलाज के तौर पर मान्यता नहीं दी है।

बिना चिकित्सकीय परामर्श इसे दवा की तरह लेना खतरनाक हो सकता है। सोरसोप को फल के रूप में खाना सुरक्षित और सेहतमंद माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, जीवाणुरोधी और सूजन-रोधी गुण हैं, जो सामान्य स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं। लेकिन इसे कैंसर की दवा मानने से पहले और शोध की जरूरत है। कैंसर मरीजों के लिए जरूरी है कि वे केवल डॉक्टर की सलाह पर ही किसी भी वैकल्पिक उपचार को अपनाएं। बता दें कि कैंसर दुनियाभर में मौत की बड़ी वजहों में से एक है। आधुनिक इलाज जैसे सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन और इम्यूनोथेरेपी से मरीजों की जिंदगी बचाई जाती है, लेकिन इनके गंभीर साइड इफेक्ट्स भी होते हैं।

इमरान खान के दो भांजों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, शाहबाज सरकार पर लगे आरोप

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के बाद उनके खानदान पर भी शहबाज सरकार ने शिकंजा कसा दिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान के दो भांजे, शाहरेज खान और शेरशाह खान को पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि दोनों का नाम 9 मई 2023 के दंगों और जिन्ना हाउस पर हुए हमले की जांच में सामने आया था। शाहरेज को गुरुवार को लाहौर में उनके घर से जबकि शेरशाह को शुक्रवार घर जाते समय गिरफ्तार किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कोर्ट ने शाहरेज को आठ दिन के रिमांड पर पुलिस के हवाले कर दिया है। बता दें शाहरेज खान, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने के बाद वह ऑस्ट्रेलिया की बड़ी लिनन सप्लाई कंपनी सिंबा ग्लोबल में रीजनल हेड हैं। इसके अलावा वह एक प्रोफेशनल ट्रायथलीट भी हैं। उनके वकील ने कहा कि गिरफ्तारी पूरी तरह गैर-कानूनी है, क्योंकि शाहरेज का नाम किसी एफआईआर में नहीं था और न ही उन्हें पहले कभी पुलिस ने बुलाया। शाहरेज के वकील का दावा है कि 9 मई के दंगों के समय शाहरेज लाहौर में नहीं, बल्कि चितराल में मौजूद थे। वकील ने कहा कि यह गिरफ्तारी इमरान खान को जमानत मिलने के बाद दबाव बनाने के लिए की गई है। वहीं, इमरान खान की बहन ने भी गिरफ्तारी के बाद शहबाज सरकार पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गुरुवार रात कई नकाबपोश हथियारबंद लोग उनके घर में घुस आए। इस दौरान स्टाफ के साथ मारपीट की और उनकी बहू को टॉर्चर किया, फिर शाहरेज को उनकी दो छोटी बेटियों के सामने जबरन उठाकर ले गए। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल से देश में फासीवादी शासन चल रहा है जिसमें हजारों घरों पर छापेमारी की गई और निर्दोष लोगों को परेशान किया जा रहा है।

बता दें इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं और उन पर दर्जनों केस चल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में 9 मई के दंगों से जुड़े आठ मामलों में उन्हें जमानत दी है, लेकिन फिर भी उनके जेल से बाहर आने की संभावना नहीं है। दूसरी तरफ इमरान खान का एक और भांजा हसन नियाजी पहले ही एक सैन्य अदालत से दोषी ठहराया जा चुका है।

जिस पाकिस्तान ने 1971 में किया कत्लेआम.....उसे ही वीजा-मुक्त यात्रा की सेवा दे रही यूनुस सरकार

ढाका,(ईएमएस)। पाकिस्तान ने 1971 में बांग्लादेश में ऑपरेशन सर्चलाइट के दौरान भयानक नरसंहार किया था, अब उसी कत्लेआम करने वाले पाकिस्तान को बांग्लादेश सरकार ने वीजा-मुक्त यात्रा की सुविधा देने का फैसला किया है। यह कदम पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार की प्रस्तावित बांग्लादेश यात्रा से पहले लिया गया है, और इस दोनों देशों के संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने का फैसला किया है। इस समझौते के तहत, दोनों देशों के सरकारी अधिकारी और राजनयिक पाँच साल तक बिना वीजा के एक-दूसरे के देश में यात्रा कर सकते है। पाकिस्तान सरकार ने

पहले ही इस समझौते को मंजूरी दे दी है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने इस एक नियमित मामला बताया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के 30 से अधिक देशों के साथ इसी तरह के समझौते हैं। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षर होने के बाद यह समझौता पांच साल की अवधि के लिए होगा। यह पूछने पर कि क्या यह अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के बाद से पाकिस्तान के साथ बढ़ती मित्रता का एक और संकेत है? आलम ने हालांकि इस समझौते को एक नियमित मामला बातकर कहा कि बांग्लादेश के 30 देशों के साथ इसी तरह के समझौते हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने याह्या खान की अगुवाई में मार्च 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) में ऑपरेशन सर्चलाइट शुरू किया था। जिसमें पाकिस्तानी सेना सभी विद्रोहियों को चुन-चुनकर मारने लगी और कुछ ही समय में वहां की जमीन खून से लाल हो गई। फिर भारतीय सेना, मुक्ति वाहिनी (प्रतिरोध सेनानी) और मित्रो वाहिनी कमान के तहत संयुक्त सैन्य अभियान में बांग्लादेश लिबरेशन वॉर शुरू किया गया, जिसका अंत पाकिस्तान के आत्मसमर्पण और बांग्लादेश की स्वतंत्रता के रूप में हुआ।

राष्ट्रपति ट्रंप के खास दोस्त सर्जियो गोर बने भारत में अमेरिकी राजदूत

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर तकरार की स्थिति निर्मित कर दी है। इसी बीच ट्रंप अपने खास दोस्त सर्जियो गोर को भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर नियुक्त करने का ऐलान कर दिया है। भारत में अगले अमेरिकी राजदूत होने वाले सर्जियो गोर फिलहाल वाइट हाउस प्रेसिडेंशियल पर्सनल ऑफिस के प्रमुख हैं। वह मौजूदा राजदूत एरिक गार्सेटी की जगह लेंगे। डोनाल्ड ट्रंप के मुताबिक, सर्जियो गोर भारत में अगले अमेरिकी राजदूत के साथ-साथ दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत होंगे। दरअसल, सर्जियो गोर एरिक गार्सेटी की जगह लेंगे। एरिक गार्सिटी ने 11 मई 2023 से 20 जनवरी 2025 तक सेवा दी। गार्सेटी से पहले केनेथ जस्टर ने 23 नवंबर 2017 से 20 जनवरी 2021 तक यह पद संभाला था। गार्सेटी के बाद भारत में अमेरिकी दूतावास का नेतृत्व अंतरिम चार्ज डी'अफेयर्स जोर्गन के एंड्रयूज ने किया है, जिन्होंने 20 जनवरी 2025 को पदभार संभाला था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं सर्जियो गोर को भारत गणराज्य में हमारे अगले अमेरिकी राजदूत और दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत के रूप में पदोन्नत कर रहा हूं। ट्रंप ने आगे कहा कि राष्ट्रपति पद के कार्मिक निदेशक के रूप में सर्जियो और उनकी टीम ने सरकार के हर विभाग में रिकॉर्ड समय में करीब 4000 अमेरिका फर्स्ट पैट्रियट्स को नियुक्त किया है। ट्रंप ने सर्जियो गोर को अपना मित्र बताया और उन पर पूरा भरोसा जताया है। उन्होंने सर्जियो गोर की वाइट हाउस में उनके योगदान के लिए खूब सराहना भी की। सर्जियो गोर काफी समय से डोनाल्ड ट्रंप के साथ रहे हैं। राष्ट्रपति चुनाव में भी वह डोनाल्ड ट्रंप के साथ साए के साथ खड़े रहे। चुनाव अभियान में उन्होंने मजबूती से ट्रंप का साथ दिया और प्रचार किया। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की बेस्ट सेलर किताबें भी प्रकाशित कीं और ट्रंप के आंदोलन को समर्थन देने वाले सुपर पैक का संचालन भी किया। डोनाल्ड ट्रंप ने खुद बताया है कि वह सर्जियो गोर को भारत में अमेरिकी राजदूत इसलिए बना रहे हैं, क्योंकि उन्हें उन पर और उनके काम पर पूरा भरोसा है। उन्हें यकीन है कि अमेरिका के एजेंडे को भारत और एशिया क्षेत्र में पूरा करने में वह मदद करेंगे। वह अमेरिका को फिर से महान बनाने में अपना योगदान देंगे। अभी भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर तकरार है। ऐसे में ट्रंप अपने सबसे भरोसे मंद आदमी को ही भारत का राजदूत बनाना चाहते थे। ऐसे में सर्जियो गोर से बेहतर उनके पास क्या विकल्प होता। सर्जियो गोर राष्ट्रपति बनने से पहले से उनके खास रहे हैं।

अमेरिका ने कसा तंज भारत को बताया वॉशिंग मशीन, पीएम मोदी को बताया महान नेता

रूस से जारी कच्चे तेल की खरीद पर बौखलाए अमेरिका के रुख में अभी तक कोई बदलाव नहीं आया है, उसकी तरफ से भारत पर आरोप लगाने का सिलसिला जारी है। ताजा मामला व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के एक बयान से जुड़ा हुआ है। जिसमें उन्होंने भारत पर बेहद तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नई दिल्ली रूस से सस्ती दरों पर तेल खरीदकर उसे भारी मुनाफे के साथ बाकी दुनियाभर के देशों को बेचकर क्रेमलिन के लिए कपड़े धोने की मशीन की तरह से काम कर रही है।

रूस से तेल खरीद से मॉस्को को यूक्रेन युद्ध के लिए धन मिल रहा है। जबकि भारत इससे कमाई कर रहा है। नवारो ने ये भी कहा कि उनके देश द्वारा लगाया गया 50 फीसदी टैरिफ का निर्णय बिलकुल ठीक है। क्योंकि अमेरिका को भारत के साथ व्यापार में घाटा हो रहा है। जिसके पीछे नई दिल्ली द्वारा लगाया गया सबसे ज्यादा यानी महाराजा टैरिफ जिम्मेदार है। यह एक प्रकार से व्यापार में दगा करने जैसा है। उन्होंने कहा, 2022 में यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से पहले भारत ने रूस से कोई तेल नहीं खरीदा था। लेकिन अब जब यह लगभग 35 फीसदी तक हो गया है तो यह कहना कि रूसी तेल की जरूरत नहीं है। यह तर्क बकवास है।

नवारो ने हालांकि भारत के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की और कहा कि मोदी एक महान नेता हैं। लेकिन यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच शांति का मार्ग उनके देश की राष्ट्रीय राजधानी से होकर ही गुजरता है। भारतीय नेतृत्व की रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त कराने में अहम भूमिका है। भारत को इन सबके बीच अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अपनी भूमिका पर भी ध्यान देना चाहिए। आप अभी जो कर रहे हैं, वह शांति स्थापित करने की बजाय युद्ध को और अधिक भड़का रहा है। यहां बता दें कि अमेरिकी टैरिफ संकट के बीच भारत को रूस के साथ ही चीन का भी समर्थन मिला है। चीन के राजदूत ने कहा है कि वह भारतीय माल का चीन के बाजारों में स्वागत करते हैं। अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का कदम किसी भी लिहाज से ठीक नहीं है।

आपने ब्लू और रेड मून तो देख होंगे आज दिखेगा ब्लैक मून, 33 महीनों बाद होगा ऐसा

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। मार्च में अंतरिक्ष-प्रेमियों ने ब्लड मून देखा था, जो चंद्रग्रहण के दौरान इसके लाल रंग में बदलने के कारण हुआ। इसके अलावा आपने ब्लू मून के बारे में भी सुना होगा, जो एक महीने में होने वाले दूसरे पूर्ण चंद्रमा को कहा जाता है, लेकिन अब दुनिया भर के अंतरिक्ष प्रेमी आज यानी शनिवार को ब्लैक मून देखने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्लैक मून इसका कोई आधिकारिक नाम नहीं है। कैलेंडर महीने में पड़ने वाली दूसरी अमावस्या को यह नाम दिया गया है। यह हर 29 महीने में एक बार होता है या किसी ऐसे मौसम में जिसमें असामान्य रूप से तीन की जगह चार अमावस्या होती हैं, उसकी तीसरी अमावस्या को भी ब्लैक मून कहा जाता है। यह 33 महीने में एक बार होता है। अमावस्या तब होती है, जब चंद्रमा का केवल दूर वाला भाग ही सूर्य से प्रकाशित होता है। इसका पास वाला हिस्सा पूरी छाया में होता है, जिसके चलते यह पृथ्वी से नहीं दिखाई देता है। यह चंद्र चक्र की शुरुआत का प्रतीक है।

इस साल का ब्लैक मून मौसमी परिभाषा के अंदर आता है। वर्तमान ऋतु 20 जून से 22 सितम्बर के विषुव के बीच चल रही है, जिसमें चार अमावस्या 25 जून, 24 जुलाई, 23 अगस्त और 21 सितम्बर को हो रही है। इस क्रम में 23 अगस्त को तीसरी अमावस्या को ब्लैक मून कहा जा रहा है।

ब्लैक मून की परिभाषा से साफ है कि यह अदृश्य होगा। हालांकि, इसका दिखाई न देना ही अंतरिक्ष प्रेमियों के लिए खास है। रात में चांदनी का न होना तारों को देखने के लिए एकदम सही स्थिति का निर्माण करता है। 23-24 अगस्त की रात को भारत और उत्तरी गोलार्ध के अन्य स्थानों पर पर्यवेक्षक आकाशगंगा को सबसे चमकीले रूप में देख पाएंगे।

पूर्वी नेपाल के संखुवासभा जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए

काठमांडू (ईएमएस)। पूर्वी नेपाल के संखुवासभा जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, यह झटका करीब 11 बजकर 15 मिनट पर दर्ज हुआ, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.4 थी। भूकंप का केंद्र जिले के मघांग क्षेत्र में स्थित था।

अधिकारियों का कहना है कि झटके संखुवासभा के अलावा पूर्वी नेपाल के कई अन्य जिलों में भी महसूस किए गए। हालांकि, किसी तरह की जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना अब तक नहीं है। भूकंप आने के बाद लोग एहतियातन घरों से बाहर निकल आए, लेकिन स्थिति जल्द ही सामान्य हो गई।

नेपाल भूकंप की दृष्टि से उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में शामिल है। यहां समय-समय पर हल्के से लेकर तीव्र झटके महसूस होते रहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाल की भौगोलिक संरचना और हिमालयी क्षेत्र की सक्रिय टेक्टोनिक प्लेट्स इसकी मुख्य वजह हैं। इसकारण नेपाल लगातार भूकंप की चपेट में रहता है।

भूकंप की घटनाएं यहां लोगों के लिए असामान्य नहीं हैं, लेकिन जब भी झटके महसूस होते हैं, तब 2015 की भयावह त्रासदी की यादें ताजा हो जाती हैं। उस समय आए 7.8 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप में करीब 9,000 लोगों की मौत हो गई थी और पांच लाख से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए थे। वह हादसा नेपाल के इतिहास में सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक माना जाता है।

परमाणु बम की तरह फटा अमेरिकी तेल कंपनी का प्लांट, दो किमी तक मंडराया संकट

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। लुइसियाना राज्य के रोजलैंड कस्बे के पास स्थित स्मिट्टीज सप्लाई कंपनी के तेल प्लांट जोरदार धमाका हो गया। इसे आग की भयंकर लपटें और काला धुआं आसमान में छा गया। धमाके के तुरंत बाद प्रशासन ने आसपास के लगभग दो किमी के दायरे में रहने वाले सभी लोगों को अपने घर खाली करने का आदेश दिया। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि धमाका, आग की लपटें और काला धुंआ देखकर लगता था मानो परमाणु बम फट गया हो। टैंजिपाहोआ पैरिश शेरिफ ऑफिस ने एक्स पर बताया कि आग पर अभी काबू नहीं पाया जा सका है और फिलहाल यह कहना मुश्किल है कि कब हालात सामान्य होंगे। इस घटना के चलते रोजलैंड मोंटेसरी स्कूल को भी खाली कराना पड़ा। प्रशासन ने बताया कि सभी बच्चों और स्टाफ को सुरक्षित तरीके से स्कूल से निकालकर सेंट्रल ऑफिस पहुंचाया गया, जहां से अभिभावकों ने उन्हें अपने साथ ले गए।

सुपरिंटेंडेंट मेलिसा मार्टिन स्टिले ने कहा, हमें राहत है कि सभी बच्चे और स्टाफ सुरक्षित घर पहुंच गए हैं। उनके जीवन की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। टैंजिपाहोआ पैरिश प्रेसिडेंट रॉबी मिलर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रशासन पूरी ताकत से लोगों, इमारतों और पर्यावरण को बचाने में जुटा है। उन्होंने इसे 'ईश्वर की कृपा' बताया कि अब तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। स्मिट्टीज के जिस प्लांट में दोपहर के समय धमाका हुआ वह वही प्लांट है जिस पर पिछले कुछ सालों में पर्यावरण नियमों के उल्लंघन को लेकर कई बार जुर्माना लगाया जा चुका है। साल 2021 में पास की नाली में तेल रिसाव के मामले में कंपनी पर 2.5 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। हालांकि उस समय कंपनी ने जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की थी, लेकिन सजा के तौर पर रकम चुकाई थी। फेडरल और स्टेट रिकॉर्ड बताते हैं कि बीते छह सालों में कंपनी पर कई बार कार्रवाई हुई है।

ट्रंप की चेतावनीः शिकागो में भी अपराध रोकने हो सकता है संघीय हस्तक्षेप

- ट्रंप ने अन्य डेमोक्रेटिक शहरों की भी निगरानी तेज की

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि शिकागो अगला शहर हो सकता है, जहां अपराध पर काबू पाने के लिए संघीय सरकार कार्रवाई करेगी। ट्रंप ने इससे पहले वाशिंगटन डीसी में अपराध आपातकाल घोषित कर नेशनल गार्ड की तैनाती की थी। अब उनका कहना है कि शिकागो, लॉस एंजिल्स, न्यूयॉर्क, बाल्टीमोर और ऑकलैंड जैसे अन्य शहरों में भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई की जा सकती है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि उनके प्रयासों से वाशिंगटन दुनिया के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक बन रहा है। इसके तहत वेस्ट वर्जीनिया, साउथ कैरोलिना, मिसिसिपी, ओहायो, लुइसियाना और टेनेसी जैसे राज्यों से 1,900 से अधिक नेशनल गार्ड जवान तैनात किए गए हैं। राष्ट्रपति ने दक्षिण-पूर्वी डीसी में कानून प्रवर्तन अधिकारियों और जवानों से मुलाकात कर अपने अभियान को और आगे बढ़ाने की बात दोहराई। उन्होंने यह भी कहा कि अपराध, बेघरता और अवैध प्रवास पर सख्त नियंत्रण आवश्यक है। हालांकि, डीसी की मेयर बोसर ने ट्रंप के दावों को खारिज करते हुए कहा कि 2023 और 2019 की तुलना में अपराध दर काफी कम हुई है और शहर पिछले 30 वर्षों में सबसे सुरक्षित स्तर पर है। यह बयान संघीय और स्थानीय सरकार के बीच मतभेदों को उजागर करता है। यह कार्रवाई राजनीतिक दृष्टि से भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि ये सभी शहर डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले हैं।

न्यूयॉर्क में बस दुर्घटनाः पांच की मौत, 49 घायल

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। न्यूयॉर्क राज्य के पेमब्रोक में स्थित इंटरस्टेट 90 पर एक टूर बस के पलटने से पांच लोगों की मौत हो गई और 49 अन्य घायल हो गए। यह बस नियाग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क शहर लौट रही थी। दुर्घटना शुक्रवार दोपहर बाद हुई, जब बस चालक ने ध्यान भटकने के कारण वाहन से नियंत्रण खो दिया और बस पलट गई। प्रारंभिक जांच के अनुसार, चालक ने संभवतः ध्यान भटकने के कारण अचानक स्टीयरिंग घुमा दिया, जिससे बस सड़क से उतरकर पलट गई । बस में कुल 54 लोग सवार थे, जिनमें चालक और एक सहायक कर्मचारी भी शामिल थे। दुर्घटना में पांच वयस्कों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। घायलों में सिर की चोटें, हड्डियों की फ्रैक्चर और अन्य गंभीर चोटें शामिल हैं। अधिकांश घायलों को अस्पतालों में भर्ती किया गया। दुर्घटना में घायल हुए अधिकांश यात्री भारतीय, चीनी और फिलिपिनो मूल के थे, जिसके कारण आपातकालीन सेवाओं ने अनुवादकों की सहायता ली। मर्सी फ्लाइट जैसी एयर मेडिकल ट्रांसपोर्ट सेवाओं ने हेलीकॉप्टरों के माध्यम से घायलों को अस्पतालों तक पहुंचाया। न्यूयॉर्क राज्य पुलिस ने दुर्घटना के कारण की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों में चालक की नशे की स्थिति और वाहन की यांत्रिक खराबी को नकारा गया है।

राजीव शुक्ला बोले- कोहली-रोहित के फेयरवेल की चिंता न करें: दोनों फिट हैं, वनडे खेल रहे हैं

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, विराट कोहली और रोहित शर्मा पूरी तरह फिट हैं। वे अभी भी वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं और अच्छे प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में उनके फेयरवेल (विदाई मैच) की बात करना जल्दबाजी है। कोहली और रोहित पहले ही टेस्ट क्रिकेट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। कुछ दिनों पहले मीडिया रिपोर्ट्स में उनके फेयरवेल मैचों को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। डोमेस्टिक टी-20 लीग यूपी टी-20 को शुक्रवार को दिए गए इंटरव्यू में राजीव ने यह बात कही। फेयरवेल की चिंता करना गलत- राजीव राजीव शुक्ला से जब फेयरवेल मैच को लेकर सवाल किया गया, तब वे बोले उन्होंने अभी तक संन्यास लिया है क्या? रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों वन-डे खेल रहे हैं। उन्होंने संन्यास नहीं लिया है, तो आप उनके फेयरवेल को लेकर क्यों बात और चिंता कर रहे हैं? BCCI की नीति बिल्कुल स्पष्ट है, हम किसी को भी संन्यास लेने के लिए नहीं कहेंगे, उन्हें खुद अपना निर्णय लेना होता है। उन्होंने आगे कहा, फेयरवेल मैच के आयोजन के लिए जब समय आएगा, तब देखेंगे। आप पहले से ही उनका फेयरवेल आयोजित कर रहे हैं। विराट कोहली बहुत फिट हैं, और रोहित शर्मा बहुत अच्छा खेलते हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रिटायरमेंट का ऐलान किया था। इसके बाद 7 मई को रोहित और 12 मई को विराट ने टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया था। आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में साथ खेले आखिरी बार वनडे में विराट और रोहित चैंपियंस ट्रॉफी दुबई में साथ खेले थे, जहां कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ शतक जड़ा और रोहित ने फाइनल में अर्धशतक बनाया था। IPL के बाद से दोनों ने कोई भी मैच नहीं खेला है। अगली वनडे सीरीज अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में होनी हैं। कोहली-रोहित विजय हजारे ट्रॉफी में खेल सकते हैं दिसंबर में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी और जनवरी

2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैच में कोहली-रोहित खेलते दिखेंगे।

रोहित-विराट 2027 वनडे विश्व कप तक खेलें तो भारतीय क्रिकेट को होगा फायदा : टेलर

भारतीय क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं में अब न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर की भी एन्ट्री हो गई हैं रॉस टेलर ने रोहित और विराट को लेकर बड़ा बयान दिया है। टेलर का मानना है कि ये दोनों खिलाड़ियों को वनडे प्रारूप में खेलते रहना चाहिए और अगर वे 2027 विश्व कप तक टीम का हिस्सा बने रहते हैं, तो यह भारतीय क्रिकेट और विश्व क्रिकेट दोनों के लिए बेहद अहम होगा। गौरतलब है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। हालांकि, दोनों ने वनडे प्रारूप में खेलना जारी रखने की इच्छा जाहिर की है। अक्टूबर में वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी मैदान पर खेलते नजर आ सकते हैं। इसके लिए दोनों ने अपनी फिटनेस और लय वापस पाने की तैयारी भी शुरू कर दी है। नोएडा में आयोजित चैम्पियंस लीग टी-10 ट्रॉफी के दौरान रॉस टेलर ने कहा, "अच्छा, आप विराट और रोहित को ही देख लीजिए, वे अब भी फिट हैं और रन बना रहे हैं। इतना क्रिकेट खेलना उनके शरीर के लिए थकाऊ जरूर है, क्योंकि वे दोनों पैरेंट्स भी हैं और लंबे समय तक घर और बच्चों से दूर रहते हैं। लेकिन दुनिया उन्हें मैदान पर देखना चाहती है। विश्व क्रिकेट और भारतीय क्रिकेट के नजरिए से उम्मीद है कि वे दोनों 2027 तक खेलते रहेंगे।" टेलर ने विराट कोहली के करियर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कोहली को शुरुआती दिनों से ही बढ़ते हुए देखा है। टेलर ने कहा, "जब विराट 18-19 साल का था तो थोड़ा मोटा था। उस समय कैमरन व्हाइट ने कहा था कि यह लड़का वर्ल्ड क्लास बनेगा। आज वह शानदार खिलाड़ी बन चुका है। वह न केवल आरसीबी के लिए वफादार रहा है, बल्कि भारतीय क्रिकेट और विश्व क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है। आरसीबी का आईपीएल खिताब जीतना और आखिरकार ट्रॉफी उठाना भी उसके करियर का अहम पल है।" टेलर का यह बयान उस समय आया है जब भारतीय क्रिकेट में लगातार यह बहस छिड़ी हुई है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को अब धीरे-धीरे युवा खिलाड़ियों को जगह देनी चाहिए या 2027 विश्व कप तक टीम का हिस्सा बने रहना चाहिए। टेलर की राय से यह साफ है कि वह अनुभव और क्लास को लंबे समय तक भारतीय टीम में देखने के पक्षधर हैं।

रिंकू सिंह ने बैट विवाद पर तोड़ी चुप्पी, एशिया कप में चमकने को तैयार

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स और भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह ने आईपीएल 2024 के दौरान वायरल हुए उस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वह विराट कोहली से बैट मांगते नजर आए थे। कोहली ने उन्हें जो बल्ला दिया था, वह टूट गया और इसके बाद रिंकू दोबारा नया बैट मांगते दिखे थे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था और रिंकू काफी सुर्खियों में आ गए थे। अब मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने इस पूरे मामले को लेकर खुलासा किया है। 27 वर्षीय रिंकू इन दिनों यूपी टी20 लीग में खेल रहे हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में मुस्कुराते हुए कहा कि बैट वाले मामले में वह थोड़ा ज्यादा बदनाम हो गए थे। उन्होंने बताया कि वह सामान्य तौर पर विराट कोहली से मिलने जाते थे और बैट भी मांग लेते थे, लेकिन कैमरे में कैद होने से मामला ज्यादा फैल गया। उन्होंने कहा कि यह चीज उनके लिए और कोहली दोनों के लिए ठीक नहीं रही। रिंकू ने आगे बताया कि इस बार यानी आईपीएल 2025 में उन्होंने कोहली से बैट नहीं लिया बल्कि एमएस धोनी और रोहित शर्मा से बल्ला लिया, जो उनके लिए बड़ी बात है।

रिंकू ने कहा कि बड़े खिलाड़ियों का बैट पाना उनके करियर के लिए बेहद खास है। वह इसे एक यादगार पल मानते हैं। वहीं, उन्होंने एशिया कप 2025 में जगह मिलने पर खुशी जताई और कहा कि यह उनके लिए बड़ा मौका है। पिछले साल वह वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने से चूक गए थे और सिर्फ स्टैंडबाय खिलाड़ी थे। इस बार मुख्य टीम में शामिल होना उनके लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। रिंकू ने बताया कि उनकी तैयारी अच्छी चल रही है और यूपी टी20 में उनकी बल्लेबाजी भी शानदार रही है। उन्होंने कहा कि वह एशिया कप में जब भी मौका मिलेगा, टीम इंडिया के लिए बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देंगे।

भारतीय टीम विश्वकप की प्रवल दावेदार : रीमा

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करने जा रहे हैं और इसी बीच पूर्व ऑलराउंडर रीमा मल्होत्रा ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अब तक की सबसे मजबूत टीम करार दिया है। टूर्नामेंट का आयोजन 30 सितंबर से दो नवंबर तक होगा और हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपना अभियान गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ मैच से शुरू करेगी। रीमा का मानना है कि इस टीम में अनुभव और युवाओं का ऐसा संतुलन है, जो घरेलू परिस्थितियों में चैंपियन बनने का दमखम रखता है। उन्होंने कहा कि इस बार हरमनप्रीत, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा जैसी अनुभवी खिलाड़ियों के साथ अमनजोत कौर, क्रांति गौड़, श्री चरणी और ऋचा घोष जैसे युवा चेहरे भी टीम को मजबूती दे रहे हैं। चर्चा का बड़ा विषय शेफाली वर्मा का टीम से बाहर होना रहा, लेकिन

रीमा ने दिल्ली की बल्लेबाज प्रतिका रावल को शामिल किए जाने को सही बताया। प्रतिका ने 14 वनडे में 754 रन बनाए हैं और उनके प्रदर्शन में निरंतरता साफ दिखाई देती है। इसके उलट शेफाली के आंकड़े इस फॉर्मेट में औसत ही रहे हैं। रीमा ने कहा कि चयनकर्ताओं ने इस बार बड़े नाम के बजाय भरोसेमंद प्रदर्शन को तरजीह दी है, जो टीम के हित में है।

बल्लेबाजी को हमेशा से भारत की ताकत माना गया है, लेकिन इस बार गेंदबाजी भी टीम की असली पहचान बन सकती है। रेणुका ठाकुर, अमनजोत और अरुंधति रेड्डी तेज गेंदबाजी विभाग को संतुलित कर रही हैं, जबकि स्पिन में दीप्ति शर्मा, राधा यादव और स्नेह राणा का अनुभव और हुनर बड़ा हथियार साबित हो सकता है। रीमा ने कहा कि खासकर स्नेह राणा सफेद गेंद क्रिकेट में परिपक्व हो चुकी हैं और वनडे फॉर्मेट में उनकी उपयोगिता बहुत बढ़ गई है।

भारत महिला टीम विश्व कप के इतिहास में दो बार फाइनल में पहुंची है लेकिन खिताब जीतने का गौरव प्राप्त नहीं हुआ हैं। 2005 में ऑस्ट्रेलिया और 2017 में इंग्लैंड ने भारत को फाइनल में मात दी थी। रीमा का कहना है कि यह टीम उन पिछली असफलताओं से अलग है और इस बार आत्मविश्वास से भरी हुई है। हाल ही में श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन टीम की तैयारी का सबूत है। उन्होंने माना कि हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन निर्णायक होगा क्योंकि वह दबाव में बेहतर खेलती हैं और टीम को बड़ी जीत दिला सकती हैं। जेमिमा रोड्रिग्स के पांचवें नंबर पर खेलने से बल्लेबाजी में गहराई आई है, जबकि अमनजोत और अरुंधति ने पूजा वस्त्राकर की चोट से बनी कमी को पूरा किया है। रीमा का मानना है कि कागजों पर यह टीम सबसे मजबूत है और घरेलू समर्थन के साथ इस बार भारत खिताब जीतने का प्रबल दावेदार है।

भारत में पहली बार मेसी की कप्तानी में खेलेगी अर्जेंटीना टीम

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस)। भारत में अब फुटबॉल का बुखार चढ़ने वाला है, क्योंकि दुनिया के सर्वकालिक महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार लियोनेल मेसी की अगुआई में अर्जेंटीना फुटबॉल टीम इस साल नवंबर में भारत का दौरा करेगी। यह टीम केरल में एक दोस्ताना मैच खेलने आ रही है। इस ऐतिहासिक पल की आधिकारिक जानकारी राज्य के खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से साझा की। उन्होंने बताया कि अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने ईमेल के जरिए इस दौरे की पुष्टि कर दी है।

मेसी के भारत आने की खबर के बाद फुटबॉल प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर केरल में, जहां दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल और अर्जेंटीना टीम के लिए गहरी दीवानगी है। यहां मेसी की लोकप्रियता बेहद ज्यादा है और अब राज्य उस ऐतिहासिक क्षण की तैयारियों में जुट गया है, जिसे प्रशंसक अपने 'सपनों के सच होने' जैसा मान रहे हैं। 2022 में फीफा विश्व कप जीतने के बाद अर्जेंटीना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खासतौर पर केरल के फुटबॉल फैंस को धन्यवाद भी दिया था।

अब इस दोस्ताना मुकाबले की तैयारियां भी तेज हो चुकी हैं। केरल फुटबॉल संघ (केएफए) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) मिलकर आयोजन स्थल और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। संभावना जताई जा रही है कि यह मुकाबला तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच अर्जेंटीना के लिए 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर से पहले की तैयारी का हिस्सा होगा। उम्मीद है कि मेसी टीम की कप्तानी करेंगे, हालांकि टीम की अंतिम सूची की घोषणा मुकाबले की तारीख नजदीक आने पर ही की जाएगी।

राज्य सरकार सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और आतिथ्य सत्कार को लेकर विशेष इंतजाम करने की योजना बना रही है। पर्यटन विभाग का मानना है कि मेसी के भारत दौरे से केरल की अंतरराष्ट्रीय पहचान को नई ऊंचाई मिलेगी और देश-दुनिया से प्रशंसक व पर्यटक यहां आकर्षित होंगे। केरल सरकार ने इस दोस्ताना मैच के लिए विशेष रूप से अर्जेंटीना टीम को आमंत्रण भेजा था और अब यह आयोजन राज्य के लिए गौरव और ऐतिहासिक अवसर बन गया है।

पूर्व ओपनर सदागोपन रमेश का गंभीर पर निशाना, लगाए पक्षपात के आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में गौतम गंभीर की नियुक्ति के बाद से ही लगातार टीम इंडिया में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज स्तंभ रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने के बाद गंभीर की नीतियों को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। जहां कुछ लोग उनके फैसलों का समर्थन करते हैं, वहीं कई पूर्व खिलाड़ी उनके कामकाज पर सवाल खड़े कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में टीम इंडिया के पूर्व ओपनर सदागोपन रमेश का नाम भी जुड़ गया है।

रमेश ने अपने यूट्यूब चैनल पर गौतम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह सिर्फ उन्हीं खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं जो उन्हें पसंद हैं। उन्होंने कहा, "गौतम गंभीर जिन खिलाड़ियों को पसंद करते हैं, उनका समर्थन करते हैं और जिन्हें पसंद नहीं करते, उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं।" रमेश ने यह भी जोड़ा कि इस तरह का रवैया टीम संतुलन और खिलाड़ियों के आत्मविश्वास के लिए सही नहीं है।

हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुई पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। इस परिणाम को लेकर रमेश की अलग राय है। उन्होंने कहा, "इंग्लैंड में ड्रॉ सीरीज को बड़ी उपलब्धि की तरह दिखाया जा रहा है, लेकिन असल में यह इसलिए खास लग रही है क्योंकि पिछले साल टेस्ट क्रिकेट में हमारा प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। विदेशी धरती पर जीत की शुरुआत पहले ही विराट कोहली और रवि शास्त्री के समय हो चुकी थी। ऐसे में ड्रॉ सीरीज को गंभीर के ट्रैक रिकॉर्ड में उपलब्धि के रूप में गिनना सही नहीं है।"

रमेश ने टीम चयन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एशिया कप 2025 के लिए श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था। रमेश के अनुसार, "श्रेयस अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन गंभीर उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं। वहीं यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी, जो टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हो

सकते हैं, उन्हें सभी फॉर्मेट में मौका मिलना चाहिए। उन्हें सिर्फ स्टैंडबाय में रखना एक गलत कदम है।"

क्रिकेटर संजू को अस्पताल में देख फैंस हुए परेशान, पत्नी ने शेयर की थी तस्वीर

भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर व बल्लेबाज संजू सैमसन को लेकर लोग चिंतित हो गए हैं क्योंकि उनकी पत्नी ने अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए एक तस्वीर शेयर कर फैंस को टेंशन में डाल दिया है। संजू के अस्पताल की तस्वीर ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अचानक संजू को क्या हो गया। आखिर वह अस्पताल क्यों पहुंच गए। बता दें संजू की मामूली सी तबीयत बिगड़ने से उन्हें अस्पताल गए थे और इसके बाद वह शाम को मैच भी खेलने उतरे। बता दें संजू सैमसन को अगले महीने से शुरू हो रहे एशिया कप 2025 के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में इसकी शुरुआत होगी और 28 सितंबर को टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के कुछ हफ्ते पहले सैमसन की सेहत को लेकर एक चिंताजनक अपडेट उनकी पत्नी, चारुलथा रेमेश ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। चारुलथा ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी में संजू सैमसन के 21 अगस्त को अस्पताल में होने की जानकारी दी। राहत की खबर ये है कि उसी रात वह केरल क्रिकेट लीग में एक मैच में वह खेलने भी उतरे।

सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत जीतेगा एशिया कप : सहवाग

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग को विश्वास है कि भारतीय टीम आगामी एशिया कप 2025 का खिताब अपने नाम करेगी। सहवाग का मानना है कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने जिस तरह का आक्रामक खेल दिखाया है, उसी अंदाज को अगर टूर्नामेंट में जारी रखा गया तो खिताब जीतने से कोई नहीं रोक सकता। संयुक्त अरब अमीरात में 9 से 28 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, ओमान और मेजबान यूएई के साथ रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, हांगकांग, अफगानिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं।

टी20 प्रारूप में खेला जाने वाला एशिया कप भारत के लिए नया नहीं है। 2016 में हुए इसके पहले संस्करण की चैंपियन भारतीय टीम रही थी और इस बार भी सहवाग को भरोसा है कि टीम अपनी पहचान कायम करेगी। उन्होंने कहा कि इस टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का बेहतरीन संतुलन है

और सूर्यकुमार यादव की निर्भीक कप्तानी टीम को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। सहवाग ने कहा, "सूर्या की आक्रामक मानसिकता टी20 क्रिकेट के लिए बिल्कुल सही है। अगर खिलाड़ी इसी आत्मविश्वास और इरादे से खेलते रहे तो फिर भारत निश्चित रूप से ट्रॉफी जीत सकता है।"

सहवाग टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारक सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के 'रग रग में भारत' अभियान से जुड़े और इस मौके पर क्रिकेट और देश की एकजुटता के भाव को भी सामने रखा। उन्होंने कहा कि जब भारतीय टीम मैदान पर होती है

तो पूरा देश एक भावना से बंध जाता है। क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं बल्कि भावनाओं का ऐसा संगम है जो हर भारतीय को जोड़ता है। सूर्यकुमार यादव इस टूर्नामेंट में 15 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान संभालेंगे, जबकि युवा बल्लेबाज और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले दुबई और अबूधाबी में खेले जाएंगे। सहवाग की उम्मीदों और टीम की मौजूदा लय को देखते हुए भारतीय प्रशंसकों को भी एशिया कप में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है।

एशिया कप टीम के लिए श्रेयस अय्यर का टीम से बाहर होना अनुचित : दिनेश कार्तिक

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यूएई में 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान किया। हालांकि, इस टीम में श्रेयस अय्यर का नाम शामिल न होने पर कई दिग्गज खिलाड़ियों ने हैरानी जताई है। इसी तारतम्य में पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इसे अनुचित बताते हुए चयनकर्ताओं से सवाल किया है। कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, "श्रेयस अय्यर कहां हैं? ये बड़ा सवाल है। वह कैसे बाहर हो सकता है? टीम ने पिछले 20 में से 17 मैच जीते हैं, ठीक है, लेकिन उन्हें 15 खिलाड़ियों में जगह न देना, यहां तक कि स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में भी शामिल न करना सही नहीं है। क्या इसका मतलब है कि टी20 विश्व कप को देखते हुए उनके लिए दरवाजे बंद हो चुके हैं? यह अनुचित होगा।"

इससे पहले भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी अय्यर को टीम से बाहर करने के फैसले की आलोचना की थी। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह संकेत है कि भविष्य में टी20 प्रारूप में अय्यर के लिए जगह सीमित हो सकती है। श्रेयस अय्यर ने हाल ही में पंजाब किंग्स के कप्तान के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया और टीम को 2014 के बाद पहली बार फाइनल तक पहुंचाया। हालांकि, निर्णायक मुकाबले में पंजाब को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। दिनेश कार्तिक ने अय्यर की कप्तानी और दबाव में बेहतर बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि चयनकर्ताओं को उन्हें पूरी तरह नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए था। उन्होंने उम्मीद जताई कि अय्यर के लिए दरवाजे अभी भी खुले रहेंगे।

टीम इंडिया से अलग हुए मसाज थेरेपिस्ट राजीव कुमार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के मसाज थेरेपिस्ट राजीव कुमार से अलग होने का निर्णय लिया है। राजीव लगभग 15 वर्षों से भारतीय टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और हाल ही में इंग्लैंड दौरे में भी टीम के साथ शामिल थे। लंबे समय से खिलाड़ियों की थकान मिटाने और उनकी फिटनेस बनाए रखने में योगदान देने वाले राजीव अब टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम का हिस्सा नहीं होंगे। बीसीसीआई सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि बोर्ड ने राजीव की सेवाओं को समाप्त कर दिया है। सूत्र के अनुसार, टीम प्रबंधन ने पहले ही एक नए मसाज थेरेपिस्ट की सिफारिश की थी, जिसे नियुक्त कर लिया गया है। राजीव की मौजूदगी खिलाड़ियों के लिए सिर्फ एक सहायक भूमिका नहीं थी, बल्कि वह टीम के साथ भावनात्मक जुड़ाव का भी केंद्र रहे। 2022 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान एक सीनियर खिलाड़ी ने बताया था कि राजीव अक्सर बाउंड्री लाइन पर मुस्कान के साथ नजर आते थे और खेल खत्म होने के बाद खिलाड़ी सीधे उन्हीं के पास पहुंचते थे। वे खिलाड़ियों की जरूरत के हिसाब से प्रोटीन शेक्स, एनर्जी ड्रिंक्स और पानी तैयार रखते थे। इसके अलावा, मैदान पर भी वे टीम के काम आते थे। जब खिलाड़ी बाउंड्री के पास फील्डिंग कर रहे होते थे तो राजीव गेंद लौटाने का काम संभालते थे ताकि खिलाड़ी तरोताजा बने रहें और ओवर रेट पर असर न पड़े। राजीव का कई खिलाड़ियों से गहरा जुड़ाव रहा। खासकर हार्दिक पंड्या के साथ उनकी दोस्ती जगजाहिर रही है और दोनों की तस्वीरें कई बार सामने आईं। तेज गेंदबाजों के साथ भी उनका विशेष रिश्ता रहा, क्योंकि कठिन स्पेल्स के बाद वे तुरंत उनकी देखभाल करते थे। मोहम्मद शमी, इशांत शर्मा और राजीव के जन्मदिन सितंबर के लगातार तीन दिनों में आते हैं, जिस कारण उनकी तिकड़ी सोशल मीडिया पर भी चर्चा में रही। युजवेंद्र चहल ने भी एक बार बैक रूम स्टाफ की सराहना करते हुए कहा था कि खिलाड़ी भले ही पहचान में रहते हैं, लेकिन असली मेहनत ये लोग करते हैं जो पर्दे के पीछे टीम को मजबूत बनाते हैं।

सीपीएल 2025 : टी20 में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बने ताहिर

गुयाना (ईएमएस)। सीपीएल 2025 में शनिवार को गुयाना अमेजन वॉरियर्स और एंटीगुआ एंड बरबुडा फॉल्कंस के बीच खेले गए एक मुकाबले में अनुभवी स्पिनर और कप्तान इमरान ताहिर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए नया इतिहास रच दिया। ताहिर की घातक स्पेल की बदौलत गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने मुकाबले में जीत दर्ज की, वहीं ताहिर टी20 क्रिकेट में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बन गए। मैच में इमरान ताहिर ने अपने चार ओवर के स्पेल में एक मेडन डालते हुए मात्र 22 रन देकर पांच विकेट झटके। इससे पहले यह रिकॉर्ड मलावी के मोअज्जम अली बेग के नाम था, जिन्होंने सितंबर 2004 में कैमरून के खिलाफ 22 रन देकर पांच विकेट लिए थे। ताहिर ने इस उपलब्धि को हासिल कर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया।

इतना ही नहीं, ताहिर अब टी20 क्रिकेट के इतिहास में पांच विकेट लेने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज गेंदबाज भी बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 46 साल 149 दिन की उम्र में हासिल की। उनसे आगे केवल कुक आइलैंड के तोमाकानुटे रीतावा हैं, जिन्होंने 2022 में फीजी के खिलाफ 46 साल 299 दिन की उम्र में पांच विकेट लिए थे। इमरान ताहिर का टी20 करियर बेहद शानदार रहा है। 2006 से अब तक वे अंतरराष्ट्रीय और लीग क्रिकेट मिलाकर 436 टी20 मैच खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 419 पारियों में गेंदबाजी करते हुए कुल 554 विकेट हासिल किए हैं। इस आंकड़े के साथ वे टी20 इतिहास के चौथे सबसे सफल गेंदबाज हैं। उनसे आगे राशिद खान, ड्वेन ब्रावो और सुनील नरेन का नाम आता है।

एशिया कप से पहले बीमार हुए शुभमन गिल, दलीप ट्रॉफी से बाहर

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया टेस्ट टीम के कप्तान और युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल एशिया कप 2025 से पहले बीमार पड़ गए हैं। उनकी तबीयत ठीक न होने के कारण वे दलीप ट्रॉफी से हट गए हैं। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 28 अगस्त से 15 सितंबर तक होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गिल नॉर्थ जोन की कप्तानी करने वाले थे। लेकिन अब उनकी गैरमौजूदगी में उपकप्तान अंकिम कुमार टीम की बागडोर संभालेंगे। गिल को टी20 फॉर्मेट में खेले जाने वाले एशिया कप के लिए भारतीय टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है और बोर्ड के लिए उनकी फिटनेस सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम के फिजियो ने हाल ही में गिल की जांच की और बीसीसीआई को हेल्थ रिपोर्ट सौंप दी। वर्तमान में वह चंडीगढ़ स्थित अपने घर पर आराम कर रहे हैं। चयन समिति और बोर्ड के अधिकारियों ने गिल की उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की हैं कि गिल दलीप ट्रॉफी में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वैसे भी वह पूरी प्रतियोगिता के लिए उपलब्ध नहीं रहते क्योंकि एशिया कप की तैयारियों के चलते उन्हें टीम इंडिया से जुड़ना था। ऐसे में गिल केवल शुरुआती मैच के लिए ही उतर पाते।

गिल का हालिया फॉर्म की बात करें तो भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी राहत रहा है। इंग्लैंड दौरे पर खेले गए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांच टेस्ट मैचों में उन्होंने 754 रन बनाए और सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। यह उनके कप्तानी करियर की पहली टेस्ट सीरीज थी जिसमें उन्होंने भारत को 2-2 की बराबरी दिलाई और अपने नेतृत्व कौशल से सबको प्रभावित किया। उनकी अनुपस्थिति दलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए जरूर झटका है, हालांकि चयनकर्ताओं ने पहले ही शुभम रोहिल्ला को बैकअप के रूप में शामिल किया था।

पाकिस्तान की जगहंसाई की वजह बना सरफराज का इंस्टा पोस्ट

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद इन दिनों मैदान से ज्यादा सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने कराची में लंबे पावर कट की वजह से इंस्टाग्राम पर नाराजगी जताई। लेकिन उनका यह पोस्ट न केवल पाकिस्तानी सिस्टम की पोल खोल गया, बल्कि पड़ोसी देशों में भी पाकिस्तान की किरकिरी करा गया। दरअसल, 20 अगस्त को कराची में बारिश के कारण कई पावर ग्रिड ठप हो गए थे, जिससे कई इलाकों में घंटों बिजली नहीं थी। सरफराज कराची के बफर जोन इलाके में रहते हैं और वहां भी हालात यही रहे। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी डालते हुए लिखा, बफर जोन की बिजली बहाल करें। 10 घंटे हो गए हैं, यूपीएस ने भी काम करना बंद कर दिया है।

पूर्व कप्तान के इस पोस्ट से साफ हो गया कि पाकिस्तान का सबसे बड़ा और आर्थिक राजधानी कहे जाने वाला कराची भी बिजली संकट से अछूता नहीं है। दुनिया के सामने खुद को आधुनिक और वर्ल्ड क्लास सुविधाओं वाला देश बताने वाला पाकिस्तान हल्की बारिश में भी अंधेरे में डूब जाता है। सोशल मीडिया पर सरफराज का यह पोस्ट वायरल होते ही पाकिस्तान सरकार और बिजली विभाग की खूब आलोचना हुई। आम लोगों ने इसे अपने रोजमर्रा की परेशानी का आईना बताया तो वहीं कई फैंस ने तंज कसते हुए लिखा कि पाकिस्तान की हालत क्रिकेट की तरह ही बदहाल है।

इस विवाद के बीच सरफराज की क्रिकेट में वापसी पर भी चर्चा तेज हो गई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में एशिया कप और त्रिकोणीय सीरीज के लिए जो टीमें घोषित कीं, उनमें सरफराज का नाम नहीं था। लंबे समय से उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिल रही है। हालांकि, वह घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और वापसी के लिए मेहनत भी कर रहे हैं। लेकिन मौजूदा हालात देखकर लगता है कि उनका संघर्ष अभी और लंबा खिंच सकता है।

अमेरिकी सरकार ने इंटेल में 10% हिस्सेदारी लीः बदले में कंपनी को 8 बिलियन डॉलर की सब्सिडी

ट्रम्प बोले- इंटेल सीईओ ने अपनी नौकरी बचा ली

वॉशिंगटनः अमेरिकी सरकार ने टेक कंपनी इंटेल में 10% हिस्सेदारी ले ली है। सरकार इसके बदले कंपनी को करीब 8 बिलियन डॉलर की सब्सिडी देगी। इस बात की जानकारी अमेरिका के कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक ने दी है। जानकारी देते हुए लुटनिक ने X पोस्ट में लिखा, बड़ी खबर, अमेरिकी सरकार अब महान अमेरिकी टेक कंपनियों में से एक, इंटेल का 10% हिस्सा रखती है। इस ऐतिहासिक समझौते से सेमीकंडक्टर सेक्टर में अमेरिकी नेतृत्व मजबूत होगा, इससे हमारी अर्थव्यवस्था को ग्रोथ मिलेगा और अमेरिकी टेक सेक्टर को सिक्योरिटी। इंटेल के सीईओ को इस समझौते के लिए धन्यवाद।

ट्रम्प बोले- सीईओ नौकरी बचाने आए थे, लेकिन 10 बिलियन डॉलर दे गए

हाल ही में राष्ट्रपति ट्रम्प ने कंपनी के सीईओ लिप-बू टैन बीच हाल में हुई एक मुलाकात की थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रम्प ने टैन को उनकी कथित चीन से संबंधों की वजह से इस्तीफा देने के लिए कहा था। कंपनी में 10% हिस्सेदारी की बात पर ट्रम्प ने कहा कि उनके लिए यह एक बहुत अच्छी डील है। सीईओ ने अपनी नौकरी बचा ली।

सरकार की हिस्सेदारी से कंपनी का ग्रोथ बढ़ेगा

ट्रम्प प्रशासन ने इंटेल में यह हिस्सेदारी इसलिए ली है ताकी अमेरिका में चिप मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जा सके। इंटेल अमेरिका की इकलौती कंपनी है जो सबसे तेज और मॉडर्न चिप्स बना सकती है। लेकिन बीते कुछ साल में कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिप्स मार्केट में एनवीडिया और एएमडी जैसी कंपनियों से पिछड़ गई है। इसके अलावा, इंटेल की ओहायो में बन रही एक बड़ी फैक्ट्री में देरी हो रही है, जो ट्रम्प के लिए काफी खास है। क्योंकि यह प्रोजेक्ट न केवल आर्थिक बल्कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है।

कंपनी को 68,100 करोड़ की सब्सिडी मिलेगी

ब्लूमबर्ग के अनुसार, अमेरिकी सरकार ने कंपनी में यह हिस्सेदारी 2022 के चीप्स एक्ट के तहत ली है। जिसमें कंपनी को शेयर के बदले सब्सिडी दी जाएगी। इस एक्ट के तहत इंटेल को पहले ही करीब 7.8 बिलियन डॉलर (करीब 68,100 करोड़) की सब्सिडी की मंजूरी दी जा चुकी है, जिसमें से 2.2 बिलियन डॉलर (करीब 19,200 करोड़) मिल चुके हैं। अब ट्रम्प प्रशासन बाकी बचे 5.7 बिलियन डॉलर (करीब 49,764 करोड़) और कुछ अतिरिक्त फंडिंग को इंटेल के शेयरों में निवेश करने की योजना बना रहा है।

सरकारी हिस्सेदारी की खबर के बाद 7% चढ़ा शेयर

इंटेल में अमेरिकी सरकार की ओर से 10% हिस्सेदारी लेने की खबर के बाद कंपनी का शेयर कारोबार के दौरान 7% चढ़कर 25 डॉलर के पार चला गया। गया। हालांकि बाद में इसमें गिरावट रही और ये 5.53% ऊपर 24.80 डॉलर पर बंद हुआ। इंटेल का शेयर बीते 6 महीने में 2.18% और एक साल में 20.74% चढ़ा है। हालांकि , बीते 5 साल में कंपनी के शेयर की वैल्यू यानी 49.68% गिरकर आधी हो गई है। कंपनी का मार्केट कैप 10.85 हजार डॉलर (करीब 9,47,269 करोड़) रुपए है।

म्यूचुअल फंड उद्योग परिचालन जोखिमों और फर्जीवाड़े से रहे सतर्कः सेबी प्रमुख

- एएमसी को त्वरित कार्रवाई और पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय बाजार नियामक सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने म्यूचुअल फंड उद्योग को आगाह किया कि उन्हें केवल बाजार जोखिमों तक सीमित न रहकर परिचालन जोखिमों को भी गंभीरता से लेना होगा। उन्होंने कहा कि फर्जी निवेशकों द्वारा जालसाजी के मामलों में कोई व्यक्ति झूठे दस्तावेजों का सहारा लेकर असली निवेशकों की फंड यूनिट्स या राशि निकाल सकता है, जिससे निवेशकों का विश्वास गहराई से प्रभावित होता है। सेबी प्रमुख ने म्यूचुअल फंड एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में कहा कि एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को ऐसे धोखाधड़ी के मामलों में त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए और अपराध के बदलते तरीकों पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि धोखाधड़ी के मामलों की जानकारी सभी एएमसी और रजिस्ट्रार एजेंटों के साथ साझा की जाए ताकि भविष्य में दोहराव से बचा जा सके। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य ने भी म्यूचुअल फंड उद्योग से जिम्मेदाराना और नैतिक वृद्धि पर जोर दिया।

आईआरसीओएन इंटरनेशनन देगी एक रुपए फाइनल डिविडेंड

नई दिल्ली (ईएमएस)। रेलवे क्षेत्र की नवरत्न सरकारी कंपनी आईआरसीओएन इंटरनेशनल लिमिटेड ने अपने निवेशकों को 1 रुपए प्रति शेयर फाइनल डिविडेंड देने की घोषणा की है। यह डिविडेंड 2 रुपए फेस वैल्यू पर 50 फीसदी के रूप में दिया जाएगा। कंपनी ने बताया है कि डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 11 सितंबर तय की गई है। आईआरसीओएन ने मई 2025 में अपने चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों के साथ डिविडेंड की घोषणा की थी। हालांकि, इसका भुगतान 18 सितंबर को होने वाली कंपनी की 66वीं वार्षिक आम बैठक में मंजूरी मिलने के बाद ही किया जाएगा। डिविडेंड का भुगतान 1 अक्टूबर को किया जाएगा। डिविडेंड का लाभ पाने के लिए निवेशकों को रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के शेयर अपने डीमैट अकाउंट में रखने होंगे। पिछले कुछ वर्षों में आईआरसीओएन ने नियमित रूप से अच्छा डिविडेंड दिया है। फरवरी 2025 में कंपनी ने 1.65 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड दिया था। वर्ष 2024 में कंपनी ने दो बार 1.80 और 1.30 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड दिया।

भारत से 1.8 अरब डॉलर की निकासी, विदेशी निवेशक चीन-हॉन्गकॉन्ग की ओर शिफ्ट; ट्रंप टैरिफ का बड़ा असर

ग्लोबल इनवेस्टर्स का भारत के प्रति रुझान पिछले कुछ हफ्तों में तेजी से बदला है। भारत केंद्रित इक्विटी फंड्स से निवेशक भारी मात्रा में पैसा निकाल रहे हैं, जबकि चीन और हॉन्गकॉन्ग के फंड्स में निवेश बढ़ रहा है। इलारा कैपिटल की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले चार हफ्तों में भारत केंद्रित फंड्स से 1.8 अरब डॉलर की निकासी हुई है, जो जनवरी के बाद सबसे बड़ी निकासी है। दूसरी ओर, चीन के फंड्स में 3 अरब डॉलर और हॉन्गकॉन्ग के फंड्स में 4.5 अरब डॉलर का निवेश आया है। यह बदलाव उभरते बाजारों (इमर्जिंग मार्केट्स) में निवेश के रुझान में बड़ा उलटफेर है, जो 2023 से 2024 तक भारत के पक्ष में था।

रिपोर्ट के अनुसार, यह बदलाव अक्टूबर 2024 में डॉनल्ड ट्रंप की अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद शुरू हुआ। तब से भारत से 3.7 अरब डॉलर की निकासी हो चुकी है, जबकि चीन में 5.4 अरब डॉलर का निवेश आया है। यह स्थिति मार्च 2024 से सितंबर 2024 के बीच की तस्वीर से बिल्कुल उलट है, जब भारत में 29 अरब डॉलर का निवेश आया था और चीन से 26 अरब डॉलर की निकासी हुई थी।

बड़े फंड्स पर भारी दबाव, घरेलू निवेश दे रहा सहारा

इलारा कैपिटल की रिपोर्ट में बताया गया कि हाल की 1.8 अरब डॉलर की निकासी में से 1 अरब डॉलर ETF (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स) से और 770 मिलियन डॉलर एक्टिव फंड्स से निकाले गए। अप्रैल में ट्रंप के टैरिफ से जुड़े डर के बाद आए निवेश ज्यादातर ETF में केंद्रित थे, लेकिन अक्टूबर से लॉन्ग-ओनली फंड्स पर लगातार निकासी का दबाव बना हुआ है। बड़े ग्लोबल फंड्स जैसे विजडमट्री, इनवेस्को, श्रोडर, अमुंडी और फ्रैंकलिन इंडिया से भारी बिकवाली देखी गई, खासकर लार्ज-कैप केंद्रित रणनीतियों में। हालांकि, घरेलू फंड्स की मजबूत खरीदारी ने इस बिकवाली के असर को कुछ हद तक कम किया है। नॉमुरा की एक हालिया रिपोर्ट में भी भारत के प्रति निवेशकों का घटता भरोसा उजागर हुआ है। 45 बड़े इमर्जिंग मार्केट फंड्स के विश्लेषण में पता चला कि जुलाई में भारत में निवेश 110 बेसिस पॉइंट्स कम हुआ और 41 फंड्स ने अपनी हिस्सेदारी घटाई।

अमेरिकी सरकार ने इंटेल में 10 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी सरकार ने चिपमेकर कंपनी इंटेल में करीब 10 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐतिहासिक फैसला किया है। इस डील की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इंटेल के सीईओ ने की। पिछली बाइडन सरकार ने इंटेल को आर्थिक मदद देने का एलान किया था, लेकिन ट्रंप ने इस सहायता के बदले कंपनी में हिस्सेदारी लेने की मांग की थी। दोनों पक्षों के बीच सहमति बनने के बाद अब सरकार को इंटेल के सामान्य स्टॉक के 43.3 करोड़ शेयर मिले हैं, जो कंपनी का 9.9 प्रतिशत है। इस हिस्सेदारी की कीमत करीब 8.9 अरब डॉलर है, जिसमें से 5.7 अरब डॉलर चिप्स और विज्ञान कानून के तहत अनुदान के रूप में दिया जाएगा। बाकी 3.2 अरब डॉलर सिक्योर एन्क्लेव कार्यक्रम के तहत कंपनी को मिलेंगे। इससे पहले भी इंटेल को 2.2 अरब डॉलर के अनुदान मिल चुके हैं, जिससे कुल राशि 11.1 अरब डॉलर हो जाती है। इंटेल में सरकार का निवेश निष्क्रिय होगा, यानी बोर्ड या कंपनी के संचालन में सरकार की कोई भागीदारी नहीं होगी। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने कहा कि यह समझौता अमेरिका के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नेतृत्व को मजबूत करेगा।

3-4 सितंबर को होगी जीएसटी काउंसिल की मीटिंगः जीएसटी के 12%-28% वाले स्लैब खत्म हो सकते हैं

नई दिल्लीः जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग 3 से 4 सितंबर तक दिल्ली में होगी। मीटिंग की अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। जीएसटी से जुड़े मामलों में आखिरी फैसला जीएसटी काउंसिल ही लेती है। काउंसिल में मेंबर के तौर पर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्री शामिल हैं। जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में जीएसटी के स्लैब को कम करने को लेकर फैसला आ सकता है। मीटिंग में जीएसटी के 12% और 28% के स्लैब को खत्म करने की मंजूरी मिल सकती है। अगर ऐसा होता है तो जीएसटी के सिर्फ दो स्लैब 5% और 18% ही होंगे। लग्जरी आइटम्स 40% के दायरे में आएंगे। अभी जीएसटी के 4 स्लैब 5%, 12%, 18%, और 28% होते हैं।

जीएसटी काउंसिल के मंत्रियों के समूह की मिल चुकी है मंजूरी

इससे पहले गुरुवार को हुई जीएसटी काउंसिल के मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने जीएसटी के 12% और 28% के स्लैब को खत्म करने की मंजूरी दे दी थी। जीओएम की बैठक पर

इसके संयोजक सम्राट चौधरी ने कहा- हमने केंद्र सरकार के प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें 12% और 28% के जीएसटी स्लैब को खत्म करने की बात है। इसे जीएसटी काउंसिल के पास भेजा गया है जो इस पर फैसला लेगी।

पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर जीएसटी रिफॉर्म्स का ऐलान किया था

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से कहा था कि इस साल दिवाली में बड़ा तोहफा मिलने वाला है। हम नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स लेकर आ रहे हैं। सामान्य लोगों के लिए टैक्स कम कर देंगे, रोजमर्रा की चीजें सस्ती हो जाएगी, लोगों को बहुत फायदा होगा।

ये सामान सस्ते होंगेः इन पर टैक्स 12% से 5% होगा

एक्सपर्ट के मुताबिक सूखे मेवे, ब्रांडेड नमकीन, टूथ पाउडर, टूथपेस्ट, साबुन, हेयर ऑयल, सामान्य एंटीबायोटिक्स, पेनकिलर दवाएं, प्रोसेस्ड फूड, स्नैक्स, फ्रोजन सब्जियां, कंडेंस्ड मिल्क, कुछ मोबाइल, कुछ कंप्यूटर, सिलाई मशीन, प्रेशर कुकर, गीजर जैसी चीजें सस्ती होंगी। इनके अलावा बिना बिजली वाले पानी के फिल्टर, इलेक्ट्रिक आयरन, वैक्यूम क्लीनर, 1000 रुपए से ज्यादा के रेडीमेड कपड़े, 500-1000 रुपए की रेंज वाले जूते, ज्यादातर वैक्सीन, एचआईवी/टीबी डायग्नोस्टिक किट, साइकिल, बर्तन पर भी कम टैक्स लगेगा। ज्योमेट्री बॉक्स, नक्शे, ग्लोब, ग्लेज्ड टाइल्स, प्री-फैब्रिकेटेड बिल्डिंग, वेंडिंग मशीन, पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाहन, कृषि मशीनरी, सोलर वॉटर हीटर जैसे प्रोडक्ट भी 12% के टैक्स स्लैब में आते हैं। दो स्लैब की मंजूरी के बाद इन पर 5% टैक्स लगेगा।

दैनिक पंचांग

24 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: ६ मंगल; शुक्र बुध ४; ७; ३ गुरु; केतु सूर्य चंद्र ५; ८; २; ११; राहु; ९; १; १०; शनि १२)

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.24 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	09.35 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.50 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	14.06 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	16.11 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.57 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.30 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	21.01 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.41 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.39 बजे से
4.30 से 6.00		कर्क	02.52 बजे से
बजे तक		सिंह	05.09 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 236 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ला
तिथि प्रतिपदा 11.49 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 02.06 बजे को रात्र समाप्त।
योग शिव 12.30 बजे को समाप्त।
करण बव 11.49 बजे तदनन्तर बालव 00.08 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 0.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 05'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872446
जूलियन दिन 2460911.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर **तारीख** 29
विशेष चंद्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7386

बाएँ से दाएँ
1. आकाश, व्योम-2
2. नाजुक, मुलायम-3
4. हार, पराजय-2
6. संध्या, सांझ, गोधूलि-2
7. जोर, बल-2
9. सोना, धतूरा-3
12. नाप-जोख करना-3
14. सिक्कों की आवाज-3
16. रहस्यज्ञाता-4
17. तालाब, ताल, तलैया-4
18. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
20. गिरवी वस्तु-3
22. सैनिक कार्रवाई-3
24. चिट्ठी, पत्र-2
26. बर्तन-2
27. सुर, क्रम-2
28. वाचन करने वाला-3
29. पितामह-2

ऊपर से नीचे
1. लवण-3
2. भीगा हुआ-2
3. खुमार, नशा-2
5. सर्दी में हाथ सेंकना-3
6. भाजी, सब्जी, तरकारी-2
8. इंकार, मनाही-2
10. मस्जिद, नमाज पढ़ने की जगह-5
11. आम जनता-2
13. लालन-पालन-5
14. इमाम दस्ता -3
15. वचन, प्रतिज्ञा-3
19. रुखसार, कपोल-2
20. पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21. नाखून-2
22. सखा, दोस्त-2
23. निजात, छुटकारा-3
25. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26. पवित्र-2

शब्द पहेली -7385 का हल

म	हा	का	ल	■	च	र	क	■
त	र	■	ह	■	कि	■	ला	क
वा	■	ह	जा	म	त	■	■	सू
ला	य	क	■	द	■	ना	सू	र
■	■	ला	वा	■	व	जु	■	■
ना	प	ना	■	आ	■	क	या	स
य	■	■	म	हा	न	ता	■	र
क	था	■	जा	■	र	■	सी	ता
■	ल	ल	क	■	म	हा	रा	ज

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6927

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	21	20	17	■	35	27	11	12	■
16		3		■		3		2	16
22	6		9	■	7		5		21
7		5	■	7		9		3	29
35	8		6		3		■	■	■
■	■	■		3		7		8	36
29	5		6		6	■	8		15
21		5		7	■	3		7	12
20	5		9		■		5		20
■	13	17	33	30	■	10	23	30	■

अंकजाल 6926 का हल

■	12	13	35	30	■	12	16	22	■
24	2	6	7	9	■	7	2	5	14
20	5	4	9	2	■	5	8	7	20
25	5	3	8	2	7	■	4	7	11
■	■	■	5	7	8	9	2	3	34
35	8	5	6	7	3	6	■	■	■
7	2	5	■	3	4	7	8	8	30
19	5	8	6	■	4	6	8	7	25
14	3	5	6	■	7	3	2	7	19
■	18	23	12	■	33	31	18	22	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 5871

1	2		4		6	
	27		29		38	
5		7	1		3	4
	36	2	30	1	26	
3			6	7		
6	42		39		23	3
7		5		3		1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5870 का हल

1	6	7	3	4	2	5
6	31	2	28	3	30	1
5	1	3	4	2	6	7
4	27	4	26	1	39	6
2	3	5	1	6	7	4
7	34	6	35	7	40	3
3	7	1	4	5	6	2

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1969 इराक ने अमरीका और इजरायल के लिए जासूसी के आरोप में 15 व्यक्तियों को मौत के घाट उतार दिया गया.

1969 वी.वी. गिरी ने चौथे राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली.

1974 फखरुद्दीन अली अहमद पांचवे राष्ट्रपति बने.

1979 इटली में विसुवियस ज्वालामुखी के फूटने से पांपियाई और बर्हुलेनियम शहर दफन हो गए.

1976 सोवियत संघ के दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में 48 दिन रहने के बाद वापस लौटे.

1986 पाकिस्तान सरकार ने विपक्षी दलों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी थी.

1991 मोरारजी देसाई को भारत रत्न से सम्मानित किया गया

1993 भारतीय क्रिकेट के पितामह प्रोफेसर दिनकर बलवंत का 101 वर्ष की आयु में निधन.

गणित पहेली - 5231

29		50		30		2	=	51
	■		■		■		■	
22		20		5		2	=	8
	■		■		■		■	
17		8		10		1	=	20
	■		■		■		■	
8		20		70		2	=	45
=	■	=	■	=	■	=	■	=
16		2		86		7	=	68 / 93

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5230

55	+	5	÷	2	x	2	=	60
-	■	+	■	+	■	x	■	-
39	+	56	-	2	-	35	=	58
+	■	-	■	+	■	-	■	x
24	÷	2	+	68	÷	2	=	40
-	■	-	■	-	■	-	■	-
25	x	3	-	70	+	50	=	55
=	■	=	■	=	■	=	■	=
15	+	56	-	2	-	18	=	25 / 51

शब्दजाल- 6918

अ	गो	र	कु	छ	तो	है	म	ला	नी	क्या
न	ल	क	ज	इं	डो	ने	ह	क	जी	कु
बं	मा	आ	ट	म	न	इ	व	न	ना	ल
टी	ल	ल	मा	ज	ल	स	रा	प	सि	है
औ	मु	झे	कु	छ	क	ह	ना	है	र्फ	ह
गा	जे	कि	र	य	द	का	म	ल	मे	म
य	मा	दे	श	व	ह	स	त	पी	रे	दी
ब	दे	क	र्त	न	प	दि	खा	की	लि	श
ली	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	ए	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	रा	जा	क्या	दि	ल	ने	क	हा	र	म

शब्दजाल में तुषार कपूर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

गोलमाल, क्या कुल है हम, कुछ तो है, जीना सिर्फ मेरे लिए, खाकी, मुझे कुछ कहना है, यह दिल, शर्त, गायब, क्या दिल ने कहा.

शब्दजाल - 6917 का हल

जु	श	मु	म	स्ती	त	हो	प	न	र	द
र्म	क्रि	ल	ना	द	म	जा	अं	दा	ज	क
य	के	दो	हे	नि	इ	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	स्ती	न	शा	वा	न्सा	क	ले	ज	की
प	दा	सा	भा	ने	तो	हो	न	गो	खा	त
ब	जि	त	प	ग	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	प	न्दा	न	जी	म	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	क	प	क्श	प	भा	र	चो	आ	ख
र	व	त	म	रा	भी	त	ग	अ	न	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
मुं	ब	ई	से	आ	या	मे	रा	दो	स्त	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

पुलिस जवान की पत्थर से कूचकर हत्या

पलामू: जिला में पुलिस जवान की पत्थर से कूचकर हत्या की गई है. पुलिस जवान देवघर में श्रावणी मेला की ड्यूटी के बाद से लापता था. पुलिस ने जवान के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है. दरअसल, गुरुवार को पलामू में लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के जंगल से पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया. उस व्यक्ति की पत्थर से कूचकर हत्या की गई थी. बाद में शव की पहचान पुलिस जवान विजय उरांव के रूप में हुई. विजय उरांव पलामू के सदर थाना क्षेत्र के चियांकि के रहने वाले थे. विजय उरांव पुलिस ट्रेनिंग सेंटर मुसाबनी में ट्रेनिंग कर रहे थे. इसी क्रम में उनकी तैनाती देवघर श्रावणी मेला में हुई थी. विजय उरांव की पत्नी ने पुलिस को बताया है कि श्रावणी मेला के बाद से ही उनसे बातचीत नहीं हो रही थी. बाद में उनसे संपर्क की कोशिश की गई थी उनसे लेकिन संपर्क नहीं हो पा रहा था. साथी जवान भी विजय की खोजबीन कर रहे थे. पूरे मामले को लेकर पत्नी सीटीसी मुसाबनी भी गई थी और शुक्रवार को पलामू पुलिस के वरीय अधिकारियों के साथ मुलाकात करने के लिए भी गई थी. इस घटना को लेकर लेस्लीगंज थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि गुरुवार को बरामद शव की पहचान पुलिस जवान विजय उरांव के रूप में हुई है. शव को पोस्टमार्टम के लिए रांची के रिम्स भेजा गया है. पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है. थाना प्रभारी ने बताया कि गला दबाकर और पत्थर से कूचकर जवान की हत्या की गई है. मृतक की पत्नी ने पुलिस को कई बातों की जानकारी दी है और बताया है कि पुलिस जवान पिछले कई दिनों से लापता था.

प्रदेश कांग्रेस सेवा दल का प्रशिक्षण शिविर शुरू

रांची: झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने शनिवार को संयुक्त रूप से प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया। रांची के नामकुम बगीचा में आयोजित शिविर के पहले दिन सभी जिलों से आए कांग्रेस सेवा दल के स्वयंसेवकों ने भाग लिया तथा समाज और राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने इस अवसर पर कहा कि सेवा दल केवल संगठन नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या और बलिदान का ज्वलंत प्रतीक है। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने राष्ट्र के लिए प्राणों का बलिदान दिया। सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद का त्याग कर देशहित को सर्वोपरि रखा। राहुल गांधी ने चार हजार किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा से पूरे देश को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य किया। यही कांग्रेस की परंपरा है। उन्होंने कहा कि सेवा दल के कार्यकर्ता देशभक्ति, अनुशासन, सामाजिक सेवा, गरीब-वंचितों की मदद, युवाओं को जोड़ने, सांप्रदायिक सौहार्द और कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने इस मौके पर कहा कि सेवा दल का मतलब ही सेवा है। कांग्रेस की राजनीति जाति-धर्म में बांटने की नहीं, बल्कि हर वर्ग की भलाई की है। कांग्रेस सेवा दल समाज को जोड़ने का काम करता है। वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड अपार प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है, लेकिन भाजपा सरकारों ने कभी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में ईमानदारी से काम नहीं किया। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार संकल्प के साथ गांव-गांव तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बेहोशी की हालत में मिलीं कोडरमा जिला कल्याण पदाधिकारी, गंभीर हालत में रांची रेफर

कोडरमा: जिला कल्याण पदाधिकारी अपने दूधिमाटी आवास में बेहोश पाई गई हैं. जिसके बाद उन्हें कोडरमा सदर अस्पताल पहुंचाया गया हैं जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. इसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया है. इस घटना की जानकारी देते हुए कल्याण पदाधिकारी शीतल उषा किरण कांडील के वाहन चालक शंकर कुमार ने बताया कि कल्याण पदाधिकारी कोडरमा थाना क्षेत्र के दूधिमाटी में किराए के मकान में रहती हैं. उन्होंने बताया कि वह हर दिन की भांति शनिवार को भी मैडम को कार्यालय ले जाने के लिए 9 बजे उनके दूधिमाटी स्थित आवास पर गए. जहां पहुंचने पर उन्होंने मैडम को आवाज लगाई और फोन भी किया लेकर मैडम के आवास से कोई जवाब नहीं मिला. जिससे मुझे लगा कि शायद वो ऑफिस जाने के लिए तैयारी हो रही होंगी, इसलिए फोन नहीं उठाया. करीब एक घंटा इंतजार करने पर जब दोबारा उन्हें फोन किया लेकिन उनका कोई जवाब नहीं मिला. जिसके बाद ड्राइवर ने आवाज लगानी शुरू की, इसपर मकान मालिक ने कहा कि मैडम आज सुबह से ही घर से बाहर नहीं निकलीं हैं. ड्राइवर शंकर कुमार ने बताया कि कई बार फोन करने और आवाज देने पर मैडम का जवाब नहीं मिलने पर मुझे शक हुआ. मैने मकान मालिक को नीचे बुलाकर उनके दरवाजे को काफी पीटा, कोई जवाब नहीं मिलने पर जब कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो देखा कि वो जमीन पर बेहोशी की हालत में गिरी पड़ी हैं. इसके बाद हम लोगों ने एंबुलेंस बुलाकर उन्हें सदर अस्पताल पहुंचाया. इधर सदर अस्पताल में उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है.

तेजस्वी पर प्राथमिकी दर्ज करना निंदनीय : राजद

रांची: झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेताओं ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के बिहार दौरे को लेकर तेजस्वी यादव द्वारा किए गए पोस्ट के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की ओर से दर्ज करवाई गयी प्राथमिकी (एफआईआर) की निंदा की है। रांची स्थित राजद प्रदेश कार्यालय में शनिवार को आयोजित पार्टी नेताओं की बैठक में प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा कि भाजपा की ओर से की गई यह कार्रवाई निंदनीय है। नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव बिहार के लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने बिहार में डबल इंजन सरकार के जनविरोधी नीतियों को सार्वजनिक किया है। तेजस्वी बिहार में 63 फीसदी बेरोजगार युवाओं की आवाज उठाने, बेतहाशा महंगाई, किसानों की समस्या, बाढ़ पीड़ितों की मदद करने और मतदाताओं के पुनरीक्षण अधिकार की बात मजबूती से करने के लिए हमेशा सशक्त आवाज उठाते रहे हैं। कैलाश यादव ने कहा कि तेजस्वी यादव के पोस्ट का प्रदेश राजद के कार्यकर्ता समर्थन करते हैं। क्योंकि डबल इंजन की सरकार ने बिहार में एक सुई का कारखाना भी नहीं लगा सकी है। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में प्रधानमंत्री मोतिहारी और चंपारण में जनसभा को संबोधित करते हुए कई वादे किए थे, लेकिन उनमें से कोई पूरा नहीं किया गया। बैठक में सुनीता चौधरी, विश्वनाथ राम, घूरा, राजेश रौशन, रामकुमार यादव, सुधीर गोप सहित अन्य लोग मौजूद थे।

'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुईं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, कटिहार में सुना 'मखाना' मजदूरों का दर्द

तेजस्वी प्रसाद यादव सहित आईएनडीआईए ब्लॉक के कई नेता हुए शामिल

रांची: बिहार में चल रही वोटर अधिकार यात्रा में झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल हुईं. कटिहार में कुर्सेला शहीद स्मारक चौक से शुरू हुई यात्रा में शामिल होने के बाद मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इस यात्रा को जिस तरह का अपार जनसमर्थन बिहार में मिल रहा है उससे साफ है कि देश और बिहार की जनता यह जान गई है कि SIR की आड़ में उनके वोट के अधिकार को छीनने की कोशिश की जा रही है. कटिहार में राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' में बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव सहित INDIA ब्लॉक के कई नेता शामिल हुए.

मखाना मजदूरों का राहुल गांधी ने दर्द सुना: राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल होने के लिए कटिहार गई शिल्पी नेहा तिर्की ने बताया कि कटिहार के कोढ़ा में 'मखाना' बनाने वाले मजदूरों की पीड़ा को राहुल गांधी ने विस्तार से सुना. इस दौरान कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी मौजूद रहीं.

जनता के अधिकार को छीनने नहीं दिया जाएगा- शिल्पी नेहा तिर्की: कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि आम जनता को संविधान के तहत मिले 'वोट के अधिकार' को बचाने के लिए बिहार की सड़कों पर जनसैलाब उतरा है. चुनाव आयोग के खिलाफ लोगों के मन में गुस्सा और सड़कों पर समर्थन का जनसैलाब नजर आ रहा है. किसी भी हाल में लोकतंत्र में जनता को मिलने वाले वोट के अधिकार को छीनने नहीं दिया जाएगा.\

'वोटर अधिकार यात्रा' में कई बड़े नेता शामिल हुए: कटिहार में राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' में सीपीआई माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, VIP सुप्रीमो मुकेश साहनी, पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव सहित बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए.

रांची: रिम्स-2 स्थल के 200 मीटर क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू

संवाददाता रांची: कांके अंचल अंतर्गत मौजा नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स–2 के सीमांकन एवं फेंसिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। इस दौरान यह देखा गया कि उक्त स्थल पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो रही है तथा कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा फेंसिंग के अंदर प्रवेश का प्रयास एवं विधि-व्यवस्था भंग करने की आशंका बनी हुई है। शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर, रांची द्वारा बीएनएसएस की धारा-163 के अंतर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए कांके अंचल अंतर्गत मौजा नगड़ी स्थित प्रस्तावित रिम्स–2 के 200 मीटर परिधि में निषेधाज्ञा लागू की गई है।

निषेधाज्ञा के मुख्य बिंदु

- 5 से अधिक लोगों का जमावड़ा प्रतिबंधित।
- ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पर प्रतिबंध।
- हरवे-हथियार पर प्रतिबंध।
- बैठक और आमसभा पर प्रतिबंध।

यह निषेधाज्ञा तत्काल प्रभाव से लागू की गई है और आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारी एवं कर्मचारी इससे मुक्त रहेंगे।

महानगरों की तर्ज पर विकसित होगा रांची एयरपोर्ट क्षेत्र, 45.3 करोड़ मंजूर

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एयरपोर्ट की ओर शहर के प्रवेशद्वार एयरपोर्ट रोड, हीनू चौक और बिरसा चौक मार्ग का विकास महानगरों की तर्ज पर करने का निर्देश दिया है। इस क्रम में नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने संबंधित पांच योजनाओं के लिए 45 करोड़ तीन लाख 64 हजार 500 रुपये की मंजूरी दे दी है। नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने इसे लेकर जुडको को जल्द निविदा निकाल कर क्रियान्वयन शुरू करने का निर्देश शनिवार को दिया है।

प्रधान सचिव ने कहा है कि शहरी नियोजन के तहत राजधानी के एयरपोर्ट क्षेत्र का आधुनिकीकरण और सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। ताकि आने वाले अतिथियों को अच्छी अनुभूति प्राप्त हो। सुगम यातायात के लिए एयरपोर्ट से हीनू चौक तक सड़क सुदृढ़ीकरण के लिए 10 करोड़ 42 लाख 27 100 रुपये, हार्ड एंड साफ्ट स्केप (हरियाली पूर्ण एवं प्रकाशयुक्त सजावट) के लिए 14 करोड़, 64 लाख 78 हजार 800, हीनू से बिरसा चौक सड़क के सुदृढीकरण के लिए सात करोड़ 50 लाख 73 हजार 200 रुपये, हार्ड एवं साफ्ट स्केप के लिए नौ करोड़ तीन लाख 38 हजार 800 रुपये और हीनू चौक और गोलंबर के विकास के लिए तीन करोड़ 42 लाख 46600 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी है।

एयरपोर्ट से हीनू चौक तक की सडक होगी छह लेन: एयरपोर्ट से हीनू चौक मार्ग : (1.65 किमी) वर्तमान मार्ग को यथासंभव छह लेन बनाया जाएगा। सतह नवीनीकरण, फुटपाथ, साइक्लिंग पाथ, स्मार्ट स्ट्रीट लाइट, फ्लोरिंग पैनल, एलइडी लाइटिंग, जनजातीय कला संस्कृति पर आधारित दीवारों पर चित्रकारी की जाएगी। साथथ ही सडक के दोनों ओर पत्थर की कलाकृतियां, झारखंड की प्राचीन कला संस्कृति पर आधारित भव्य तोरणद्वार, लैंड स्केपिंग, डिजाइनदार पेड़ पौधे, पेयजल और प्रसाधन, खाली स्थान पर पार्क और पार्किंग की व्यवस्था होगी।

हीनू चौक से बिरसा चौक : (1.2 किमी) सड़कें सतह नवीनीकरण के साथ सौंदर्यीकरण, छह लेन की सडक का निर्माण किया जाएगा। डिवाइडर को पेड पौधों से सजावट की जाएगी। साथ ही लैंड स्केपिंग, पेवर ब्लॉक, फुटपाथ, साइकिल पाथ वे बनाया जाएगा।, सड़क के दोनों ओर छायादार वृक्ष, डिजाइनदार पौधे, आकर्षक स्ट्रीट और एलइडी लाइट, लैंड स्केपिंग, शौचालय बनाए जाएंगे।

सरकार सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर गंभीर: दीपक बिरूआ

चाईबासा: पश्चिम सिंहभूम के चाईबासा विधानसभा क्षेत्र के झींकपानी प्रखंड अंतर्गत कुदाहातु पंचायत के चाड़ाबासा में मडकमपी चौक से बायाबासा होते हुए चेड़यापहाड़ी तक पीसीसी सड़क बनेगी। शनिवार को इस सड़क के निर्माण कार्य का शिलान्यास झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री दीपक बिरूआ ने पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर किया।

सड़क शिलान्यास के अवसर पर मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि सड़क विकास की रीढ़ होती है। सड़क के माध्यम से आवागमन की सुविधा बेहतर होती है और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर गंभीर है।

मंत्री ने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निर्माण कार्य समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह सड़क काफी जर्जर है, जिससे विशेषकर बरसात के मौसम में ग्रामीणों को काफी परेशानी होती है और दुर्घटनाओं की भी आशंका बनी रहती है।

पीसीसी सड़क बन जाने से लोगों को राहत मिलेगी और क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग से क्षेत्र में निरंतर विकास हो रहा है और आने वाले समय में यह गति और तेज होगी।

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड से बनने वाली सड़क की घोषणा होते ही क्षेत्र के ग्रामीणों में उत्साह और खुशी का माहौल है। शिलान्यास कार्यक्रम में कुशनु बारी, हरिकृष्णा बारी, पंकज बारी, दुर्गा चरण बारी, बासुदेव खडाईत, हरीश बारी, जामदार बारी, जयन्ती बारी, सीताकुई बारी, दीपक बारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मनिपाल मेडिकल कालेज के खिलाफ छात्रों का जोरदार प्रदर्शन

छात्र दिव्यांशु पांडे के आत्महत्या पर छात्रों में आक्रोश

जमशेदपुर: सिदगोड़ा थाना अंतर्गत बारिडीह स्थित मणिपाल मेडिकल कॉलेज के सभी छात्रों ने प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया है। छात्र- छात्राएं कॉलेज के विनय कुमार और सुमित झा को हटाने की मांग कर रहे हैं। दरअसल इनके गुस्से का कारण तृतीय वर्ष के छात्र दिव्यांशु पांडे की मौत बताई जा रही है। धरने पर बैठे छात्र- छात्राओं ने बताया कि लचर व्यवस्था के कारण दिव्यांशु की मौत हुई हैश उन्होंने बताया कि यदि समय रहते दिव्यांशु को एम्बुलेंस की सुविधा मिल गई होती तो उसे बचाया जा सकता था। मालूम हो कि गुरुवार की रात दिव्यांशु पांडे ने सल्फास की गोली खाकर आत्महत्या कर ली थी। उसे समय पर यदि एंबुलेंस की सेवा मिल गई होती तो शायद उसकी जान बच सकती थी। बताया जाता है कि दिव्यांशु डिप्रेशन में था और इसी वजह से उसने आत्महत्या की है। छात्र- छात्राओं ने प्रबंधन के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं इस संबंध में जब प्रबंधन का पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने पल्ला झाड़ लिया। इधर छात्रों के आक्रोश को देखते हुए कैम्पस में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। छात्र-छात्राओं ने साफ कर दिया है कि जब तक दोषी पदाधिकारियों को हटाया नहीं जाता उनका धरना जारी रहेगा। बताया जाता है कि सुमित झा ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट का काम देखता है और विनय कुमार प्रबंधन में उच्च पद पर आसीन है।

अमावस्या पूजा: जुगसलाई राणी सती दादी मंदिर में भक्तों की भीड़ से बना मेला जैसा माहौल

जमशेदपुर: शनिवार को जुगसलाई गर्ल्स स्कूल रोड स्थित श्री राणी सती दादी मंदिर मे हर साल की तरह इस साल भी भादो मास अमावस्या को उत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धा और विश्वास के साथ भादो अमावस्या पर झुंझुनू वाली श्री राणी सती दादी जी की विशेष पूजा सुबह 06.30 बजे से शुभारंभ हुई। मंदिर के पुजारी बिमल पाण्डेय ने पूजा करायी। लगातार हो रही बारिश में भी भादो अमावस्या पर मंदिर में पूजा एवं दर्शन के लिए दूर-दराज से भी दिन भर दादी भक्तों का आना-जाना लगा रहा। जिससे मंदिर में मेला जैसा माहौल बना रहा।

बोकारो में छात्र पर एसिड अटैक: घर से एक किलोमीटर दूर संदिग्ध हालत में मिली लाश

बोकारो: जिला में नावाडीह थाना क्षेत्र के बाराडीह गांव से 17-18 वर्षीय छात्र का शव बरामद किया गया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया एसिड से जलाकर छात्र की हत्या की गई है. शरीर पर कई जगह जलने के निशान भी मिले हैं. हालांकि हत्या का कारण और हत्यारोपी का पता नहीं चल सका है.

बताया जा रहा है कि बुधवार शाम से छात्र लापता था. इस बीच शुक्रवार शाम को जंगल में मवेशी चराने गए लोगों की नजर छात्र पर पड़ी. लोगों ने इसकी सूचना तुरंत गांव वालों को दी. जिसके बाद उसकी पहचान दो दिन से लापता सूरज महतो के रूप में की गई. छात्र का शव उसके घर से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर जंगल से बरामद किया गया.

इस घटना की सूचना मिलते ही शुक्रवार देर शाम बेरमो सर्किल इंस्पेक्टर नवल किशोर सिंह, नावाडीह थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी दलबल के साथ मौके पर पहुंची. इसके बाद शव को बरामद कर छानबीन शुरू कर दी गई. पुलिस को मौके से सूरज का फोन भी मिला है.

इस मामले को लेकर बेरमो सर्किल इंस्पेक्टर नवल किशोर सिंह ने बताया कि जंगल में मवेशी चराने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि एक लड़के की डेड बॉडी देखी गयी है. इस सूचना के तहत पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

स्वर्णिम भारत एक्सपो 2025 का तीसरे दिन हुआ समापन

प्रतिभागियों का सम्मान और पुरस्कार वितरण

संवाददाता रांची: परिचित फ़ाउंडेशन द्वारा आयोजित स्वर्णिम भारत एक्सपो 2025 का तीसरा और अंतिम दिन भव्य समापन समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। सरला बिरला यूनिवर्सिटी के कला मंडपम हॉल में आयोजित इस अवसर पर हजारों युवाओं की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

मुख्य अतिथि बाबूलाल मरांडी, भाजपा अध्यक्ष, झारखंड, आदित्य साहू, माननीय सांसद, राज्यसभा, विशिष्ट अतिथि, डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा, सांसद, झारखंड। समापन दिवस पर आयोजित फेलिसिटेशन सेरेमनी में एक्सपो से जुड़े प्रतिभागियों, सहयोगी संस्थाओं और प्रदर्शनकारियों को सम्मानित किया गया।

अतिथियों के विचार: बाबूलाल मरांडी ने कहा- स्वर्णिम भारत एक्सपो ने युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा को राष्ट्रीय मंच दिया है। इस तरह के आयोजनों से न केवल युवाओं को अवसर मिलता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में ठोस कदम भी बढ़ते हैं। यह आयोजन झारखंड के लिए गौरव का विषय है और आने वाले समय में इसे और बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाना चाहिए।

आदित्य साहू (मुख्य अतिथि, सांसद राज्यसभा) ने अपने संबोधन में कहा- इस एक्सपो में भाग लेने वाले हजारों युवाओं की भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल हाथों में है। यहां प्रदर्शित नवाचार, तकनीकी विकास और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को प्रेरित किया।

डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा (विशिष्ट अतिथि, सांसद झारखंड) ने कहा- मैं परिचित फ़ाउंडेशन को बधाई देता हूँ कि उन्होंने इतने बड़े स्तर पर युवाओं और संस्थानों को एक साथ लाने का प्रयास किया। एक्सपो में लगे आकर्षक स्टॉल और प्रतिभागियों की प्रस्तुतियाँ यह दर्शाती हैं कि हमारे युवा नई सोच और शोध के माध्यम से भारत को विश्व पटल पर अग्रणी बनाएंगे।

तीन दिनों तक चले इस एक्सपो में नवाचार, आत्मनिर्भर भारत, युवा सशक्तिकरण और सांस्कृतिक धरोहर को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। स्टार्टअप्स, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी विभागों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी ने इसे और अधिक प्रभावी बनाया। अतिथियों ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान करते हुए कहा कि ये स्टॉल युवाओं को प्रेरित करने और भारत की वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति को दर्शाने वाले रहे।

आयोजनकर्ता परिचित फ़ाउंडेशन ने अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर राष्ट्र निर्माण और युवा सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

समापन समारोह में सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन और सरला बिरला पब्लिक स्कूल की माननीया प्राचार्या मनीषा शर्मा समेत अन्यान्य शिक्षकगण और शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान ने हर्ष व्यक्त किया है।

शपथ पत्र

मैं बसंती रविदास पति रामू रवि दास, निवास ग्राम - मासीपीढ़ी, पोस्ट बरवां, थाना बरकट्ठा, जिला- हजारीबाग झारखंड शपथ पत्र संख्या -1656 दिनांक 22/8/2025 के माध्यम से घोषणा करती हूं कि मेरा वास्तविक नाम बसंती रविदास पति रामू रवि दास है जो मेरे वोटर आईडी कार्ड संख्या-BMH6714745 में दर्ज है। मेरे आधार कार्ड संख्या 2725 3605 2050 में मेरा नाम बसमतिया देवी पति रामू रविदास के नाम से दर्ज है जो गलत है। मेरा वास्तविक नाम बसंती रविदास आधार कार्ड में दर्ज कराने के लिए शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूं जो कि आज के बाद से मैं बसंती रविदास पति रामू रवि दास के नाम से जानी जाऊंगी।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।